हिन्दी दैनिक
रोजनामा इन्डो गल्फ
www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com
सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम
पटना, सोमवार | 12 अगस्त 2024 | वर्ष : 02 अंक : 92 | पृष्ठ - 12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति आत्मप्रशंसा के बजाय ठोस कदम उठाने की होनी चाहिए: खरगे

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में दो जवानों की शहादत पर शनिवार को दुख जताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा की नीति आत्मप्रशंसा के बजाय ठोस कदम उठाने की होनी चाहिए ।दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले स्थित एक जंगल में शनिवार को आतंकवादियों के साथ हुई एक भीषण मुठभेड़ में दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए जबकि चार अन्य घायल हो गए ।अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई, जब दूरदराज के अहलान गगरमांडू जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की एक सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया गया था ।खरगे ने एक्सपर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवादियों के खिलाफ संयुक्त अभियान में सेना के दो जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी और अपनी वीरता का परिचय दिया।

पीएम मोदी ने जारी कीं उच्च उपज वाली, जलवायु-अनुकूल फसल की 109 किस्में, किसानों और वैज्ञानिकों से बातचीत भी की

कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने वाले एक किसान ने कहा, 'हमारी बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने फसलों की नई किस्में लॉन्च की हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेंगी।'

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उच्च उपज देने वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सशक्त फसलों की 109 किस्म जारी की। नई दिल्ली में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पीएम ने फसलों की इन किस्मों को जारी किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा, 'प्रधानमंत्री द्वारा जारी की गई 61 फसलों की 109 किस्मों में 34 खेत की फसलें और 27 बागवानी फसलें शामिल हैं। खेत की फसलों में बाजरा, चारा फसलें, तिलहन, दलहन, गन्ना, कपास, फाइबर और अन्य संभावित फसलों सहित विभिन्न अनाज के बीज जारी किए गए। बागवानी फसलों में फलों, सब्जियों की फसलों, बागान फसलों, कंद फसलों, मसालों, फूलों और औषधीय फसलों की विभिन्न किस्में जारी की गईं।'कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने वाले एक किसान ने कहा, 'पहले जब मैं प्रधानमंत्री मोदी को किसानों की आय दोगुनी करने की बात

करते सुनता था, तो मुझे लगता था कि यह झूठ है, लेकिन आज उनसे मिलने के बाद यह स्थापित हो गया है कि वह किसानों को लेकर बहुत गंभीर हैं। हमारी बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने फसलों की नई किस्में लॉन्च की हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेंगी।'एक अन्य किसान किसान सत्यवान ने कहा, 'बैठक वाकई अच्छी रही। प्रधानमंत्री मोदी ने बारिश में भी किसानों से बातचीत की। उन्होंने हमसे पूछा कि फसलों की नई किस्म से हमें क्या फायदा होगा। फसल की कुछ किस्मों में कीटनाशकों की जरूरत नहीं होती, हमें अपनी फसलों का अच्छा दाम मिलेगा। ऐसी फसलों की अवधि कम होती है और विकास अधिक होता है। इसलिए, इससे किसानों को फायदा होगा।'प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने वाली जैविक किसान अनीता डागर ने कहा, 'यह एक सपना सच होने जैसा है। हम प्रधानमंत्री से बातचीत करने का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। पीएम मोदी के साथ बातचीत शानदार रही, फसलों की नई किस्म से किसानों की आय दोगुनी होने जा रही है। इन दिनों जलवायु परिवर्तन काफी देखने को मिल रहा है, ऐसे में किसानों को इन नई किस्मों की फसलों से काफी लाभ मिलने वाला है।'कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने किसानों और वैज्ञानिकों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने वाले एक किसान ने कहा, 'हमारी बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने फसलों की नई किस्में लॉन्च की हैं जो पर्यावरण के अनुकूल हैं और किसानों की आय बढ़ाने में मदद करेंगी।'

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन, पीएम मोदी ने जताया दुःख

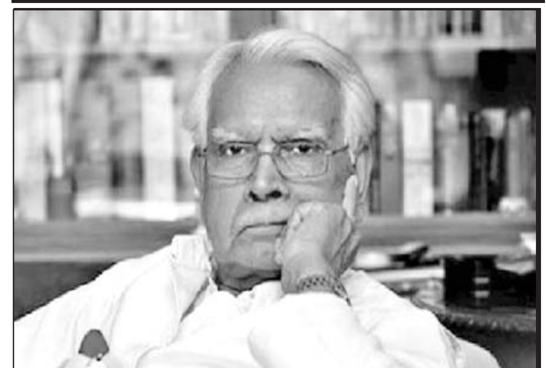

एजेंसी

नई दिल्ली: पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है. उनकी कूटनीति और विदेश नीति की प्रशंसा करते हुए उनके लेखन को भी सराहा है. पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का शनिवार (10 अगस्त) रात निधन हो गया. गुरुग्राम के एक अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली. नटवर सिंह के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया. लिखा- ह्लनटवर सिंह जी के निधन से बहुत दुःख हुआ. उन्होंने कूटनीति और विदेश नीति की दुनिया में बहुत बड़ा योगदान दिया.वे अपनी बुद्धिमता के साथ-साथ विपुल लेखन के लिए भी जाने जाते थे. इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं. ओम शांति.ह्ववहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नटवर सिंह के निधन पर दुःख जताते हुए कहा, ह्लप्रतिष्ठित राजनयिक और पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह के निधन से बहुत दुःख हुआ.उनके कई योगदानों में जुलाई 2005 के भारत-अमेरिका परमाणु समझौते में महत्वपूर्ण भूमिका शामिल है. उनके लेखन, विशेष रूप से चीन पर, हमारी कूटनीति में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की. उनके परिवार के प्रति संवेदना। ओम शांति.बता दें कि नटवर सिंह ने 2004-05 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में बतौर विदेश मंत्री अपनी सेवाएं दी थीं. इससे पहले वो एक नौकरशाह थे. उन्हें 1953 में भारतीय विदेश सेवा के लिए चुना गया था, जिसे उन्होंने 1984 में अपने पद से इस्तीफा दे दिया .फिर वो कांग्रेस के टिकट पर राजस्थान के भरतपुर से चुनाव लड़े और लोकसभा सांसद बने.1985 में, उन्हें केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई और उन्हें इस्पात, कोयला और खान तथा कृषि विभाग आवंटित किए

शभर में विरोध-प्रदर्शन, FORDA ने 12 अगस्त से राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी डॉक्टर के साथ यौन उत्पीड़न कर उसकी हत्या कर दी गयी। 9 अगस्त को घटी इस घटना के सामने आने के बाद से देशभर के डॉक्टरों में गुस्सा भरा हुआ है। महिला डॉक्टर को इंसाफ दिलाने के लिए डॉक्टर देशभर में विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। रविवार को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों ने महिला डॉक्टर के यौन उत्पीड़न और हत्या के विरोध में प्रदर्शन किया ।डॉक्टरों के संगठन फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने रविवार को 12 अगस्त से राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करने की घोषणा की। इसी के साथ उन्होंने देश के सभी अस्पतालों में वैकल्पिक सेवाएं बंद करने की घोषणा की। उन्होंने सोशल प्लेटफार्म एक्स पर घोषणा करते हुए लिखा, 'हम कल (12 अगस्त, सोमवार) से अपना राष्ट्रव्यापी आंदोलन शुरू करेंगे ! हम आर जी कर मेडिकल कॉलेज, कोलकाता के अपने पीटे गए, दुर्व्यवहार किए गए, बहुत आहत साथियों के साथ खड़े हैं।

गाजियाबाद मामले में अखिलेश ने न्यायालय से स्वत: संज्ञान लेने का आग्रह किया

एजेंसी

उत्तर प्रदेश: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गाजियाबाद में एक हिंदू दक्षिणपंथी संगठन द्वारा रेलवे स्टेशन के पास झुग्गियों में रहने वाले लोगों को बांग ?लादेशी घुसपैठिया बताकर उन पर हमला किए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए अदालत से इस मामले में स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह किया। अखिलेश ने शनिवार देर रात एक ?स पर एक पोस्ट में कहा, कानून हाथ में लेने का अधिकार तो सरकार को भी नहीं है, फिर उनके संगी-साथी गुर्गों को कैसे हो सकता है। इस हिंसक मामले

में माननीय न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने का आग्रह है ।सपा प्रमुख ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, आशंका की शिकायत होनी चाहिए, मनमानी हिंसा नहीं। कहीं यह भी भारतीय जमीन पार्टीह्ल का कोई खेल तो नहीं, जो जमीन खाली कराने का यह नायाब तरीका निकाल रही है। उन्होंने आरोप लगाया,।

राष्ट्रपति मुर्मू को तिमोर-लेस्ते का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलना देश के लिए गर्व का क्षण:मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित किए जाने को देश के लिए ह्यगर्व का क्षणह्ल करार दिया और कहा कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों व आपसी सम्मान को दशार्ता है ।मुर्मू (66) को सामाजिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण एवं महिला सशक्तीकरण के प्रति उनके समर्पण के लिए शनिवार को तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता ने अपने देश के

सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित किया था ।प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यराष्ट्रपति जी को तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित होते देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है।

बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं : मंत्री

एजेंसी

ओडिशा: ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि बांग्लादेश में हिंसा के बाद बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। हरिचंदन ने कहा कि ओडिशा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें जल्द उनके देश भेजा जाएगा ।पुलिस का कहना है कि भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस बांग्लादेश से सटी 480 किलोमीटर लंबी

समुद्री सीमा पर त्रिस्तरीय सुरक्षा बनाए हुए हैं ।बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की संभावनाओं से जुड़े पत्रकारों के सवाल के जवाब में हरिचंदन ने शनिवार को कहा कि मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने तटरक्षक बल और ओडिशा समुद्री पुलिस को इस तरह की कोशिशों को नाकाम करने के लिए समुद्र तट पर गश्त करने का निर्देश दिया है ।उन्होंने जोर देकर कहा कि बांग्लादेश के हालिया घटनाक्रमों के बाद ऐसी (बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से तटीय राज्य में दाखिल होने की) कोई रिपोर्ट नहीं है।

अभिषेक बनर्जी ने दुष्कर्म और हत्या मामलों में त्वरित न्याय के लिए विधेयक लाने का आह्वान किया

एजेंसी

नई दिल्ली: तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने बलात्कारियों और हत्यारों पर त्वरित गति से मुकदमा चलाने और एक सप्ताह के भीतर सजा सुनाने के लिए संसद में एक विधेयक पेश करने का आह्वान किया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अनुकरणीय सजा मिले ।बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के आमतला में एक प्रशासनिक बैठक के बाद यह टिप्पणियां कीं। तृणमूल के राष्ट्रीय

महासचिव ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक महिला परास्नातक प्रशिक्षु चिकित्सक के यौन उत्पीड़न और हत्या के बाद सड़कों पर प्रदर्शन करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं की निंदा की ।बनर्जी ने भाजपा नेताओं से प्रदर्शन के बजाय त्वरित न्याय के लिए केंद्र पर विधेयक पारित करने का दबाव डालने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस संसद में विरोधी दल होने के नाते इस विधेयक का समर्थन करेगी और इसे कांग्रेस तथा वामपंथी दलों का भी समर्थन मिल सकता है ।बनर्जी ने कहा कि ऐसे कानून से मुकदमे के लंबा खिंचने पर रोक लगेगी और यह सुनिश्चित करके करदाताओं का पैसा बचाया जाएगा।

विधानसभा चुनाव महाराष्ट्र से नफरत करने वालों के खिलाफ लड़ाई है: ठाकरे

एजेंसी

महाराष्ट्र: शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर दिल्ली के सामने झुकने का आरोप लगाया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव उन लोगों के खिलाफ लड़ाई है जो राज्य से नफरत करते हैं ।शिंदे के गढ़ ठाणे शहर में पार्टी कार्यकताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर अक्टूबर में होने वाले चुनावों से महीनों पहले अपनी प्रमुख योजना ह्यमुख्यमंत्री लाडकी बहिन योजनाह्ल की घोषणा करके मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया ।पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए क्योंकि यह उनका अपना पैसा है, लेकिन उन्हें आत्मसम्मान से समझौता नहीं करना चाहिए। ठाकरे ने प्रतिद्वंद्वी शिवसेना के प्रमुख शिंदे पर हमला करते हुए कहा, ह्लवे दिल्ली के सामने झुक रहे हैं ।उन्होंने कहा कि शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे का संघर्ष दिल्ली के सामने झुकने से इनकार करने के लिए था। ठाकरे ने कहा, ह्लराज्य विधानसभा की लड़ाई उन लोगों के साथ होगी जो महाराष्ट्र से नफरत करते हैं ।इससे पहले जब ठाकरे यहां गडकरी रंगायतन सभागार में अपनी पार्टी के कार्यकताओं की एक बैठक के लिए पहुंचे तो महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और उनके काफिले पर टमाटर और गोबर फेंका ।कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान इस घटना का कोई उल्लेख न करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ता उनके ह्यवाघ-नखह्ल हैं और वह ह्लअब्दालीह्व से नहीं डरते। हाल ही में उद्धव ठाकरे ने भाजपा नेता अमित शाह को अहमद शाह अब्दालीह्व करार दिया था।

जब से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने आरएसएस और भाजपा बिहार में मजबूत हुई : तेजस्वी

संवाददाता

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विभाजनकारी राजनीतिक ताकतों के साथ हाथ मिलाने के लिए आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख ने राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को राज्य में अपना आधार मजबूत करने में मदद की है। यादव ने राजद कार्यालय में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा समाज में नफरत फैला रही है जबकि हमें गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, किसान और विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा करनी चाहिए ।उन्होंने कहा, भाजपा जाति, पंथ और धर्म के नाम पर देश को बांटने

की कोशिश कर रही है। नीतीश ने इन विभाजनकारी ताकतों के साथ हाथ मिला लिया है और बिहार में अपना आधार बढ़ाने में आरएसएस और भाजपा का लगातार समर्थन किया है ।ह्व यादव ने भाजपा पर राज्य और पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ह्यह्य2005 से पहले राजद के शासनकाल के दौरान बिहार में आरएसएस और भाजपा कमजोर थी। जब से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने हैं आरएसएस और भाजपा बिहार में मजबूत हुई है ।तेजस्वी ने कहा, ह्लराजद सरकार के दौरान बिहार में कभी सांप्रदायिक झड़पें नहीं हुईं। अब भाजपा और उसके सहयोगी आरक्षण प्रावधानों और वक्फ बोर्ड में बदलाव जैसे विवादास्पद मुद्दों को उठाकर अल्पसंख्यक समुदायों, सामाजिक तौर पर हाशिए पर पहुंचे समूहों और गरीबों के अधिकारों को कुचलने का प्रयास कर रहे हैं ।ह्व उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोगों को महत्वपूर्ण मुद्दों से भटकाने के लिए सांप्रदायिक नफरत का इस्तेमाल कर रही है। यादव 15 अगस्त के बाद राज्यव्यापी यात्रा की तैयारी में जुटे हैं।

प्रदेश महिला मोर्चा ने किया नए प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसावल का अभिनन्दन

एनडीए सरकार में मिला महिलाओं को उचित सम्मान : डॉ दिलीप जायसावल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 11 अगस्त। बिहार भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आज प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक समारोह में प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायस्वाल का जोरदार स्वागत किया गया। महिला मोर्चा द्वारा आयोजित इस अभिनन्दन और स्वागत समारोह मे राज्यसभा सांसद सह महिला मोर्चा अध्यक्ष डा. धर्मशीला गुप्ता भी उपस्थित रही।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के भूमि सुधार और राजस्व मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि एनडीए की सरकार में महिलाओं को उचित सम्मान एवं आदर मिला है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण यह है कि राज्य में बिहार महिला मोर्चा के जिला अध्यक्ष को 20 सूत्री में जगह देने का काम किया गया साथ ही राज्य में महिलाओं को 20 सूत्री से लेकर राज्यसभा तक नामित किया गया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री राजेश वर्मा एवं विधानपरिषद सदस्य आदरणीय निवेदिता सिंह उपस्थित रहे।डॉ जायसावल ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण आज महिलाए आत्मनिर्भर बन रही हैं और लगातार आगे बढ़ रही है। कार्यक्रम में महिला मोर्चा महामंत्री मीना झा, शोभा सिंह, भारती सुमन, उपाध्यक्ष सरोज जयसवाल, श्रीमती कुमकुम देवी, अंजनी निषाद, सरला रजत, मंत्री सीमा पांडे, शशि बलदिहार, मीडिया प्रभारी कुमारी बसुधा, मुख्यालय प्रभारी श्रीमती चिंता ओझा , कार्यालय प्रभारी माला सिन्हा, रीता सिंह, कोषाध्यक्ष, रागनी रानी, रजनी जयसवाल, प्रवक्ता एवं जिला अध्यक्ष के साथ बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की बहनें उपस्थित रहीं।

2005 के पहले और उसके बाद के कालखंड को समझने में सहायक होगी पुस्तक ' विकास के प्रतिमान- सम्राट

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सदय : प्रकाशित पुस्तक 'विकास का प्रतिमान का लोकार्पण करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा- नंद किशोर जी के भाषणों का संग्रह जीवंत दस्तावेज
- प्रधानमंत्री द्वारा बिहार को दिए गए चार एक्सप्रेस-वे के पूरा होने के बाद राज्य के किसी भी हिस्से से 4 घन्टे में पटना पंहुचना होगा संभव

पटना, 11-08-2024उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली द्वारा सदयः प्रकाशित व वरिष्ठ पत्रकार राकेश प्रवीर द्वारा सम्पादित पुस्तक ' नंद किशोर यादवः विकास के प्रतिमान' के लोकार्पण के बाद कहा कि यह पुस्तक 2005 के पहले और बाद के कालखंड को समझने में सहायक होगी।उन्होंने कहा कि नंद किशोर जी व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार ने विकास की जो नींव रखीं है, उसी का नतीजा है कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार को चार नए एक्सप्रेस-वे की सौगात दी है। राज्य के किसी भी हिस्से से पहले राजधानी पटना पहुंचने का जो 5 घन्टे का लक्ष्य रखा गया था, इन एक्सप्रेस-वे के पूरा होने के बाद निश्चित तौर पर वह 4 घन्टे हो जाएगा।श्री चौधरी ने कहा कि वर्तमान बिहार विधान सभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव जी के मंत्रित्वकाल में सदन में दिए गए भाषणों का यह संग्रह अपने कालखंड का जीवंत दस्तावेज है।2005 में बिहार में जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की सरकार बनी तो लोगों को विकास का मतलब समझ में आया। अपने नेताओं के नेतृत्व में नंद किशोर यादव ने विकास कार्यों को न केवल गति दी बल्कि उसे जमीन पर भी साकार किया।सड़कें बिहार की यूएसपी बनी। आवागमन सुलभ हुआ जिसकी वजह से बिहार में विकास की गति तेज हुई।उन्होंने कहा कि पथ निर्माण के अलावा नंद किशोर जी ने कुछ वर्षों तक स्वास्थ्य व पर्यटन विभाग को भी संभाला। उन्होंने हर जगह अपनी छाप छोड़ी।विकास के उन्हीं गाथाओं को इस पुस्तक में संग्रह किया गया है। श्री यादव के इन भाषणों और वक्तव्यों के जरिए बिहार में आये बदलाव को भी जाना-समझा जा सकेगा।

विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव की जीवन यात्रा प्रेरणादायक : डॉ दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 11 अगस्त। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार सरकार के भूमि सुधार और राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल आज बिहार विधानसभा के ऑडिटोरियम में विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव के व्यक्तिगत अनुभवों पर आधारित "नंदकिशोर यादवः विकास के प्रतिमान" पुस्तक के विमोचन समारोह में सम्मिलित हुए।

इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि नंदकिशोर जी ने अपने कर्म से सिद्ध किया है कि शून्य से शिखर का सफर संघर्ष व मेहनत से किया जाता है। वे हमेशा नए सहयोगियों के साथ भी मित्रवत व्यवहार करते हैं। बड़े पद पर रहने के बाद भी कोई इगो उनके अंदर नहीं है। कुछ लोग होते हैं, जो पद से बड़े होते हैं और जिस पद पर होते हैं उसे बड़ा बना देते हैं। नंदकिशोर यादव ऐसे ही व्यक्ति हैं।उन्होंने अपने संबोधन में नन्दकिशोर जी को शुभकामना देते हुए कहा कि वे लगातार परोपकार के काम मे आगे बढ़ते रहे यही कामना है। उन्होंने कहा कि लगातार सात बार चुनाव जीतना केवल राजनीति ही नहीं, बल्कि सामाजिक, पारिवारिक व व्यक्तिगत संबंध का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की पुस्तकें नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का काम करेगी। नंदकिशोर यादव ने अपने संघर्ष, परिश्रम व त्याग के बल पर अपनी पहचान बनाई।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री जायसवाल ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को भी इस पुस्तक का लाभ उनके राजनीतिक जीवन मे मिलेगा।उन्होंने कहा कि पुस्तक के विमोचन में शामिल होना सुखद अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि उनकी जीवन यात्रा भाजपा के कार्यकताओं के लिए एक प्रेरणादायक है।

जिले में जन सुराज कार्यवाहक समिति की हुई घोषणा

बच्चा राय बने ज़िलाध्यक्ष, संगठन महासचिव श्रवण महतो, महिला जिलाध्यक्ष अमिता सहनी, जिला युवा अध्यक्ष बने कुमार शिवम

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- -चार सदस्यीय कोर कमिटी सदस्यों ने की जिला कार्यवाहक समिति की घोषणा
- -समिति में पांच संरक्षक और पांच सदस्यीय अभियान समिति का भी गठन

छपरा। रोजनामा इंडो गल्फ, वरिष्ठ संवाददाता ,शकील हैदर/जन सुराज के जिला कार्यालय में शनिवार को सारण के जिला कार्यवाहक समिति की घोषणा की गई। यह घोषणा नेताओं और कार्यकताओं से खचाखच भरे हॉल में चार सदस्यीय कोर कमिटी की टीम ने की। इनमें योगेन्द्र शर्मा, जयराम सिंह, डॉ. संजय सुमन और नवशाद अली फारूखी शामिल थे। नवशाद अली ने कहा कि जनसुराज बिहार के बदलाव और व्यवस्था परिवर्तन की जिद्द का सपना लेकर उतरी है। प्रशांत किशोर के पास इसे लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण है। उन्होंने यह भी कहा कि आज घोषित समिति स्थाई चुनाव होने तक काम करेगी। कार्यवाहक समिति के जिलाध्यक्ष बच्चा राय को बनाया गया। पांच सदस्यीय संरक्षक समिति में भरदुल प्रसाद, शेर मोहम्मद खान, प्रो. पृथ्वी राज सिंह, त्रिभुवन भगत और शिवनाथ राय को रखा गया है। जिलाध्यक्ष के साथ काम करने के लिए 15 उपाध्यक्ष और 15 जिला सचिवों के नामों की भी घोषणा की गई। वहीं संगठन महासचिव श्रवण महतो, मुख्य जिला प्रवक्ता कुलदीप महासेठ, जिला कार्यालय प्रभारी नवनीत कुमार यादव, महिला जिलाध्यक्ष अमिता सहनी, जिला युवा अध्यक्ष कुमार शिवम और जिला किसान अध्यक्ष शिवनाथ सिंह को बनाया गया। इसके अतिरिक्त तीन अनुमंडल और 20 प्रखंड के अध्यक्ष व सदस्यों के नामों की भी घोषणा हुई। वहीं जन सुराज की सोच को घर-घर पहुंचाने के लिए पांच सदस्यीय अभियान समिति की भी घोषणा की गई। इसके संयोजक युवराज प्रियरंजन सिंह बनाए गए हैं। इस समिति के चार अन्य सदस्यों में नीलेश कुमार सिंह, नवल कुमार, अभिषेक सिंह और शिव कुमार सिंह शामिल हैं। इस बैठक की अध्यक्षता शेर मोहम्मद खान ने की और संचालन कुलदीप महासेठ ने किया।

परिवार नियोजन पखवाड़ा - गर्भनिरोध के स्थाई साधनों के प्रति लोगों का भरोसा कायम, लोकप्रिय हो रहे हैं नियोजन के अस्थाई साधनः

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- पखवाड़े के बाद भी जिले के सभी अस्पतालों में परिवार नियोजन की सभी तरह की सुविधाएं रहेंगी उपलब्ध : जिलाधिकारी
- जिले की 5850 महिलाओं को अंतरा की सुई लगाकर राज्य में पहला स्थान तो एकमा ने 224 प्रतिशत के साथ जिले में पाया सर्वोच्च स्थान : सिविल सर्जन

छपरा, 11 अगस्त।जनसंख्या वृद्धि दर को कम करने के लिए ग्रामीण इलाकों में परिवार नियोजन से संबंधित विस्तृत रूप से जानकारी देने के बाद ही इस पर काबू पाया जा सकता है। हालांकि इसके लिए जिले के इच्छुक दंपत्तियों को सुविधा का लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विगत 11 से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का आयोजन किया गया था। इस दौरान लोगों को परिवार नियोजन के विभिन्न सुविधाओं के प्रति जागरूक करते हुए आवश्यक सुविधा लाभ उपलब्ध कराया गया। जिलाधिकारी अमन समीर ने बताया कि जिले के लाभार्थियों को परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना अनवरत जारी रहेगा। क्योंकि पखवाड़े के बाद भी जिले के सभी अस्पतालों में परिवार नियोजन की सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। जिसका किसी भी लाभार्थी द्वारा स्वास्थ्य कर्मी या चिकित्सकों के सहयोग से लाभ उठाया जा सकता है। जिलेवासियों को ज्यादा से ज्यादा परिवार नियोजन सुविधाओं का लाभ उठा कर अपने परिवार को स्वस्थ और सुरक्षित रखना चाहिए। हालांकि सारण जिला हमेशा से राज्य में अव्वल आता रहा है। जिसको इस बार भी टॉप फाइव में अपना स्थान हासिल किया है जिले की 5850 महिलाओं को अंतरा की सुई लगाकर राज्य में पहला स्थान हुआ प्राप्तः सिविल सर्जन सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिवार नियोजन से संबंधित सभी तरह की मूलभूत सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करायी जाती हैं। जिस कारण हाल के दिनों में परिवार नियोजन सेवाओं के प्रति लोगों का विश्वास काफी बढ़ा है। हालांकि स्थाई साधनों के साथ गर्भ निरोध के अस्थाई साधन भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। परिवार नियोजन स्वस्थ व समृद्ध परिवार का आधार है। क्योंकि यह परिवार का आकार छोटा रखने और दो बच्चों के बीच पर्याप्त अंतर रखने का सुलभ व आसान तरीका है। परिवार नियोजन कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी अमन समीर के दिशा निर्देश में अंतरा सुई (5850) लगाने में सारण जिला राज्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य से अधिक 143 प्रतिशत और 31355 ईसीपी देकर 87 प्रतिशत के साथ पहला स्थान हासिल किया है, वही कंडोम 856695 वितरण में 476 प्रतिशत के साथ दूसरा तो 57858 माला एन की गोली वितरण कर 80 प्रतिशत पूरा करते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह 2508 पीपीआईयूसीडी लगाकर 67 प्रतिशत और 54319 छाया गोली वितरण कर 75 प्रतिशत के साथ चौथा स्थान प्राप्त हुआ है।

हंड्रेड द्वितीय बिहार जूनियर (अंडर 19) बैडमिंटन रैंकिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल के खेले गए 18 मैच ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

मधुबनीः मधुबनी डिस्ट्रिक्ट बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर-19 स्टेट रैंकिंग हंड्रेड द्वितीय बिहार जूनियर (अंडर 19) बैडमिंटन रैंकिंग प्रतियोगिता का शुक्रवार 8 अगस्त 2024 को शुभारंभ किया गया था। चार दिवसीय बैडमिंटन टूनार्मेंट का फाइनल 12 अगस्त सोमवार को गिरधारी नगर भवन (टाऊन हॉल), मधुबनी में खेला जाएगा। प्रतियोगिता में 22 जिले से ऑफिसियल सहित कुल 100 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं, जिसमें से 24 बालिका और 78 बालक अपना-अपना भाग्य आजमा रहे हैं। हंड्रेड द्वितीय बिहार जूनियर (अंडर 19) बैडमिंटन रैंकिंग प्रतियोगिता के तीसरे दिन क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल के सभी 18 मैच खेले गए। सुबह में बालक एकल मुकाबलों में पटना के सक्षम वत्स(1) ने पटना के अक्षर अथर्व को 21-13, 21-16 से, वहीं पटना के ही रणवीर सिंह ने मुंगेर के पराग सिंह को 21-13, 21-18 से, जबकि पटना के ही कार्तिक ने मुजफ्फरपुर के अमृतराज को 21-15, 21-19 से हराया। जबकि मुजफ्फरपुर के तनवीर अहमद ने पटना के आदित्य रंजन को 10-21, 21-9, 21-11 से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

मधुबनी, जिलाधिकारी ने आईसीडीएस की मासिक समीक्षा बैठक में दिए कई निर्देश

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
अबु बकर

- पोषण ट्रैकर के विभिन्न मानकों/ सूचकांक में शत प्रतिशत उपलब्धि का दिया निर्देश
- पोषाहार का वितरण ससमय पूरी पारदर्शिता के साथ करने का दिया निर्देश।
- सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर डायरिया से बचाव को लेकर स्वच्छता विशेषकर हैंडवाश को लेकर जागरूकता अभियान चलाने का दिया निर्देश।

आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों का प्रत्येक माह ऊंचाई और वजन लेकर पंजी में संधारित करने का दिया निर्देश।इसके- जिलाधिकारी अपने क्षेत्र भ्रमण में आंगनवाड़ी केंद्रों का करेगे निरीक्षण।- *जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिले में बाल विकास परियोजना द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित हुई। जिलधिकारी के द्वारा पिछले माह कि बैठक संबधित कार्यवाही के अनुपालन को लेकर समीक्षा कर कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने पोषण ट्रैकर के विभिन्न मानकों/ सूचकांक में शत प्रतिशत उपलब्धि के लिए निर्देश दिया। सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को यह भी निर्देश दिया गया कि अपने संबंधित प्रखंड में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा आयोजित बीएलटीएफ की बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि डायरिया उन्मूलन को लेकर जिले में चलाये जा रहे अभियान में सभी सीडीपीओ महत्वपूर्ण भूमिक निभाये। डायरिया से बचाव को लेकर आंगनबाड़ी केन्द्रोके माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार करे। सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर स्वच्छता विशेषकर हैंडवाश को लेकर जागरूकता अभियान चलाए। उन्होंने कहा कि सिर्फ अच्छी तरह से हैंडवाश करके हम कई बीमारियॉ से अपना बचाव कर सकते है। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पोषाहार का वितरण सही प्रकार करें और इससे संबंधित डेटा को तत्पर होकर पोर्टल पर अपलोड करें। यह कह देना मान्य नहीं होगा कि इंटरनेट नेटवर्क की कमी से समय से डेटा अपलोड नहीं हो पाया है। उन्होंने इसके लिए प्रखंड स्तर पर सभी आंगनवाड़ी कार्यकताओं की बैठकों में उन्हें तकनीकी जानकारी के साथ साथ आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि वे स्वयं अपने क्षेत्र भ्रमण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करेंगे और लापरवाही करने वाले पर कार्रवाई होगी। ऐसे में सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का समय से खुलना सुनिश्चित करें। जिलधिकारी ने निर्देश दिया कि कि सभी आंगनवाड़ी केंद्रों पर टैग किए गए बच्चों का प्रत्येक माह ऊंचाई और वजन लेकर पंजी में संधारित किया जाए। इसके लिए संबंधित बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अपने अधीनस्थ आंगनवाड़ी कार्यकताओं से इसका अनुपालन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने कहा कि जिस वार्ड में नल जल योजना सुचारू रूप से चल रही है, वहां नल का कनेक्शन अचूक रूप से करवाएं। उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्रों पर शौचालय रहने और उसे क्रियाशील बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं।

कार्य मे लापरवाही पर प्रखण्ड शिक्षा साधनसेवी कार्य मुक्त

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज 11अगस्त रविवार।महाराजगंज प्रखण्ड संसाधन केंद्र में कार्यरत प्रखण्ड साधनसेवी सह सेवानिवृत शिक्षक अरबिंद कुमार सिंह को महाराजगंज प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री राज किशोर उपाध्याय ने कार्य मे लापरवाही व जिमेवारी को सही ढंग से निर्वहन न करने के आरोप मे प्रखंड साधनसेवी को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महाराजगंज अपने पत्रांक 704 दिनांक,7,8,2024 के आलोक मे स्थापना व सर्वशिक्षा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को अवगत कर कार्यमुक्त कर दिए। वही बता दे की इनका चयन शिक्षक पद से सेवानिवृत होने के बाद प्रखण्ड साधन सेवी के पद पर हुआ था।प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी श्री राज किशोर उपाध्याय ने कार्य मे लापरवाही व जिमेवारी को सही ढंग से निर्वहन न करने के आरोप

महाराजगंज विधायक के पहल से हुआ कई गांव के ग्रामीणों का सपना साकार ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरिफ

सिवान महराजगंज 11अगस्त रविवार। महाराजगंज प्रखण्ड के हाजपुरवा पंचायत के शाहपुर में जनहित के अतिमहत्वपूर्ण, बहुप्रतीक्षित 51.37 मीटर चौड़े और 1220मीटर लंबे 61582536 ?(छः करोड़, पंद्रह लाख बेरासी हजार पांच सौ छत्तीस) के लागत से बनने वाले भजुआ नदी पर पुल की स्वीकृति राज्य सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा निर्गत किया गया है ' इसकी जानकारी देते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महराजगंज विधायक विजय शंकर दुबे जी ने बताया कि इसके निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से क्षेत्रीय लोगो कि मुख्यालय से दूरी छः किलोमीटर तक कम हो जायेगी, तथा शाहगंज, सोनबरसा,, फलपुरा, हाजपुरवा, खम्होरी, खमभोरा, पांडेय टोला, मिश्रवालिया, सिवदाह, नौतन सहित लगभग 15 गांवों के जनता जनार्दन का सिवान जिला मुख्यालय का मार्ग सुगम होगा यथा महराजगंज बाजार मे भी इन लोगो के आगमन से ग्राहकों के संख्या में वृद्धि होगी एवं महराजगंज का चतुर्दिक विकाश के साथ क्षेत्रीय लोगो कि चीर परिचित मांग पूरी होगी ' आगे उन्होंने बताया कि शाहगंज शाहपुर मार्ग के साथ ही साथ भजूआ नदी पुल के संपर्क सड़क का भी निर्माण कार्य किया जाएगा 'बताया कि इसके निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने से क्षेत्रीय लोगो कि मुख्यालय से दूरी छः किलोमीटर तक कम हो जायेगी, तथा शाहगंज, सोनबरसा,, फलपुरा, हाजपुरवा, खम्होरी, खमभोरा, पांडेय टोला, मिश्रवालिया, सिवदाह, नौतन सहित लगभग 15 गांवों के जनता जनार्दन का सिवान जिला मुख्यालय का मार्ग सुगम होगा यथा महराजगंज बाजार मे भी इन लोगो के आगमन से ग्राहकों के संख्या में वृद्धि होगी

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, बेली रोड, पटना में

बुलबुल छात्राओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय हीरक पंख पुनः परीक्षण शिविर का आज अत्यन्त ही उल्लासपूर्ण वातावरण में समापन हुआ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय, बेली रोड, पटना में बुलबुल छात्राओं के लिए आयोजित तीन दिवसीय हीरक पंख पुनः परीक्षण शिविर का आज अत्यन्त ही उल्लासपूर्ण वातावरण में समापन हुआ।9 अगस्त से 11 अगस्त तक आयोजित इस शिविर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग के 30 विद्यालयों की कुल 134 छात्राओं ने भाग लिया। तीन दिनों के इस शिविर का बच्चों ने भरपूरआनन्द लिया तथा परीक्षण से सम्बंधित विभिन्न प्रतियोगिताओं में तल्लीनतापूर्वक भाग लिया।शिविर की समस्त क्रिया कलापों में बुलबुल छात्राओं ने अपने आपको स्वर्ण तीर बैज-2024 के लिए उपयुक्त प्रमाणित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उल्लेखनीय है कि इन प्रतिभागियों में स्वर्णतीर बैज के लिए चयनित छात्राओं के व्यक्तिगत खाते में केंद्रीय विद्यालय संगठन (मुख्यालय) की ओर से 1000/- रु० पारितोषिक रूप में जमा किये जायेंगे मौके पर केंद्रीय विद्यालय संगठन पटना संभाग के उपायुक्त श्री अनुराग भटनागर एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री भीम कुमार ने शिविर का निरीक्षण किया, बुलबुल छात्राओं की गतिविधियों का अवलोकन किया तथा सर्वधर्म प्रार्थना सभा में भाग लियो उन्होंने विद्यालय की ओर से की गयी उत्तम व्यवस्था तथा शिविर के सुचारू संचालन के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की हर्षोल्लासमयी समापन समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदुम्न कुमार सिंह ने की उन्होंने अपने आशीर्वचन में छात्राओं के शिष्ट एवं मर्यादित आचरण की प्रशंसा की तथा उन्हें एक आदर्श नागरिक बनने की सीख दी। शिविर के उद् ?देश्य के अनुकूल ही उन्हें अपने जीवन में सदाचारी, परोपकारी सहिष्णु तथा मैत्रीभावधारी बनने की बात बतायी उन्होंने उन्हें अपने आप में नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा अपने सर्वांगीण विकास के प्रति सजग रहने का परामर्थ दिया। उन्होंने प्रतिभागी छात्राओं के बीच प्रमाण पत्र वितरित कर उनका उत्साह वर्धन भी किया।इस अवसर पर प्रतिभागी छात्राओं ने भी शिविर के सम्बन्ध में अपने अनुभवों को साझा किया तथा घर जैसा माहौल प्रदान करने, खान-पान एवं रहन-सहन की व्यवस्था करने तथा साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के लिए प्राचार्य महोदय के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। मौके पर शिविर नायक श्रीमती मधुलिका मधु, मुख्य परीक्षक श्रीमती वंदना गुप्ता, सहायक परीक्षक श्रीमती अनुपमा सिन्हा, श्रीमती कंचन कुमारी, सुश्री अंजु, प्राचार्या श्रीमती मधु कुमारी एवं श्री राजीव रंजन सिंह, संजय कुमार झा, नीरज कुमार आदि उपस्थित रहें

नशा मुक्त भारत प्रतिज्ञा के साथ 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का श्री शुभारम्भ

सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2020 से चलाये जाने वाले महा अभियान

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नशामुक्त भारत अभियान" के अन्तर्गत 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न समारोह का आयोजन किया जाना है। समारोह का विषय है "विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र" ।इस समारोह का शुभारंभ 10 अगस्त 2024 को 'नशा मुक्त भारत' प्रतिज्ञा से हुआ। बासुदेव तिवारी सेवा संस्थान द्वारा संचालित 'पुनर्जन्म ' नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारियों एवं केंद्र में भर्ती स्वाथीर्यों ने नशा मुक्त भारत बनाने की प्रतिज्ञा लिया।इसी क्रम में पुनर्जन्म नशा मुक्ति केन्द्र के कर्मचारियों के साथ आदर्श इंटर कॉलेज, बेलवार, रायगंज, गोरखपुर के प्रिन्सिपल आलोक कुमार, कॉलेज के शिक्षक एवं 400 छात्र- छात्राओं ने भारत को नशा मुक्त भारत बनाने की प्रतिज्ञा लिया। संस्था द्वारा संचालित आउट रीच एंड ड्रॉप-इन सेंटर, गोरखपुर के कर्मचारियों के साथ 50 स्वाथीर्यों ने एवं उढछक गोरखपुर के कर्मचारियों के साथ 300 बच्चों ने नशा भारत की प्रतिज्ञा ली। इस प्रकार कुल 850 लोगों ने नशा मुक्त भारत बनाने हेतु प्रतिज्ञा लिया। "नशा मुक्त भारत अभियान" के अन्तर्गत 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 10 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक विभिन्न कार्यक्रमों का में आयोजन किया जाना है। 10 अगस्त को 'नशामुक्त भारत' शपथ, ग्रहण, 11 अगस्त को कार्यशाला, 12 अगस्त को नशा मुक्त भारत को समर्पित खेलकूद प्रतियोगिता, 13 अगस्त को नुक्कड नाटक, 14 अगस्त को नशामुक्त भारत को समर्पित वृक्षारोपण एवं 15 अगस्त को रैली का आयोजन किया जाना है। इस बात की जानकारी बासुदेव तिवारी सेवा संस्थान की सचिव डॉ0 रीना मालवीय ने दिया। कार्यक्रम के प्रथम दिन' प्रतिज्ञा ग्रहण के दौरान. केन्द्र के परामर्श दाता, संतोष राय, अकबर अली, नर्स जितेन्द्र एवं राम प्रकाश दुबे डउक्कउ के कर्मचारी संजय कुमार, संजय सिंह विशेन, सर्वेश एवं उढछक के कर्मचारी इरा रोजलीन एवं सरोज उपस्थित रहे।

कांग्रेस की कथनीकरनी में फर्क डॉक्टर प्रेम कुमार

वरिष्ठसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बिहार कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए बिहार भाजपा के वरीय नेता और बिहार सरकार के सहकारिता सह पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि अखिलेश सिंह सच को उजागर कर ही दिए। अब वह कांग्रेस की गलतियों को छिपाने के लिए बिहार के विशेष राज्य के दर्जा पर घड़ियाल आंसू बहा झूठी राजनीति करने की बात कर रहे हैं। उनको पता है कांग्रेस शासन काल में है बिहार को विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं मिला? कांग्रेस क्यों नहीं दे पाई विशेष राज्य का दर्जा। अगर कांग्रेस विशेष राज्य का दर्जा नहीं दे पाई तो कम से कम विशेष आर्थिक पैकेज से ही बिहार को मदद किया जा सकता था। बिहार के साथ सिर्फ 2004 से 2014 ही नहीं पूर्व में भी कांग्रेस शासन काल में सदा अपेक्षा रही है। जब-जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार रही है उसने बिहार के लिए बहुत ज्यादा काम नहीं किया। इस बात को कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह मीडिया के सामने स्वयं स्वीकार कर चुके। एनडीए या भाजपा की जब-जब सरकार बनी है बिहार को आर्थिक पैकेज विभिन्न परियोजनाओं की सौगात दे मदद की है। चाहे वाजपेई जी हो चाहे नरेंद्र मोदी जी हों। जहां मोदी जी ने 125 लाख करोड़ की घोषणा की थी लेकिन मदद 164 लाख करोड रुपए का बिहार को पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार द्वारा की गई। वही मोदी जी ने अपने तीसरे प्रधानमंत्री के कार्यकाल में एक मस्त 60,000 करोड रुपए का पहले ही बजट में विभिन्न परियोजनाओं से बिहार को मदद किया है। भाजपा कहती है सो करती है,हमारे कथनी और करनी में फर्क नहीं होता।

सखी सावन मिलन अभिनंदन समारोह में शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 11 अगस्त । पटना के होटल अप्सरा, कदमकुंआ में आज सखी सावन मिलन अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के भूमि सुधार और राजस्व मंत्री डॉ दिलीप जायसवाल, भाजपा प्रदेश के महामंत्री राजेश वर्मा और ललन कुमार मंडल जी ने दीप प्रज्वलित कर किया।इस कार्यक्रम में विभिन्न तरह के प्रतियोगिता एवं रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इस साल का सावन क्वीन मेनका सिंह बनी। माननीय प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। आज के कार्यक्रम में संगीता गुप्ता , माधुरी सिंह, मेनका सिंह, नीलम सिंह, रानी गुप्ता, शशि सिंह , माला सिन्हा, आशा सिन्हा, कंचन सिंह, वंदना सिन्हा, बिन्नी सिंह, कुमारी वीणा , नेहा निश्चल, रेनू गुप्ता, अंजना त्रिपाठी सहित सैकड़ो महिलाए उपस्थित रही। महिलाएं सावन की गीतों पर झूमती नजर आई।कार्यक्रम

समस्तीपुर कॉलेज में 53 NCC कैडेटों का किया गया चयन, 110 छात्र-छात्राओं ने किया था आवदेन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
समस्तीपुर मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर कॉलेज समस्तीपुर में 12 बिहार बटालियन एनसीसी समस्तीपुर के 1/12 कंपनी कैडेटों की भर्ती प्रक्रिया शनिवार को पूरी हुई। भर्ती प्रक्रिया के लिए 110 छात्र-छात्राएं आवदेन के साथ आए, जिनमें से 53 का चयन किया गया। भर्ती प्रक्रिया में दौड़, लंबाई, लिखित परीक्षा, बीम व साक्षात्कार आदि शामिल थे। भर्ती प्रक्रिया की अगुवाई समस्तीपुर कॉलेज, समस्तीपुर के एनसीसी अधिकारी ले. डॉ. राहुल मनहर ने की। उनके सहयोग के लिए सूबेदार केसी कुकी व वेद, हवलदार संदेश गुरुंग, चंद्रा राणा, सीनियर कैडेट्स राजकुमार, राजा कुमार, विकास कुमार, दीपांजलि , नितिन, सपना, कंचन आस्था, अंकित, मानतोस, छोटी, पूजा, नमन आदि उपस्थित थे। भर्ती प्रक्रिया के बाद सफल सभी कैडेट्स का प्रशिक्षण समस्तीपुर कॉलेज समस्तीपुर के खेल मैदान में होगा। सफल सभी कैडेट्स को 12 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल रविन्द्र रावत व समस्तीपुर कॉलेज समस्तीपुर की प्रिंसिपल डॉ. मीना प्रसाद ने बधाई व शुभकामनाएं दीं

हर घर तिरंगा अभियान 3.0 के तहत समस्तीपुर के डाकघरों में 25 रुपये में मिलेगा तिरंगा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- हर घर तिरंगा अभियान 3.0 के तहत डाक विभाग ने 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) पर समस्तीपुर जिले के सभी डाकघरों में तिरंगा झंडा की उपलब्धता सुनिश्चित की है। डाक अधीक्षक ने बताया कि तिरंगा खरीदने के इच्छुक व्यक्ति अपने नजदीकी डाकघर से संपर्क कर मात्र 25 रुपये में तिरंगा प्राप्त कर सकते हैं। इसे ऑनलाइन भी बुक किया जा सकता है। जिसे डाकिया उनके घर पर पहुंचाएगा। ऑनलाइन बुकिंग करने के लिए इंडिया पोस्ट के वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं। ऑनलाइन आर्डर 13 अगस्त तक लिया जाएगा।

हुसैनगंज के गांजी बाबा का मशहूर मेला प्रारंभ, क्षेत्र के लोगों की उमड़ी भीड,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

हुसैनगंज संवाददाता सीवान जिले के हुसैनगंज प्रखंड के स्थानीय स्थित दहा नदी के किनारे दरगाह के प्रांगण में लगने वाले दो दिवसीय गांजी बाबा का मशहूर मेला रविवार को प्रारंभ हो गया. यह मेला 11से 12 अगस्त तक चलेगा. प्रत्येक वर्ष यह मेला सावन महीने में ही लगता है. इस गांजी बाबा के मेले से ही प्रखंड के सभी क्षेत्रों में अन्य त्योहारों के मेलों की शुरूआत होती है.इस मेला में दूर दूर से मुस्लिम समुदाय के लोग आते हैं. महिलाओं और बच्चों की संख्या अधिक रहते हैं. इस मेला में हुसैनगंज दरगाह में कब्रिस्तान के उत्तर दिशा में एक गांजी बाबा का स्थान बनाया गया है. वहाँ पर सभी मिठाई, वस्त्र, फूल माला चढ़ाते हुए नेयाज फातेहा कराते हुए मन्नत मांगते हैं. जिनका मन्नत पूरा हो जाता है वह ढोल तासे बजाते हुए के झंडे लेकर नाचते हुजाते हैं. मेले में अधिकतर लकड़ी के फर्नीचर की सामान, महिला प्रसाधन की दुकानें, खाने पीने की स्साले आदि खूब सजती हैं. वहीं ? बच्चों के मनोरंजन हेतु जंपिंग,झूला,जादू, मौत का कुआॅ और बड़े पैमाने पर पेड़ पौधे नर्सरी भी बेचे जाते हैं. मेला के बारे में जानकारी देते हुए ?स्थानीय एक दुकानदार मौलाद्दीन मंसूरी ने बताया कि गाजी बाबा मूल रूप से बहराइच यूपी के रहने वाले थे,यहाँ उनकी यह शाखा है.

जिले में जन सुराज कार्यवाहक समिति की हुई घोषणा, इंतखाब बने ज़िलाध्यक्ष, संगठन महासचिव राजीव रंजन महिला जिलाध्यक्ष पिंकी देवी, जिला युवा अध्यक्ष बने इम्तियाज अहमद

विशेषसंवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- चार सदस्यीय कोर कमिटी सदस्यों ने की जिला कार्यवाहक समिति की घोषणा
- समिति में पांच संरक्षक और पांच सदस्यीय अभियान समिति का भी गठन
- दर्जनों नए साथी जनसुराज से जुड़े .

सिवान.: जन सुराज के जिला कार्यालय में रविवार को सिवान के जिला कार्यवाहक समिति की घोषणा की गई। यह घोषणा जनसुराजी साथियों से खचाखच भरे हॉल में चार सदस्यीय कोर कमिटी की टीम ने की।
इनमें अब्बास शेख, काशी बैठा, ए के द्विवेदी, कुशुम देवी शामिल थे।
कार्यक्रम का संचालन कृष्ण कुमार सिंह ने किया.
ए के द्विवेदी ने कहा कि जनसुराज बिहार के बदलाव और व्यवस्था परिवर्तन की संकल्प लेकर उतरी है। प्रशांत किशोर के पास इसे लेकर स्पष्ट दृष्टिकोण है। उन्होंने यह भी कहा कि आज घोषित समिति स्थाई चुनाव होने तक काम करेगी।
कार्यवाहक समिति के जिलाध्यक्ष इंतखाब अहमद को बनाया गया। सात सदस्यीय संरक्षक समिति में रामेश्वर सिंह , बादशाह सिंह, राम होसियार सिंह, प्रो ऊबे दुल्लाह अंसारी, लखी बाबू, डा आर एन शुक्ला, नुरुल होदा को रखा गया है। जिलाध्यक्ष के साथ काम करने के लिए 15 उपाध्यक्ष और 15 जिला सचिवों के नामों की भी घोषणा की गई।
वहीं संगठन महासचिव राजीव रंजन पांडेय , मुख्य जिला प्रवक्ता कृष्ण कुमार सिंह , जिला कार्यालय प्रभारी प्रशांत कुमार , महिला जिलाध्यक्ष पिंकी देवी , जिला युवा अध्यक्ष इम्तियाज अहमद और जिला किसान अध्यक्ष बबन तिवारी को बनाया गया। इसके अतिरिक्त तीन अनुमंडल और 20 प्रखंड के अध्यक्ष व सदस्यों के नामों की भी घोषणा हुई। वहीं जन सुराज की सोच को घर-घर पहुंचाने के लिए पांच सदस्यीय अभियान समिति की भी घोषणा की गयी.

इनर व्हील क्लब मोतिहारी लेक टाउन का 13वां इंस्टॉलेशन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी 11 अगस्त इनर व्हील क्लब ऑफ मोतिहारी लेक टाउन का 13 वां इंस्टॉलेशन समारोह का आयोजन शहर के बलुआ टाल स्थित होटल विस्डम में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि, शहर की प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. स्वास्ति सिन्हा एवं क्लब की चार्टर प्रेसिडेंट संगीता चित्रांश, संरक्षिका राजकुमारी गुप्ता,मीरा सिंह, निवर्तमान अध्यक्ष कुमारी अमृता नवनिर्वाचित अध्यक्ष पुतुल सिन्हा, पीपी रजनी कौशल,आशा सिंह,रंजीता गुप्ता, नूतन बाला द्वारा संयुक्त रूप से की गई। क्लब की आईएसओ नीलम वर्मा ने क्लब की प्रार्थना प्रस्तुत की, और कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुई, जिसकी प्रस्तुति पीपी निशा देव, चंदा कुमारी, और निशा प्रकाश ने दिया।कार्यक्रम में वर्ष 2024-25 के लिए नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया गया और वर्ष 2023-24 मैं किए गए कार्यक्रम को अध्यक्ष कुमारी अमृता द्वारा बताया गया। समारोह में कॉलर और क्लब पिन लगाकर नए पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। नव-नियुक्त अध्यक्ष पुतुल सिन्हा को अध्यक्ष कॉलर पहनाकर 2024-25 के लिए अध्यक्ष की घोषणा की गई। उन्होंने नई टीम की घोषणा की एवम नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। क्लब उपाध्यक्ष लोकिता कुमारी, सचिव नीलम वर्मा, कोषाध्यक्ष संगीता चित्रांश, करड आबिदा समीम, और क्लब संपादक कुमकुम शुक्ला को नए सत्र के लिए नियुक्त किया गया।इस वर्ष क्लब में आने वाले नए सदस्य नीलम कुमारी, नीलू श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, और रागिनी सिंह को अध्यक्ष पुतुल सिन्हा ने पिन लगाकर क्लब की सदस्यता ग्रहण करवाई।मिशन मुस्कान के अंतर्गत क्लब द्वारा एक व्हीलचेयर दिव्यांग बच्ची लाल चुन्नी कुमारी को दिया गया। डिस्ट्रिक 325 के द्वारा इस वर्ष दिए गए गोल को अध्यक्ष पुतुल सिन्हा ने बताया साथ ही सचिव नीलम वर्मा ने पूरे वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस मौके पर भारत विकास परिषद के पदाधिकारी मारवाड़ी महिला मंच की मित्र रोटरी क्लब, लायंस क्लब,समाजसेवी केशव कृष्णा के प्रतिनिधि भी शामिल थे।
कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन चार्टर अध्यक्ष संगीता चित्रांश ने किया, जबकि द्वितीय सत्र का संचालन पीपी राखी शाह ने किया इस अवसर पर अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में क्लब के सभी उपस्थित सदस्यों को मनीषा प्रसाद और अंजू श्रीवास्तव ने तिलक लगाकर सम्मान किया। अन्य सदस्यों में चंद्रलता वर्मा, अलका सिन्हा, सिमरन कुमारी, नम्रता कुमारी, पल्लवी श्रीवास्तव, राखी कुमारी,सरिता जायसवाल, बिंदु गुप्ता, प्रीति जायसवाल, प्रियंका गुप्ता, अनामिका कुमारी, और दीपा गुप्ता शामिल थीं।

ब्रीफ न्यूज

आजादी के 77 वी वर्षगांठ पर उड़ीसा सरकार ने स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी पेंशन लागू किया, बिहार सरकार भी उसी तर्ज पर पेंशन लागू करें --राजकुमारी गुप्ता, स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी,

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
कफील एकबाल

मोतिहारी 11 अगस्त उड़ीसा मे लंबे समय से स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी पेंशन की मांग के लिए संघर्षरत थे ।आजादी के 77वे वर्ष एवं अगस्त क्रांति के 82 वे वर्ष पर वहां की सरकार ने इस गंभीर विषय पर निर्णय लिया और स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों के लिए 9 अगस्त शहीद दिवस के अवसर पर स्वतंत्रता सेनानी सम्मान पेंशन योजना लागू किया । उड़ीसा के मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण मांझी ने उत्तराखंड की तरह स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की प्रथम पीढ़ी को सम्मान कुटुम्ब पेंशन देने की घोषणा की। पूर्वी चंपारण जिला स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन द्वारा उडिसा सरकार के निर्णय का स्वागत किया गया तथा वहा की सरकार के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए उन्हें बधाई दी ।संगठन के वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व नगर परिषद उपाध्यक्ष राजकुमारी गुप्ता ने कहा कि बिहार सरकार को भी उड़ीसा के तर्ज पर प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों को पेंशन की सुविधा देनी चाहिए ,यह समय की मांग है ।जिन उत्तराधिकारियो के पूर्वजों ने अपने जीवन को कुर्बान कर दिया, आजादी की लड़ाई में शहीद हो गए, फांसी के फंदे पर लटक गए तथा भूमिगत होकर अपनी जवानी को राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया आज उनके वंशजों को सरकार जो भी देगी वह कम ही होगा, इसलिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जो स्वंय स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र हैं, उन्हें इस मर्म को समझना चाहिए कि बहुत से ऐसे सेनानी उत्तराधिकारी हैं जो अभाव का जीवन जी रहे। ऐसे लोगों की सरकार द्वारा सूधी लेनी चाहिए। जिला अध्यक्ष श्रीकिशोर पांडे , प्रदेश सचिव अशोक वर्मा एवं जिला के वरीय उपाध्यक्ष कौशल किशोर पाठक ने इस बावत बताया कि उड़ीसा में उत्तराधिकारियों का संघर्ष जिस तरह रंग लाया बिहार में अगर पेंशन योजना लागू नहीं होता है तो यहां भी प्रदेश संगठन के नेतृत्व में पूरे बिहार के उत्तराधिकारी आदोलन आरंभ करेगे ।कहा कि उड़ीसा की तरह हम लोग भी सरकार को बाध्य कर देंगे कि वह उत्तराधिकारियों को पेंशन दे। श्री पाठक ने यह भी कहा कि बिहार स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी संगठन सिर्फ पेंशन तक मांग नहीं करती है बल्कि सेना के परिवार सामान स्वतंत्रता सेनानी परिवार को भी देश का नंबर वन परिवार घोषित किया जाए तथा प्रत्येक स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी की चिकित्सा, ट्रेन बस में मुफ्त यात्रा आदि की भी हम मांग करते है ।सरकार को यह चाहिए कि प्रत्येक स्वतंत्रता सेनानी परिवार का सर्वे कराकर उनकी वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक करें और उनके हर सुख सुविधा की व्यवस्था सरकार द्वारा होनी चाहिए ।स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारियों का सम्मान राष्ट्र का सम्मान होगा और इतिहास गवाह है कि जब भी आजादी के दीवाने सेनानियों का जिस राष्ट्र में सम्मान मिला वह राष्ट्र उन्नति के शिखर तक पहुंचा ।उत्तराधिकारी अमीता निधि ने कहा कि चंपारण जिला स्वतंत्रता सेनानियों का गढ रहा है और यहा हजारों की संख्या में सेनानी परिवार एवं उत्तराधिकारी है अतः संयुक्त चंपारण की तरफ से एक बड़ा आंदोलन खड़ा होना चाहिए ताकि सरकार के कानों तक हमारी आवाज पहुंचे और इस गंभीर मुद्दा पर सरकार निर्णय लेने के लिए बाध्य हो।

श्रावणी मेला: भगदड़ में सात श्रद्धालुओं की मौत, जहानाबाद के सिद्धेश्वरनाथ में हादसा, बढ़ सकती है मृतकों की संख्या

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सावन की चौथी सोमवारी पर जहानाबाद से बड़ी और बुरी खबर आई है। श्रावणी मेला के दौरान बड़े हादसे की खबर है। मंदिर में मची भगदड़ में दबकर कम से कम सात श्रद्धालुओं की मौत हो गई है जबकि एक दर्जन से अधिक शिवभक्त घायल हो गए हैं। मरने वालों में छह महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। घटना जहानाबाद के बराबर स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर क्षेत्र की है। मौके पर प्रशासन की टीम पहुंच गई है। मेला परिसर में तैनात सुरक्षा बलों और स्वयंसेवकों की मदद से राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। इससे पहले तीसरी सोमवारी पर वैशाली के हाजीपुर में हादसा हुआ था जब बिजली के करंट की चपेट में आकर 9 श्रद्धालुओं की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। गंगाजल उठाने पहलेजा जा रहे शिवभक्तों की टोली का डीजे रथ हाई टेंशन तार की चपेट में आ गया था। जानकारी के मुताबिक घटना मंगलवार की देर रात करीब 1:00 बजे की है। बताया जा रहा है कि बराबर पहाड़ी पर चढ़ने के क्रम में सीढ़ी पर भगदड़ मच गई जिससे अफरा तफरी का माहौल बन गया। जान बचाने की कोशिश में श्रद्धालु भागने लगे। इसी दौरान लगभग दो दर्जन लोग जख्मी हो गए।इनमें से 16 घायलों को जहानाबाद सदर अस्पताल और मखदुमपुर रेफरल अस्पताल में भेजा गया। डॉक्टर ने इनमें से छह को मृत घोषित कर दिया। माना जा रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। घायलों के इलाज में तत्परता के साथ डॉक्टरों की टीम जुटी हुई है। पुलिस और प्रशासन के वरीय अधिकारी मंदिर परिसर में पहुंच गए हैं। वहां राहत बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है ।इससे पहले वैशाली जिले के सुल्तानपुर में बीते 5 अगस्त को कांवड़ यात्रा के दौरान ऐसा ही बड़ा हादसा हुआ। भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए पहलेजा जा रहे कांवड़ यात्रा में शामिल एक डीजे ट्रॉली 11 हजार वोल्ट करंट वाले तार की चपेट में आ गई। इस घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि भोले बाबा के भजनों पर झूमते हुए डीजे ट्रॉली पर सवार होकर ये कांवड़िए जा रहे थे। इसी दौरान हाजीपुर इंडस्ट्रियल एरिया के सुल्तानपुर में उनके साथ चल रही डीजे ट्रॉली का एक हिस्सा हाई टेंशन तार से सट गया। ट्रॉली के उपर जितने लोग सवार थे सब करंट की जद में आ गए। हाई वोल्टेज से टॉली में आग लग गई और चपेट में आए एक दर्जन से अधिक शिवभक्त झुलस गए। इनमें से 9 की मौत हो गई। इसके बाद हाहाकार मच गया। सीएम नीतीश कुमार ने इस घटना पर गहरा दुख जताया और सभी मरने वालों और घायलों के परिजनों को चार चार लाख का मुआवजा तत्काल दिया गया है ।घटना मंगलवार की देर रात करीब 1:00 बजे की है। बताया जा रहा है कि बराबर पहाड़ी पर चढ़ने के क्रम में सीढ़ी पर भगदड़ मच गई जिससे अफरा तफरी का माहौल बन गया। जान बचाने की कोशिश में श्रद्धालु भागने लगे। इसी दौरान लगभग दो दर्जन लोग जख्मी हो गए।

समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर नशा मुक्त भारत अभियान के तहत शपथ समारोह कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : नशा मुक्ति अभियान के तहत मुस्कान जिला नशा मुक्ति केंद्र समस्तीपुर के तत्वाधान में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शपथ समारोह कार्यक्रम का आयोजन समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या-1 पर आयोजित किया गया। जिसमें आरपीएफ व जीआरपी के जवान शामिल हुए। आरपीएफ की तरफ से एसआई पीके चौधरी, उपनिरीक्षक अशोक कुमार तथा जीआरपी के नीरज कुमार व अन्य पुलिस बल उपस्थित रहे। वहीं मुस्कान जिला नशा मुक्ति केंद्र से राजकुमार राय, अमित कुमार व अन्य उपस्थित रहे तथा भारत को नशा मुक्त बनाने का शपथ लिये।

बिहार पुलिस के 1275 दरोगा को मिल गया जिला, ट्रांसजेंडर मधु कश्यप को समस्तीपुर जिला आवंटित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

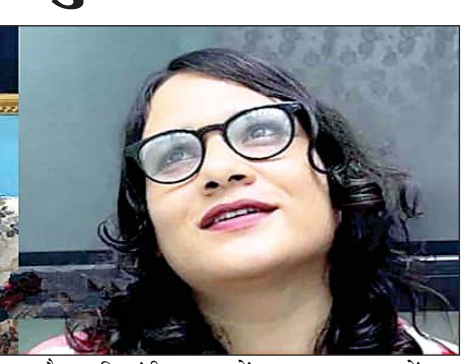

बिहार पुलिस ने बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग की ओर से ली गई परीक्षा में चयनित 1275 दरोगा को जिला आवंटित कर दिया है। जिले के हिसाब से इन्हें इसी महीने कुछ फॉर्म भरकर जमा करना है। इसके बाद संबंधित जिले के एसपी थाने में इनकी पोस्टिंग देंगे। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग के अभ्यर्थियों की पुलिस अवर निरीक्षक के पद पर नियुक्ति के लिए नियुक्ति पत्र निर्गत कर रही है
पुलिस मुख्यालय ने पुलिस और निरीक्षक के उन अभ्यर्थियों की सूची को जारी किया है, जिन्हें विभिन्न जिलों में भेजा जाना है। इस सूची में ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। जिला मुख्यालय के अनुसार पुलिस अवर निरीक्षक को 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक फोटो युक्त नियुक्ति पत्र निर्गत कर उन्हें योगदान कराया जाएगा। इसके लिए सभी जिला के एसपी और डीएसपी कागजातों को मिलन करते हुए उनकी पहचान को सुनिश्चित करेंगे। अभ्यर्थियों को चरित्र प्रमाण पत्र और मेडिकल रिपोर्ट भी जमा करना पड़ेगा1275 अभ्यर्थियों में तीन ट्रांसजेंडर भी हैं शामिल, जानिए किनको कहां की मिली जिम्मेदारी 1275 अभ्यर्थियों में तीन ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं। उन ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों में मधु कश्यप, बंटी कुमार और रोनित झा शामिल हैं। मधु कश्यप को समस्तीपुर जिला आवंटित किया गया है, जबकि बंटी कुमार को बक्सर जिला भेजा गया है। वहीं रोनित झा को सुपौल जिला आवंटित किया गया है ।जानिए किस जिले में कितने पुलिस अवर निरीक्षक संभालेंगे जिम्मेदारी
बेगूसराय में 60 पुलिस अवर निरीक्षक, खगड़िया में 20, नालंदा में 46, पटना में 123, पूर्वी चंपारण में 48, पश्चिमी चंपारण में 33, बांका में 33, भागलपुर में 30, मधेपुरा में 11, सहरसा में 08, सुपौल में 13, अरवल में 16, औरंगाबाद में 48, गया में 78, जहानाबाद में 24, नवादा में 60, दरभंगा में 13, मधुबनी में 26, समस्तीपुर में 61, जमुई में 38, लखीसराय में 22, मुंगेर में 36, शेखपुरा में 16, अररिया में 08, कटिहार में 19, पूर्णिया में 15, गोपालगंज में 23, सारण में 29, सीवान में 29, भोजपुर में 65, बक्सर में 31, कैमूर में 35, रोहतास में 61, मुजफ्फरपुर में 19, शिवहर में 05, सीतामढ़ी में 21 और वैशाली में 42 पुलिस अवर निरीक्षक को भेजा रहा है।

जिला स्तरीय इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर : समस्तीपुर शहर के गोला रोड स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के मुख्य शाखा में रविवार को जिला स्तरीय इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिन्हें जूनियर एवं सीनियर वर्ग में बांटा गया था। यह पूरा प्रतियोगिता डिजिटल माध्यम से संचालित किया गया, जो अपने आप में समस्तीपुर में पहला आयोजन रहा।क्विज मास्टर शशिकांत तिवारी के प्रश्नों ने सिर्फ छात्रों बल्कि अभिभावकों को भी रोमांचित किया। पूरी तरह से डिजिटल होने के कारण यह प्रतियोगिता अपने आप में अनूठा रहा, जिसे छात्रों और उनके अभिभावकों ने खूब सराहा। इस अवसर पर यूनियन बैंक आफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रबंधक राजेश कुमार ने छात्रों को भविष्य का मार्गदर्शन किया और उनके प्रश्नों का उत्तर दिया।
वहीं शाखा प्रबंधक अभिजीत गौरव ने कहा की यूनियन बैंक ऑफ इंडिया आगे भी निरंतर इस पर तरह के प्रतियोगिता के आयोजन करती रहेगी। उन्होंने बैंक के प्रमुख स्कीमों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे पास हर श्रेणी का जैसे एमएसएमई, खुदरा ऋण और अन्य प्रकार के लोन काफी कम ब्याज पर उपलब्ध हैं। मौके पर केंद्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार, मार्केटिंग पदाधिकारी अनीश कुमार, शाखा के उप-प्रबंधक मो. इमरान, क्षेत्रीय कार्यालय से आनंद कुमार भल्ला, गोपाल मांझी के अलावा प्रतिभागियों के अभिभावक भी उपस्थित रहे

तेरी मिट्टी में मिल जावां..., बॉलीवुड गीतकार मनोज मुंतशिर बापू सभागार पटना में अपने गीतों से छा गए

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तेरी मिट्टी में मिल जावां...इतनी सी है दिल की आरजू.... के बोल। श्रोताओं से भरा बापू सभागार, हाथों में तिरंगा और जुबां पर देश प्रेम की गंगा। आजादी के उत्सव से चार दिन पहले रविवार की शाम पटना के लोगों ने राष्ट्रप्रेम के गीतों का उत्सव भरपूर जिया। वनबंधु परिषद की ओर से आयोजित एकल की शाम आयोजन में बॉलीवुड के चर्चित गीतकार मनोज मुंतशिर ने अपने गीतों और शायरी से श्रोताओं में राष्ट्रप्रेम की अलख जगाई तो लोग वाह,वाह कह उठे ।इस मौके पर सारेगामापा फेस ईशिता ने मनोज मुंतशिर के साथ गीतों की युगलबंदी से सबका मन जीत लिया। इससे पहले अतिथियों का स्वागत वनबंधु के अध्यक्ष विजय किशोरपुरिया, कार्याध्यक्ष रमेश गुप्ता, सचिव सुजीत सिंघानिया, संरक्षक राधेश्याम बंसल, कार्यक्रम संयोजक सुनील अग्रवाल एवं गोपाल मोदी ने गाय के गोबर से बने भारत के नक्शे वाले प्रतीक चिह्न से किया ।कौमी एकता की वकालत
मनोज मुंतशिर मंच पर आए और छा गए। उन्होंने कहा कि आज मैं ऐसे प्रदेश में आया हूं जहां मां जानकी के चरण चि अंकित हैं। आर्यभट्ट, पाणिनि, चाणक्य, चंद्रगुप्त , भगवान बुद्ध और महावीर का नाम लेते हुए चर्चित गीतकार ने कहा कि यह एक ऐसा प्रदेश है जो आज भी सबसे ज्यादा आईएएस और आईपीएस देश को देते हैं। उन्होंने कौमी एकता की वकालत करते हुए कहा कि यह देश सबका है। बिहार के लोग मां और मातृभूमि के सामने ही सिर झुकाते हैं।
मां को सिर झुकाने में हिन्दू क्या और मुस्लिम क्या
उन्होंने कहा कि जब दुनिया मिशन मार्श पर करोड़ो डॉलर फूंक रही थी, हम मुठ्ठी भर पैसों से मंगल घूमकर लौट आए। उन्होंने पढ़ा कि जो भी मिला इसलिए मिला कि हंस के बहुत कुछ खोया हमने, यह जो सूरज देख रहे हो, जूगनू जूगनू बोया हमने।

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्राय: पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कींत तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अत- अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय
हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है।

सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम तत्तुन्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

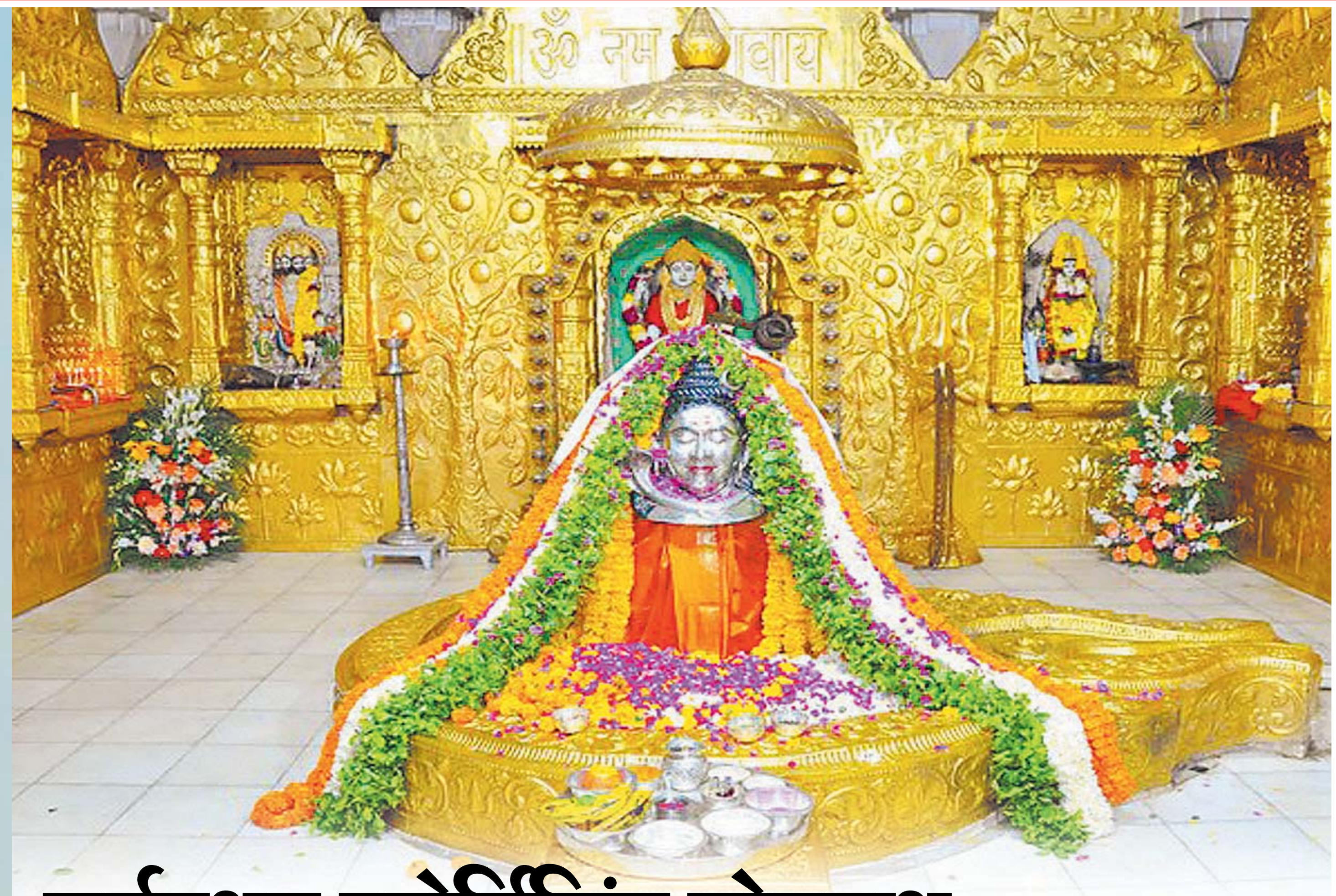

सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ
भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुन- प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गार्ड के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

गरुड़ पुराण से जानें कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है।

हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जुड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अत- जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

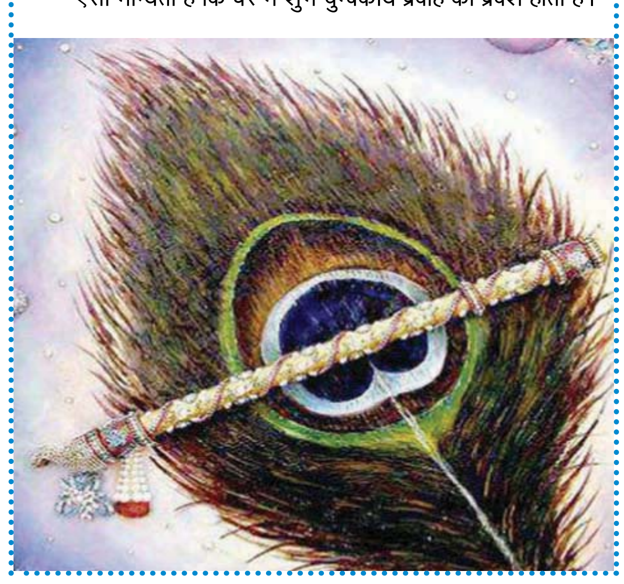

मीडिया से बोले मनीष सिसोदिया, '..तो अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आ जाएंगे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली शराब घोटाले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के एक दिन बाद शनिवार को कहा कि यदि पूरा विपक्ष एकजुट हो जाए तो मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी जेल से बाहर आ जाएंगे।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यहां मीडिया से बात करते हुए कहा, 'नेताओं को जेल में रखा जा रहा है। दुनिया भर में आतंकवादियों और माफियाओं पर जो क़ानून लगाए जाते हैं, वे यहां नेताओं पर लगाए जा रहे हैं। उन्हें लंबे समय तक के लिए जेल में रखा जा रहा है। यह पूरी तरह से तानाशाही है।' उन्होंने कहा कि इस 'तानाशाही' की वजह से देश की आम जनता को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उनके शिक्षा और स्वास्थ्य पर खतरा पैदा हो रहा है। लेकिन, केंद्र सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी हुई है।

सिसोदिया ने कहा, 'हम सभी विपक्षी दलों को इसके लिए एकजुट होना होगा। सभी विपक्षियों को एकजुट होकर सोचना होगा कि आज उसका नेता जेल में है, तो कल हमारा भी होगा। लिहाजा हम सभी को एकजुट होकर लड़ना होगा। मैंने कल (शुक्रवार को) भी यह बात कही थी और आज भी यह बात दोहराता हूं कि देश ने विपक्ष को एक ताकत दी है। अगर आज पूरा देश एकजुट हो जाएगा, तो मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 24 घंटे के अंदर जेल से बाहर आ जाएंगे।'

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 'ट्रायल में देरी' को देखते हुए मनीष सिसोदिया को जमानत दी थी। उन्हें 26 फरवरी 2023 को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था। इन 17 महीनों में उन्होंने जमानत के लिए कई बार निचली अदालत से लेकर शीर्ष अदालत तक का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन हर बार उन्हें मायूसी ही हाथ लगी थी।

17 महीने बाद आजादी की सुबह की पहली चाय : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को 17 महीने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। जेल से रिहा होने के बाद सिसोदिया ने शनिवार सुबह एक तस्वीर शेयर की। वह अपनी पत्नी के साथ चाय पीते हुए नजर आए। मनीष सिसोदिया ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा- 'आजादी की सुबह की पहली चाय, 17 महीने बाद। वह आजादी जो संविधान ने हम सब भारतीयों को जीने के अधिकार की गारंटी के रूप में दी है। वह आजादी जो ईश्वर ने हमें सबके साथ खुली हवा में सांस लेने के लिए दी है।' इससे पहले शुक्रवार (9 अगस्त) को तिहाड़ जेल से बाहर आने के बाद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सीएम अरविंद केजरीवाल के घर जाकर उनकी धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल और उनके माता-पिता से मुलाकात की थी। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वो तिहाड़ से सीधे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। इस दौरान मनीष सिसोदिया से मिलकर सुनीता केजरीवाल भावुक हो उठीं। मनीष सिसोदिया ने सीएम अरविंद केजरीवाल के माता-पिता का पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया और हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने दिल्ली सरकार के मंत्रियों और विधायकों से भी मुलाकात की और उनके बीच काफी देर तक अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य और अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसके बाद मनीष सिसोदिया अपने घर पहुंचे और अपनी पत्नी व सास से मिलकर भावुक हो गए। इस मौके पर सांसद संजय सिंह, सांसद डॉ. संदीप पाठक, मंत्री आतिशी, गोपाल राय, सौरभ भारद्वाज, दुर्गेश पाठक, आदिल खां समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। ज्ञात हो कि आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया 17 महीने से शराब नीति घोटाले के आरोप में जेल में बंद थे।

सिसोदिया ने राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली आबकारी नीति मामले में जेल से रिहा होने के एक दिन बाद शनिवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले, सिसोदिया ने कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान, 'आप' सांसद संजय सिंह और मंत्री आतिशी तथा सौरभ भारद्वाज समेत पार्टी के कई नेता उनके साथ थे। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद सिसोदिया ने कहा, ''भगवान हनुमान दिल्ली के लोगों का भला करें।'' उन्होंने उम्मीद जताई कि भगवान हनुमान की कृपा से पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल भी जल्द ही जेल से बाहर आ जाएंगे। सिसोदिया दोपहर करीब 12 बजे डीडीयू मार्ग स्थित पार्टी मुख्यालय जाएंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं तथा नेताओं को संबोधित करेंगे। तिहाड़ जेल से बाहर आने पर सिसोदिया ने कहा था कि संविधान और लोकतंत्र की शक्ति के कारण उन्हें जमानत मिली तथा यही शक्ति दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की भी रिहाई सुनिश्चित करेगी। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पिछले वर्ष 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

निर्माणाधीन मकान गिरा, तीन मजदूर दबे

नई दिल्ली। मॉडल टाउन इलाके में एक निर्माणाधीन मकान भरभराकर गिर गया। हादसे में तीन मजदूर मलबे में दब गए। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के अलावा दमकल की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य जारी किया। दमकल विभाग ने मलबे से तीन लोगों को बाहर निकाल कर तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। दमकलकर्मियों को आशंका है कि अभी भी एक व्यक्ति मलबे में दबा हुआ है। दमकल विभाग के अनुसार शनिवार दोपहर साढ़े तीन बजे सूचना मिली कि एक निर्माणाधीन मकान गिर गया है। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि यहां एक पुराना मकान था, जिसे तोड़कर दोबारा से बनाया जा रहा था। इस बीच मकान भरभराकर गिर गया, जिसकी चपट में मजदूर आ गए। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

चोरी का विरोध करने पर बुजुर्ग की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। तरफ बदमाशों ने पुलिस की सुरक्षा इंतजाम को धत्ता बताते हुए एक घर के अंदर घुसकर न केवल लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया, बल्कि विरोध करने पर घर के मालिक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। वहीं मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान 64 वर्षीय दयाराम यादव के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ जैतपुर थाना इलाके के मीठापुर कॉलोनी में रहते थे। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को चेक कर रही है, जिससे कि वारदात को अंजाम देने वाले बदमाशों के बारे में पता चल सके। इसके अलावा मौके पर क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है। अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि लूटी गई ज्वेलरी कितनी थी। स्थानीय लोगों के अनुसार वारदात को अंजाम देने वाले बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे थे। ऊपर गेट बंद था। बदमाशों ने उसे काट करके नीचे आए और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। इस बीच जब दयाराम ने उनका विरोध किया तो बदमाश ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। खबर लिखे जाने तक इस मामले को लेकर दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी राजेश देव के द्वारा कोई भी आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई थी। मामले को सुलझाने के लिए मौके पर लोकल पुलिस के अलावा जिले की ऑपरेशन सेल को लगाया गया है।

बांग्लादेशी अल्पसंख्यक पर हो रहे हमलों के विरुद्ध में एबीवीपी ने जेएनयू में निकाला मार्च

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जेएनयू इकाई ने हाल ही में बांग्लादेश में हुए सत्ता परिवर्तन के बाद अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में शुक्रवार देर रात एक मार्च निकाला। यह मार्च गंगा ढाबा से चंद्रभागा छात्रावास तक आयोजित किया गया। इस मार्च में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रही हिंसा की कड़ी निंदा की। एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने मांग की कि बांग्लादेश सरकार और अंतरराष्ट्रीय समुदाय हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे और उनके खिलाफ हो रहे अत्याचारों को तुरंत रोके। मार्च के दौरान छात्रों ने मंदिरों और अल्पसंख्यकों के घरों की सुरक्षा की मांग की। एबीवीपी जेएनयू इकाई के अध्यक्ष राजेश्वर कांत दुबे ने कहा, हम इस अत्याचार के खिलाफ अपनी आवाज उठाने के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम बांग्लादेश में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ खड़े हों और पीड़ित अल्पसंख्यक समुदाय को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करें। एबीवीपी जेएनयू इकाई की मंत्री शिखा स्वराज ने सभी छात्रों से अपील की कि वे भी इस मुद्दे पर अपनी आवाज उठाएं और बांग्लादेश सरकार पर दबाव बनाएं ताकि अल्पसंख्यको के खिलाफ हो रही हिंसा को रोका जा सके।

आबकारी नीति मामला : उच्चतम न्यायालय में के. कविता की जमानत याचिका पर 12 अगस्त को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता की कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर 12 अगस्त को सुनवाई करेगा।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक जुलाई को दोनों मामलों में कविता की जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि बीआरएस नेता दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 (अब रद्द कर दी गई) को बनाने और उसे लागू करने से संबंधित आपराधिक साजिश में प्रथम दृष्टया मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक हैं।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गयी 12 अगस्त की वाद सूची के मुताबिक, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। उच्च न्यायालय ने कविता की जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि फिलहाल नियमित जमानत देने का कोई मामला नहीं बनता क्योंकि जांच महत्वपूर्ण चरण में है।

अदालत ने महिला होने के आधार पर राहत के लिए कविता की जमानत याचिका को खारिज करते हुए कहा था कि एक सुशिक्षित व्यक्ति और पूर्व सांसद होने के नाते बीआरएस नेता किसी कमजोर महिला के समान नहीं है और उच्च न्यायालय उन पर लगे 'गंभीर आरोपों' को नजरअंदाज नहीं कर सकता। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी कविता पर 'साउथ ग्रुप' नामक शराब गिरोह के अन्य सदस्यों और आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं के साथ मिलकर साजिश रचने का आरोप है, जिसके तहत शराब 'लाइसेंस' के बदले दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी गई। इस पैसे का का एक बड़ा हिस्सा कथित तौर पर आप ने 2022 में गोवा विधानसभा चुनाव प्रचार पर खर्च किया था।

विधान परिषद सदस्य कविता पर अपराध से 292 करोड़ रुपये की आय अर्जित करके इसके इस्तेमाल करने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में कविता को हैदराबाद में स्थित उनके बंजारा हिल्स आवास से 15 मार्च को गिरफ्तार किया था, जबकि सीबीआई ने कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें 11 अप्रैल को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था।

विनेश फोगाट के साथ कुछ खेल किया गया है : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली। 17 महीने बाद बेल पर रिहा हुए दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने दिल्ली स्थित आम आदमी पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। मनीष सिसोदिया ने अपने संबोधन में पेरिस ओलंपिक से बाहर हुई स्टार पहलवान विनेश फोगाट का भी जिक्र किया। सिसोदिया ने कहा कि मैं एक साल से जेल में टीवी ही देख रहा था। टीवी पर न्यूज के माध्यम से आप लोगों के बारे में पता चलता था। मैंने देखा कि देश के एक गांव से हमारी बेटी निकलकर खेलों में देश का परचम दुनियाभर में लहराती है और जब वह कहती है कि आपकी पार्टी के एक नेता ने हमें छेड़ा है तो आप उसे गिरफ्तार तक नहीं करते। हमारी उस बेटी के खिलाफ सोशल मीडिया ट्रोलिंग करवाई जाती है। यह तानाशाही नहीं है तो क्या है बताइए। तानाशाही देखिए, उसे गिरफ्तार नहीं किया जाता है। खिलाड़ी जंतर-मंतर पर बैठी रहती हैं। हमें सहन होगा कोई हमारी बेटी को छेड़े। तानाशाही का चरम स्वरूप हमने देखा कि उस बेटी के साथ क्या हुआ। आज उसके आंसू बहें हैं तो कुछ तो खेल किया गया है। बता दें कि पेरिस ओलंपिक में 50 किलोग्राम वर्ग में वजन सीमा अधिक होने के कारण विनेश फोगाट को बाहर का रास्ता दिखाया गया था। उनके बाहर होने से भारत का एक और पदक पाने का सपना भी अधूरा रह गया। वहीं, विनेश फोगाट ने संन्यास का ऐलान कर दिया। विनेश ने एक्स पर पोस्ट किया। मां कुश्ती मेरे से जीत गई मैं हार गई माफ करना आपका सपना मेरी हिम्मत सब टूट चुके इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब। अलविदा कुश्ती 2001-2024 आप सबकी हमेशा ऋणी रहूंगी। हालांकि, विनेश के चाचा महाबीर फोगाट ने कहा है कि वह जब भारत लौटेंगी तो उन्हें परिवार के लोगों द्वारा उन्हें समझाया जाएगा और संन्यास का फैसला वापिस लेने को कहा जाएगा।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में बारिश होने से यातायात बाधित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में शनिवार को बारिश हुई, जिससे यातायात बाधित हो गया और जगह-जगह जलभराव हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम है। पूर्वी दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को दिन में बादल छाए रहने और गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। विभाग ने बताया कि दिल्ली में शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली यातायात पुलिस ने शनिवार को बताया कि बारिश होने से रोहतक रोड पर यातायात प्रभावित हुआ है। दिल्ली यातायात पुलिस ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ÷नांगलोई से टीकरी बॉर्डर की ओर जाने वाले रोहतक रोड पर गड्ढों और जलभराव के कारण यातायात प्रभावित है। कृपया मुंडका से जाने से बचें और वैकल्पिक मार्ग अपनाएं।' राजधानी में सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 92 प्रतिशत दर्ज किया गया। दिल्ली में शुक्रवार को भी भारी बारिश हुई और शहर के कई इलाकों में जलभराव हो गया। आईएमडी ने बताया कि लोधी रोड वेधशाला में शुक्रवार रात

11.30 बजे से शनिवार देर रात 2.30 बजे तक 12 मिलीमीटर बारिश हुई। इसी अवधि में रिज वेधशाला में 5.8 मिलीमीटर और आयानगर वेधशाला में 1.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 67 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' की श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

पानी में डूबने से दो लड़कों की मौत

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के प्रेम नगर थाना इलाके में दो लड़कों की पानी में डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने दोनों को बचाने का बहुत प्रयास किया, लेकिन लोगों की तमाम कोशिशें नाकाम रहीं, जिसके बाद अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने दोनों लड़कों को मृत घोषित कर दिया गया। पूरा मामला प्रेम नगर थाना इलाके के अगर-नगर का है। मृतकों की पहचान दिव्यांश और मयंक के रूप में हुई है, जिनकी उम्र तकरीबन 16 से 17 साल के करीब बताई जा रही है। दरअसल, प्रेम नगर थाना इलाके के अग्र नगर में एक खाली पड़े मैदान में पानी भरा था। अगर-नगर के कुछ बच्चे खेलते खेलते पानी में चले गए, और पानी में डूबने लगे। पास के बच्चों ने जब इन्हें डूबते देखा तो वो भी उनको बचाने के लिए पानी में चले गए। इस दौरान जिन बच्चों को बचाने गए थे उन्हें तो बचा लिया गया, लेकिन जो बच्चे मदद करने गए थे वो इस हादसे का शिकार हो गए। पास के लोगों ने जब दोनों को डूबते देखा तो हड़कंप मच गया, और जैसे तैसे लोगों ने दोनों बच्चों को पानी से निकाल कर पास के निजी अस्पताल में इलाज के लिए लेकर पहुंचे। हालांकि निजी अस्पताल से उन्हें संजय गांधी अस्पताल में रेफर कर दिया, लेकिन जब लोग दोनों बच्चों को संजय गांधी अस्पताल लेकर पहुंचे तो डॉक्टरों ने उपचार के दौरान दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस घटनाक्रम के बाद से ही लोगों में कोहराम मच गया। फिल्हाल, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है और घटनाक्रम के बाद दिल्ली के मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल में लोगों का जमावड़ा देखने को मिला। फिलहाल मामले में किसकी गलती है इस पर सवाल उठ रहे हैं।

डीयू में दाखिले के लिए आज जारी होगी संभावित रैंक

-छात्रों को उनके डैशबोर्ड पर मिलेगी रैंक, दो दिन में प्राथमिकताओं में कर सकेंगे बदलाव

-ये संभावित रैंक सीट आवंटन की गारंटी नहीं, लग सकेगा दाखिले की स्थिति का अंदाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024-25 में स्नातक की 71 हजार से अधिक सीटों पर दाखिले के लिए छात्रों को सिमयुलेटेड रैंक (संभावित रैंक) रविवार (11 अगस्त शाम पांच बजे) जारी की जाएगी। छात्रों के डैशबोर्ड पर मिलने वाली इस रैंक के माध्यम से छात्रों को अपनी दाखिले की संभावनाओं का पता चल सकेगा। इसके बाद छात्रों को दो दिन तक यह अवसर होगा कि वह अपनी प्राथमिकताओं में फिर से बदलाव कर सकेंगे। छात्रों को इस बात का ध्यान रखना होगा कि यह संभावित रैंक उनके दाखिले की गारंटी नहीं है। सिमयुलेटेड रैंक (संभावित रैंक) के बाद अपनी प्राथमिकताओं को दुबारा व्यवस्थित करने के बाद दाखिले के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) के तहत 16 अगस्त को पहली सीट आवंटन सूची जारी कर दी जाएगी। डीयू दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी ने बताया कि सीएसएएस के दूसरे चरण (कॉलेज व कोर्स) चयन की प्रक्रिया शुक्रवार आधी रात समाप्त हो गई। डीयू में कुल 2, 45, 273 आवेदन हुए हैं जिसमें से 1 लाख 82 हजार से अधिक छात्रों ने एक करोड़ 60 लाख से अधिक कॉलेज व कोर्स की वरीयताएं दी हैं। यह वरीयताएं अब ऑटो लॉक हो गई हैं। अब रविवार को जारी होने वाली संभावित रैंक के बाद छात्र 11 अगस्त शाम पांच बजे से 12 अगस्त रात 11ः59 मिनट तक अपनी वरीयताओं को दुबारा व्यवस्थित कर सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपने डैशबोर्ड पर जाना होगा। वरीयताओं में बदलाव करने पर छात्रों को उन्हें सेव भी करना होगा। अन्यथा अंतिम सेव की गई प्राथमिकताएं स्वतः लॉक हो जाएंगी और ये सीट आवंटन निर्धारण का आधार बनेगी। यह संभावित रैंक छात्रों के सीयूईटी स्कोर और कॉलेज कोर्स चयन की प्राथमिकताओं के आधार पर ही जारी होगी।

मॉडल टाउन इलाके में भरभराकर गिरी इमारत, तीन लोगों को किया गया रेस्क्यू

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के मॉडल टाउन इलाके में एक इमारत के भरभराकर गिरने की खबर है। इलाके के महेंद्रू एन्क्लेव में एक इमारत अचानक गिर गई, जिसमें कई लोगों के फंसने की आशंका व्यक्त की जा रही है। तीन लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया है। दिल्ली फायर सर्विस ने बताया कि बचावकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और लोगों को रेस्क्यू करने में जुट गए हैं।

उत्तरी-पश्चिमी जिला के एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मॉडल टाउन थाना क्षेत्र में दो मंजिला मकान ढहने से तीन लोग दब गए। इसकी सूचना तुरंत दमकल विभाग को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस व दमकलकर्मियों ने लोगों को मलबे से निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि यह घटना महेंद्रू एन्क्लेव में हुई, जहां पुराने मकान की मरम्मत की जा रही थी, तभी आज दोपहर करीब 2ः45 बजे मकान ढह गया।

अभी भी कई लोगों के फंसे होने की आशंका- दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने बताया कि मकान ढहने की सूचना दोपहर तीन बजे मिली और बचाव अभियान के लिए दमकल की तीन गाड़ियां भेजी गईं। स्थानीय पुलिस और बचाव दल के अन्य सदस्यों की मदद से मलबे से तीन लोगों को निकाला गया और उन्हें नजदीकी अस्पताल भेजा गया। जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मलबा हटाने का काम जारी है। मलबे में अभी कुछ और लोगों के फंसे होने की आशंका है।

एलजी ने एनडीएमसी के लोधी गार्डन में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 'रुद्राक्ष' का पौधा लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने आज नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत 'रुद्राक्ष' का पौधा लगाया। एलजी ने अपनी मां वेदवती सक्सेना के सम्मान में लोधी गार्डन में पौधारोपण किया। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी के अध्यक्ष नरेश कुमार, उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

इस बीच एलजी सक्सेना ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ उनके आवास पर पौधारोपण भी किया। यह पौधारोपण एनडीएमसी द्वारा सामूहिक पौधारोपण अभियान के तहत किया गया, जिसमें केंद्र सरकार के कई मंत्रियों, सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के न्यायाधीशों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने नई दिल्ली क्षेत्र में अपनी माताओं के नाम पर पौधे लगाए।

केंद्रीय मंत्रियों में मनोहर लाल खट्टर, आवास और शहरी मामलों के मंत्री, जीतन राम मांझी, एमएसएमई मंत्री किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री ने भी नई दिल्ली क्षेत्र में अपने आवास पर रुद्राक्ष और चंपा के पौधे लगाए। इसी तरह, सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीशों के अलावा कैबिनेट सचिव और केंद्रीय गृह सचिव सहित शीर्ष सरकारी अधिकारियों ने भी अपने आवास पर रुद्राक्ष का पौधा लगाकर सामूहिक पौधारोपण अभियान में भाग लिया।

इस अवसर पर एलजी ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उद्देश्य प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण को बनाए रखने के लिए हरित आवरण में सुधार करना है। ÷सरकारी एजेंसियों और नागरिकों को समान रूप से इस अभियान में बड़े उत्साह के साथ भाग लेते हुए देखना उत्साहजनक है। सामूहिक प्रयासों से हम दिल्ली के हरित फेफड़ों को मजबूत कर सकेंगे और राष्ट्रीय राजधानी को रहने के लिए बेहतर स्थान बना सकेंगे।'

एलजी ने एनडीएमसी को इस पौधारोपण अभियान के लिए बधाई देते हुए कहा, जिसमें शहर के निवासियों और एनडीएमसी कर्मचारियों ने विभिन्न प्रजातियों के 10, 000 से अधिक पौधे लगाए। विशेष रूप से, प्रशिक्षित बागवानी विशेषज्ञों की एक टीम इन रुद्राक्ष पौधों की उचित वृद्धि और अस्तित्व के लिए देखभाल करेगी। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली के हरित आवरण को बेहतर बनाने के लिए स्थानीय निकायों, डीडीए और अन्य एजेंसियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में 76 लाख पेड़ और झाड़ियां लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

वहीं एनडीएमसी के कर्मचारियों, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए), मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन (एमटीए), मॉर्निंग वॉकर्स/जॉगर्स, उद्यान/पार्कों में जाने वाले साइकिल चालकों, नई दिल्ली क्षेत्र के आगंतुकों/नागरिकों, स्कूली छात्रों, शिक्षकों और एनडीएमसी क्षेत्र में आम जनता द्वारा 10, 000 से अधिक पौधे लगाए गए। आगामी मानसून सीजन में, एनडीएमसी अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान चलाकर हरित कार्य योजना को भी लागू कर रही है, जिसका लक्ष्य लगभग 12, 000 पेड़ और 06 लाख झाड़ियां, पौधे लगाना है।

पौधों की प्रजातियांः अभियान के तहत विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए जैसे कि प्लुमेरिया अल्बा-चम्पा, एलियोकार्पसगैनिटस-रुद्राक्ष, अजादिराचटेन्डिका-नीम, ग्रेविलेरोबस्टा-सिल्वर ओक, लेजरस्ट्रोमिया थोरेली-जारुल। भारत का गौरव, पॉलीएल्थिया पेंडुला-अशोक, एलस्टोनिया स्कोलारिस-सप्तपर्णी, फिकसइन्फेक्टोरिया-पिलखन, निक्टेंथेसर्बोट्रिस्टिस-हारसिंगार और टैमिरंडसइंडिका-इमली।

महत्वपूर्ण आंकड़ेः नई दिल्ली क्षेत्र के पर्यावरण को बनाए रखने और बनाए रखने के लिए, एनडीएमसी लगभग 1500 एकड़ हरित क्षेत्र और 135 ग्रीन एवेन्यू, 10 प्रमुख पार्क, 1400 आवासीय कॉलोनी पार्क, 50 राउंडअबाउट, 10 विभागीय नर्सरी - जिनमें 3 हाई-टेक नर्सरी, 3 अंतरराष्ट्रीय संबंध स्मारक पार्क, कई हैप्पीनेस क्षेत्र और प्रतिष्ठित उद्यान जैसे नेहरू पार्क, लोदी गार्डन, तालकटोरा गार्डन और संजय झील, चिल्ड्रन पार्क - इंडिया गेट, सेंट्रल पार्क - कॉनॉट प्लेस, सीडब्ल्यूजी पार्क, शांति पथ आदि का रखरखाव करती है। नई दिल्ली क्षेत्र अपनी हरियाली के लिए जाना जाता है, जो न केवल सुखदायक प्रभाव का एक द्वीप बनाता है, ये हरियाली धूल प्रदूषण कुछ हद तक कम करती है बल्कि हवा और हवा के ताप प्रभाव को भी कम करती है।

बांग्लादेश में हिंसा से व्यापार ठप, गुजरात के व्यापारियों का अटका 1200 करोड़

- भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश में चल रही हिंसा की वजह से वहां कारोबार पूरी तरह से ठप हो गया है, जिससे गुजरात के व्यापारियों और व्यवसायियों को बड़ा झटका दिया है।

बांग्लादेश में हिंसा से गुजरात के व्यापारियों का 1,200 करोड़ अटका हुआ है। देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारतीय व्यापारी उम्मीद कर रहे हैं कि बांग्लादेश में स्थिति सामान्य होगी और फिर से व्यापार चालू होगा। गुजरात से बांग्लादेश को रिएक्टिव डाईज, केमिकल्स, पिगमेंट पेस्ट, हैंडलूम उत्पाद, दवाईयां और टाइल्स का निर्यात किया जाता है।

गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और यूरोप में मंदी के बाद बांग्लादेश डाईज, केमिकल्स और इंटरमीडिएट्स जैसे सामानों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया था। लेकिन बांग्लादेश में भड़की हिंसा और सत्ता परिवर्तन ने एक बार फिर व्यापार पर ग्रहण लगा दिया है। गुजराती व्यापारियों को चिंता है कि बांग्लादेशी बैंकों द्वारा जारी लेटर्स ऑफ क्रेडिट वर्तमान में वहां की भारत विरोधी भावना के कारण सम्मानित नहीं किए जाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। जिसमें भारत ने 12.2 अरब डॉलर मूल्य का का निर्यात किया और 1.8 अरब डालर का आयात हुआ। इस वर्ष व्यापार और बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल से व्यापार ठप हो गया है।

बांग्लादेश में मची उथल-पुथल का सूरत के कपड़ा व्यापार को सबसे ज्यादा झटका लगा है। करीब 500 करोड़ का कपड़ा कारोबार प्रभावित हुआ है। सूरत से पिछले साल 1200 करोड़ रुपए का कपड़ा बांग्लादेश को एक्सपोर्ट किया गया था।

ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश घटकर 37,000 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

जुलाई में ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 8.61 प्रतिशत घटकर 37,113.39 करोड़ रह गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एसोसिएशन का कहना है कि ऐसा लार्ज-कैप और मिड-कैप फंडों में निवेश में गिरावट के कारण हुआ है। इससे पहले जून में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 17 फीसदी बढ़कर 40,608.19 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। जुलाई के दौरान मासिक सकल व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) प्रवाह 23,332 करोड़ के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जून में ये 21,262 करोड़ थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टीकैप फंडों ने पिछले तीन महीनों में लगातार अधिक निवेश आकर्षित किया है, जो 24 जुलाई में 7,080 करोड़ तक पहुंच गया। हालांकि मिडकैप फंडों में इस महीने इन्फ्लो धीमा रहा, जबकि स्मॉल कैप में 2,000 करोड़ निवेश आया है जो जून में आए निवेश के बराबर है। लेकिन यह जानकार हैरानी हो रही है कि लार्ज-कैप फंडों में जून 2024 की तुलना में अधिक प्रवाह नहीं देखा गया है, लेकिन लार्ज कैप

पर निर्भर रहने वाले डिविडेंड यील्ड फंड तुलनात्मक रूप से अधिक 630 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया है। यह पिछले महीने 520 करोड़ था। उन्होंने कहा कि एसआईपी 23,332 करोड़ के नए शिखर पर पहुंच गई, जो घरेलू निवेशकों की भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी सिद्धांतों में उनके मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

जुलाई महीने में भी निवेशकों ने 23 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया

नई दिल्ली ।

जुलाई महीने में भी छोटे और खुदरा निवेशकों ने 23 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। यह किसी महीने में किया गया अब तक का सबसे ज्यादा पैसा है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़े से मिली है। इस विकल्प में निवेशकों का इसलिए सबसे ज्यादा पैसा लगा, क्योंकि इसमें ब्याज की गणना एक खास फॉर्मूले पर होती है, जिसे महान साइंटिस्ट आईंस्टीन ने आठवां अजूबा बताया था।एम्फी ने बताया है कि जुलाई महीने में एसआईपी यानी व्यवस्थित निवेश योजना के जरिये मासिक योगदान बढ़कर अब तक के सर्वाधिक स्तर 23,332 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले के महीने में यह 21,262 करोड़ रुपये था। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार यह लगातार 41वां महीना है जब इक्विटी फंड में निवेश प्रवाह बढ़ा है। म्यूचुअल फंड के सिप और लम्पसम दोनों तरीके से निवेश किया जा सकता है। दोनों ही तरीकों में आपको चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है। अगर आप बैंक में एफडी कराते हैं तो इस पर साधारण ब्याज ही मिलता है। कंपाउंड इंट्रेस्ट का मतलब है कि इस साल मिले ब्याज पर भी आपको अगले साल ब्याज दिया जाएगा। इस तरह साल दर साल ब्याज का पैसा मूलधन में जुड़ जाता है और आपका छोटा सा फंड भी बड़े कॉर्पस में बदल जाता है। एम्फी के अनुसार इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश प्रवाह जुलाई महीने में मासिक आधार पर नौ प्रतिशत घटकर 37,113 करोड़ रुपये रहा है। बड़ी, छोटी और मझोली कंपनियों से जुड़े शेयरों में निवेश में कमी से कुल प्रवाह कम रहा। हालांकि गिरावट के बावजूद जुलाई में निवेश प्रवाह का आंकड़ा किसी एक महीने में दूसरा सर्वाधिक है। जून में निवेश प्रवाह 40,608 करोड़ रुपये था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतों को अपडेट कर दिया है। इन कीमतों में अभी कोई बदला नहीं किया गया है। बता दें कि फ्यूल की कीमतों पर सीधा असर कच्चे तेल का पड़ता है। ऐसे में अगर क्रूड ऑयल की कीमतों में बदलाव हुआ तो फ्यूल की कीमतें भी बदल सकती हैं। गौरतलब है कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड देश की प्रमुख ऑयल मार्केटिंग कंपनियां है, जो ईंधन के भाव तय करती है। इसके साथ ही रोज इनके भाव को भी अपडेट करती है। राज्य सरकार भी फ्यूल की कीमतों पर वेट लगाती है, जिससे हर शहर या राज्य में कीमतें अलग-अलग होती हैं। तेल कंपेनियों की वेबसाइट के अनुसार मेट्रोसिटी और अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमत है- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर,जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

होम, ऑटो व पर्सनल लोन वालों को झटका, देश के तीन बैंकों ने किया लोन महंगा

नई दिल्ली।

रेपो रेट पर फैसला लेने वाली आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक हुई थी इसमें रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला लिया गया। रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई देश के बैंकों को लोन देता है। आरबीआई ने तो रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन तीन सरकारी बैंकों ने खामोशी से लोन महंगे कर दिए हैं जिनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और यूको बैंक ने एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड बेस्ड लेंडिंग रेट) बढ़ा दिया है। इन तीनों बैंकों ने एमसीएलआर में पांच बीपीएस की बढ़ोतरी की है। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर होम, ऑटो या पर्सनल लोन लेने वालों पड़ेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कुछ टेन्योर के लोन के लिए एमसीएलआर 12 अगस्त से बढ़ा दिया है। केनरा बैंक ने भी 12 अगस्त से इसे बढ़ा रहा लेकिन यूको बैंक के ग्राहकों के लिए यह बढ़ोतरी आज से यानी 10 अगस्त से ही लागू हो गई है। केनरा बैंक ने ऑटो और पर्सनल लोन के लिए एक साल की अवधि का एमसीएलआर नौ फीसदी कर दी है जो पहले 8.95 फीसदी थी। इस तरह तीन साल की अवधि के लिए यह 9.40 फीसदी और दो साल की अवधि के लिए 9.30 फीसदी हो गया है। कोलकाता के यूको बैंक ने एक महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.3फीसदी से बढ़ाकर 8.35फीसदी कर दी है। एक साल के ब्याज पर इसे 8.9 फीसदी से बढ़ाकर 8.95फीसदी कर दिया गया है। मुंबई के बैंक ऑफ बड़ौदा ने तीन महीने के टेन्योर के लिए एमसीएलआर 8.45फीसदी से बढ़कर 8.5फीसदी कर दिया है। इसी तरह छह महीने की अवधि के लिए इसे 8.7फीसदी से बढ़ाकर 8.75फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने 2016 में एमसीएलआर सिस्टम को पेश किया था। यह किसी वित्तीय संस्थान के लिए एक इंटरनल बेंचमार्क है। एमसीएलआर प्रोसेस में लोन के लिए मिनिमम ब्याज दर तय की जाती है। एमसीएलआर एक न्यूनतम ब्याज दर है, जिस पर बैंक उधार दे सकता है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा केरल में लगाएगी इलेक्ट्रिक वाहन का कारखाना

नई दिल्ली । देश की प्रमुख वाहन कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा केरल में इलेक्ट्रिक वाहन का कारखाना लगाने की योजना बना रही है। एक खबर में कहा गया है कि भारत की एक वाहन कंपनी और चीन की कंपनी शांक्सी ने 3 अरब डॉलर का साझा उपक्रम बना सकती है। इस उपक्रम के तहत गुजरात में कार उत्पादन प्लांट लगाया जाएगा। इस करार को केंद्र की मंजूरी मिलने का इंतजार किया जा रहा है। मगर महिंद्रा ने इस खबर को बेबुनियाद करार दिया। इस बीच केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने बताया कि प्लांट लगाने के लिए बातचीत चल रही है। देश से बाहर की कुछ कंपनियां केरल आ रही हैं क्योंकि यहां ईवी का बड़ा बाजार है। हमारा इस पर जोर है। महिंद्रा अगले हफ्ते बात करने आएगी। उन्होंने कहा कि बातचीत सफल रही तो अगले साल फरवरी में प्रस्तावित वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पहले केरल में औद्योगिक क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों के लिहाज से केरल इस समय देश में सबसे आगे है। बीएनपी पारिबा की एक रिपोर्ट के अनुसार केरल में कुल वाहनों में 5.2 फीसदी ईवी हैं। वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पहले केरल चेन्नई, बेंगलूरु, मुंबई और दिल्ली में रोडशो कर राज्य की क्षमता को प्रदर्शित करेगा।

चालू वित्त वर्ष में दालों का घट सकता है आयात

- दालों की खुदरा कीमतें भी कम होने की संभावना

मुंबई । देश का दालों का आयात पिछले वर्ष के 47.38 लाख टन से कम होकर चालू वित्त वर्ष में 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। ऐसा इंडस्ट्री बॉडी इंडिया पल्सेस एंड ग्रेन्स एसोसिएशन (आईपीजीए) के एक वेरिष्ठ अेधिकारी का कहना है। उन्होंने इस साल मॉनसून की अच्छी स्थिति के चलते घरेलू उत्पादन में वृद्धि और खुदरा कीमतों में कमी की संभावना जताई है। आईपीजीए ने सरकार से मांग की है कि दाल बाजार के लिए दीर्घकालिक नीति बनाई जाए, ताकि बार-बार बदलाव से अंशधारकों के हितों को नुकसान न हो। इसके अलावा संस्था ने पीली मटर पर आयात शुल्क लगाने की भी सिफारिश की है। अधिकारी ने भारत दलहन सेमिनार 2024 में संवाददाताओं से कहा कि इस वित्त वर्ष में दालों के आयात की मात्रा 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। फसल वर्ष 2024-25 में दालों के उत्पादन में सुधार और पिछले वित्त वर्ष में अधिक आयात के कारण आयात में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 16 लाख टन मसूर दाल का आयात किया था, जबकि 10 लाख टन की जरूरत थी। पीली मटर का आयात भी 2023-24 के स्तर से कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस साल मॉनसून की बारिश बेहतर रही है और खरीफ सत्र में दालों की फसल का रकबा बढ़ा है, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।

एमेजान ने इस साल देश में कई आपदा राहत केंद्र स्थापित किए

नइ दिल्ली । अमेजन इंडिया ने इस साल देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए देशभर के 34 जिलों के 10 हजार से अधिक परिवारों को सहायता दी और 10,890 लोगों को आश्रय (शेल्टर) किट वितरित किए हैं। प्रत्येक राहत किट में तिरपाल शीट, रस्सियां, नहाने और कपड़े धोने के साबुन, डेंटल किट, बाल्टी, मच्छरदानी और सैनिटरी पैड जैसी आवश्यक वस्तुयें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सूखे खाद्य पदार्थों से युक्त 5,742 राशन किट भी वितरित किये गये। अमेज़न ने मानसून के मौसम की तैयारी में ऐसे शेल्टर किट को पहले से ही तैनात कर रखा था, जिससे ये किट आपदा आने पर सहायता राहत शिविरों, आश्रयों, स्कूलों और अस्पतालों में प्रभावित समुदायों तक जल्दी पहुंच सकें। ये किट महत्वपूर्ण ज़रूरतों को पूरा करने के लिये तैयार किये गये हैं।

किया इंडिया ने बाजार में 10 लाख से ज्यादा वाहन बेचे

नई दिल्ली । भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में पांच वर्ष से काम कर रही यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने घरेलू बाजार में 10 लाख वाहनों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह उपलब्धि 59 महीनों के भीतर हासिल की है। कंपनी के प्रमुख मॉडल किआ सेल्टोस ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है, जो कंपनी की कुल घरेलू बिक्री का 48 प्रतिशत से अधिक योगदान करता है। सेल्टोस के बाद सोनेट और कैरेंस क्रमशः कंपनी की कुल घरेलू बिक्री में 34 प्रतिशत और 16 प्रतिशत का योगदान करते हैं।

बीएसएनएल 4जी, 5जी के लिए ओटीए और यूएसआईएम मंच पेश करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) 4जी और 5जी नेटवर्क को बेहतर करने के लिए ओवर-द-एयर (ओटीए) और यूनिवर्सल सिम (यूएसआईएम) मंच की शुरुआत करेगी। इससे ग्राहक अपना मोबाइल नंबर चुनने के साथ-साथ भौगोलिक प्रतिबंधों के बिना सिम बदल सकेंगे। ओटीए उपकरण को परीक्षण उपकरण से जोड़ने की विधि है। बीएसएनएल ने कहा कि पायरो होल्डिंग्स के सहयोग से विकसित इस मंच का उद्घाटन चंडीगढ़ में किया गया। इसमें त्रिची में आपदा रिकवरी साइट भी शामिल है। बीएसएनएल ने कहा कि नया 4जी और 5जी उपयुक्त मंच देश भर के सभी बीएसएनएल ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी और सेवा गुणवत्ता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी पूरे देश में धीरे-धीरे 4जी नेटवर्क शुरू कर रही है। बयान में कहा गया है कि बीएसएनएल 4जी और 5जी के लिए नेटवर्क को बेहतर कर रही है। ऐसे में इस मंच की शुरुआत इस कदम के अनुकूल है। यह डिजिटल अंतर को पाटने और ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त बनाने तथा अत्याधुनिक दूरसंचार सेवाओं तक समान रूप से पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बीएसएनएल के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हिमाचल की मंडियों में पहुंची सेब की 7.75 लाख पेटियां

शिमला । हिमाचल प्रदेश के सेब ने बाजार में इस बार धूम मचाई है। हिमाचल ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी प्रदेश का सेब पहुंचना शुरू हो चुका है। अभी सेब सीजन की शुरुआत में अच्छा भाव मिल रहा है। प्रदेश के कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों का सेब बाजार में आ रहा है। अभी तक बाजार में 7 लाख 75 हजार 884 पेटियां पहुंच चुकी हैं। मंडी समितियों के अनुसार पूरा सेब यूनिवर्सल कॉर्टन में जा रहा है और अहम बात है कि 20 किलो की पैकिंग में ही सेब भेजा गया है। बाहरी राज्यों की मंडियों में अब तक प्रदेश से 2 लाख 98 हजार 207 सेब पेटी जा चुकी है। प्रदेश से बाहर की मंडियों में गए इस सेब को वहां अच्छा भाव मिल रहा है। बताया जाता है कि दिल्ली में भी रॉयल सेब चार हजार रुपए से ऊपर के दाम में बिकी है। हिमाचल की मंडियों में सेब को इससे भी अधिक भाव मिल रहा है। यहां पर अधिकतम भाव 4700 रुपए प्रति पेटी तक जा चुका है। हिमाचल प्रदेश की मंडियों में 4 लाख 77 हजार 677 पेटियां अब तक पहुंच चुकी हैं। भट्टाकुफर मंडी में अब तक 1 लाख 66 हजार 489 सेब पेटियां पहुंची। पराला मंडी में 2 लाख 56 हजार 220 पेटियां पहुंच चुकी हैं। नेरवा में 9799 बॉक्स पहुंचे हैं, तो मेंहदली मंडी में 45 हजार 169 पेटियां पहुंची हैं। आंकड़ों के मुताबिक एचपीएमसी ने अब तक 600 टन सेब की खरीद कर दी है और एचपीएमसी के 97 सेंटर में सेब की कलेक्शन का दौर शुरू हो गया है।

वित्त मंत्री आरबीआई की बैठक में पहुंची, बोलीं- बैंकिंग कानून में बदलाव जरूरी

- वित्त मंत्री ने बैंकों को कोर बैंकिंग पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल के सदस्यों की बैठक में शामिल हुईं। यह बैठक केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद और लोकसभा द्वारा वित्त विधेयक पारित किए जाने के कुछ दिनों बाद आयोजित की गई थी, जिसमें सरकार द्वारा संसद में कुछ संशोधन पेश किए गए थे। वित्त मंत्री ने बैंकों को कोर बैंकिंग पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। बैठक के दौरान सीतारमण ने बैंकों को अपने महत्वपूर्ण कारोबार की प्राथमिकता तय करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि आरबीआई और सरकार दोनों चाहते हैं कि बैंक कोर बैंकिंग पर ध्यान दें। हम जो बैंकिंग कानून में संशोधन ला रहे हैं। उसके कई कारण हैं। यह कुछ समय से लंबित है, इसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सहकारी क्षेत्र के बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में भी इसमें कुछ बदलाव प्रस्तावित हैं। लोगों को अपने खातों में एक से अधिक लोगों को नॉमिनेट करने की सुविधा मिलेगी। यह एक ग्राहक-अनुकूल कदम है क्योंकि मुझे लगता है कि ग्राहकों के लिए यह विकल्प होना महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित करना है कि नामांकित व्यक्ति को बाद में दावा करने में किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि नामांकन का मुद्दा लंबे समय से लंबित रहा है और इस बदलाव से कारोबार सुगमता में सुधार होगा। जहां तक दावा न की गई जमाराशियों का संबंध है, पिछले वर्ष हमने एक विशेष अभियान चलाया था जिसके अंतर्गत हमने प्रत्येक बैंक को सलाह दी थी कि प्रत्येक शाखा को अपनी अदावाकृत जमाराशियों के मामले में स्वयं सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। शीर्ष दस गैर-दावाकृत जमाराशियों की पहचान करने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए और ऐसे वक्तियों तक व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। प्रगति संतोषजनक रही है।

बैठक में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और बैंक के निदेशक मंडल के के अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में बजट प्रावधानों और देश में मौजूदा आर्थिक स्थितियों पर चर्चा की गई।

लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजार में रही गिरावट

- **सेंसेक्स 819.69 अंकों की बढ़त के साथ 79,705.91 पर बंद**
- **निफ्टी 250.50 अंक मजबूत होकर 24,367.50 पर बंद**

मुंबई ।

अमेरिकी मंदी की आशंका, मध्य पूर्व में भूराजनीतिक तनाव, भारतीय रिजर्व बैंक की उम्मीद के मुतोबिक पोलिसी के नतीजे और भारतीय कंपेनियों के मिलेजुले वित्तीय पेरिणामों की वजह से शुक्रवार को समाप्त हुए दूसरे सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी रही। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार खुलते ही क्रैश हो गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 2401.49 अंक गिरकर 78,580.46 पर खुला और 2,222.55 अंकों की गिरावट के साथ 78,759.40 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 489.65 अंक का गोता लगाकर 24,228.05 पर खुला और 2.68 फीसदी की गिरावट के साथ 24,055.60 पर बंद हुआ। सोमवार को बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को सेंसेक्स 921 अंक बढ़कर 79,680 पर खुला और 166.33 अंक टूटकर 78,593.07 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 262 अंक बढ़कर 24,318 पर खुला और 63.05 अंक फिसलकर 23,992.55 पर बंद हुआ। भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को 1 फीसदी से अधिक की बढ़त देखी गई। सेंसेक्स 740 अंकों की मजबूती के साथ 79,353.53 पर खुला और 874.94 अंकों की बढ़त के साथ 79,468.01 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी लगभग इसी समय 296.55 अंकों की बढ़त के साथ 24,289.50 पर खुला और 317.46 अंक चढ़कर 24,310.00 के स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। आरबीआई के फैसले के बाद गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 181 अंक गिरकर 79,286 पर खुला और 581.79 अंक टूटकर 78,886.22 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी50 56 अंक गिरकर 24,240 पर खुला और 180.50 अंक गिरकर 24,117 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 789 अंक उछलकर 79,675 पर खुला और 819.69 अंकों की बढ़त के साथ 79,705.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 235 अंक बढ़कर 24,352 पर खुला और 250.50 अंक मजबूत होकर 24,367.50 के स्तर पर बंद हुआ।

हिंडनबर्ग ने फिर किया एक ट्वीट, भारत में मची खलबली

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को फिर एक ट्वीट कर दिया है, जिससे भारत में खलबली मच गई है। इस पोस्ट में भारत पर एक नई रिपोर्ट की संभावना का संकेत दिया है। बता दें कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिससे कंपनी के शेयर की कीमत में भारी गिरावट आई. उस समय समूह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में समूह द्वारा शेयरों में हेरफेर और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। यह मामला शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के आरोपों से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि अडानी ने अपने शेयरों की कीमतें बढ़ा दी हैं। इन आरोपों के प्रकाशित होने के बाद अडानी समूह की विभिन्न कंपनियों के शेयरों में तेजी से गिरावट आई, जो 100 बिलियन डॉलर से अधिक की थी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर की रिपोर्ट अडानी एंटरप्राइजेज द्वारा जारी 2.5 बिलियन डॉलर के फॉलो-अप पब्लिक ऑफरिंग से दो दिन पहले प्रकाशित हुई थी। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगे सभी आरोपों का बार-बार खंडन किया है। इस साल जुलाई में भारत के एक वरिष्ठ वकील ने आरोप लगाया था कि चीनी संबंधों वाले एक अमेरिकी व्यवसायी ने हिंडनबर्ग रिसर्च को एक रिपोर्ट तैयार करने का काम दिया था, जिससे जनवरी-फरवरी 2023 में अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी।

शिवजी का डमरू और तीनों लोक

हृदयनारायण दीक्षित

हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। लेकिन बहुदेववादी नहीं। बहुदेव उपासना हमारा स्वभाव है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी।

भारत में सावन का महीना शिव उपासना का जलरस भरा मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं। वनस्पतियां-औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। मैंने समूची वाराणसी को सोम शिव पाया। हर-हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास।

शिव भोले शंकर हैं। औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। शर शैय्या पर लेटे भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, "शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। वे प्रकृति से परे और पुरुष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता" फिर अर्जुन से कहा, "रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है" यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। मैं भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए महादेव को नमस्कार करता हूं।

ऋग्वेद वाले रूद्र शिव "सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं" हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्ता। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। शिव महाकाल हैं। ऋग्वेद में "जो रूद्र है, वही शिव भी है" त्रिशूल उनका हथियार। ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। मैं मन ही मन यजुर्वेद के शिव संकल्प मंत्र दोहराता हूं-'हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो-तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।' मैं राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर तक धंसा हुआ है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था त्र्यम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। मैं स्वयं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं।

संसार क्षर से क्षर की यात्रा है। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम् की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव रूपक का सोम प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं।

सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी आकर्षक है। इस त्रयी में सत्य महत्वपूर्ण है लेकिन सत्य को शिव भी होना चाहिए। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। लेकिन यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। कांवड़िये लम्बी पदयात्रा करते हैं। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया 'पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?' शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा, "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूतेर्खाधार्यते वपु।' शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले, 'अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।' मन करता है कि पूंछू शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप का पुरूस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दायीं आंख में ही काजल लगाया था, वह बायीं आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती-शिव जगत के माता -पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं।

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकत्र्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद्चन्द्र की पूनो शिव रस सोम की ही वर्षा करती है। सोम और चन्द्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं।

हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। लेकिन बहुदेववादी नहीं। बहुदेव उपासना हमारा स्वभाव है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। प्रख्यात मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है 'वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्त्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।' शिव उपासना का मूल केन्द्र भारत है। यजुर्वेद प्राचीन है। इसका 16वां अध्याय शिव की ही स्तुति है। यहां शिव कण-कण में व्याप्त चेतना हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

चेतावनी को समझें

जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के जल स्तर में हो रही वृद्धि के कारण 2040 मुंबई में 10 फीसद से ज्यादा भूमि व पणजी और चेन्नई में 10 फीसद तक भूमि के जलमग्न होने का खतरा वाकई चिंता की बात है। बेंगलुरू स्थिति थिंक टैंक सेंटर फॉर स्टड़ी ऑफ साइंस, टेक्नॉलाजी एंड़ पॉलसी के अध्ययन में यह दावा किया गया है। समुद्र का जल स्तर की वजह से कोच्चि, मंगलुरू, विशाखापत्तनम, उडुप्पी, और पुरी में 5 फीसद भूमि जलमग्न हो सकती है। समुद्र के जलस्तर में वृद्धि परिदृश्य और चुनिंदा भारतीय तटीय शहरों के लिए जलमग्नता मानचित्र इसका शीर्षक है, जिसमें देश के पंद्रह तटीय शहरों व कस्बों के जल स्तर के बदलाव का अध्ययन किया गया है। इन सभी जगहों पर सदी के अंत तक समुद्र के जल स्तर में वृद्धि जारी रहेगी, जिसमें मुंबई के लिए सबसे ज्यादा वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। जहां अध्ययनानुसार 1987 से 2021 तक समुद्रस्तर में अधिकतम 4.440 सेमी की वृद्धि पाई गई। इससे प्रभावित क्षेत्रों जल, कृषि, वन, जैव विविधता तथा स्वास्थ भी शामिल है। खासकर कृषि भूमि व जल निकाय बढ़ते समुद्र स्तर के कारण जलमग्न होने से आम जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। समुद्र तट, बैकवॉटर, मैग्रोव वन जोखिम में होने के कारण पर्यटन भी सामान्य नहीं रह पाता। नासा ने कुछ समय पहले यह बताते की कोशिश की थी कि तीस सालों में समुद्री जल स्तर 10 सेमी बढ गया है। जो खतरनाक स्थिति है। लगातार बदल रहे जलवायु व तापमान का असर ग्लेसियरों पर पड़.रहा है। पहाड़ों पिघलने वाली बरफ नदियों के जरिए समुद्र में ही जाती है। दुनिया भर में समुद्री स्तर दोगुनी तेजी से बढ़ता जा रहा है। जो वैज्ञानिकों के लिए चिंता व शोध का विषय है। समुद्र इंसानों द्वारा पैदा होने वाले गर्म तापमान का 90 फीसद हिस्सा सोख लेता है। तटीय इलाकों में रहने के लोभ में समुद्र को ढ़केलने की भी कोशिशें होती हैं। खासकर मुंबई में विकास के नाम पर सुमद्र तटों को भारी नुकसान पहुंचाया जाता रहा है। इस खतरे को भांपकर सुरक्षात्मक कदम उठाने जल्द न चालू किए तो भयंकर आपदा से बचना मुश्किल हो सकता है।

चिंतन-मनन

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

जाति जनगणनाः सामाजिक न्याय की ओर कदम

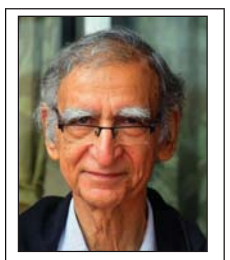

राम पुनियानी

हालिया लोकसभा आमचुनाव (मई 2024) में इंडियन गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया। अन्य कारकों के अलावा, इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया। हालाँकि इस गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिल सकीं। भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालाँकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गाँधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में अपने भाषण में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने काफी जोरदार और प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई। उन्होंने हलवा (सरकार से मिलने वाले लाभ) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग हैं।

राहुल गाँधी के इस प्रभावी भाषण का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर (गोली मारो.... वाले) ने राहुल गाँधी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि जिसे उसकी खुद की जाति नहीं मालूम, वह जाति जनगणना की मांग कर रहा है। इस मामले में राहुल गाँधी अनूठे व्यक्ति हैं - हिन्दू पिता, ईसाई मां, हिन्दू दादी और पारसी दादा। एक तरह से वे उस स्वतंत्र और खुले समाज के प्रतीक हैं, जो दकियानूसी तत्वों के अंतरजातीय और अंतर्धार्मिक शादियों के विरोध के बावजूद देश में उभरता जा रहा है। ठाकुर की टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया मगर प्रधानमंत्री ने उनके भाषण को ट्वीट कर उसका अनुमोदन किया।

जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी में हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। अनुराग ठाकुर और नरेन्द्र मोदी जिस विचारधारा के हैं, वह विचारधारा सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है। यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है।

भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है। इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवाना आसान नहीं है। दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है। इस दिशा में पहला प्रयास जोतिराव फुले ने किया था। उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा, हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है। चूँकि दलितों को पढने-लिखने नहीं दिया जाता था इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले। जातिगत पदक्रम को बनाये रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है। अतः सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले। जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किये गए थे।

अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी झ जिसे महाराष्ट्र में शेठजी-भट्टजी कहा जाता है - उनकी सबसे बड़ी पीड़क है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने आरएसएस की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के स्वर्णिम अतीत के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीर-धीरे समाज पर पड़ने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को सरकारी दामाद कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन की सफलता पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन 1981 में गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा भड़क गयी। अध्येता अच्युत याग्निक लिखते हैंः शिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आन्दोलन शुरू कर दिया।

सन 1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा हुई। इसी समय, विश्व हिन्दू परिषद् ने राममंदिर आन्दोलन के बढ़ावा देना शुरू किया और लालकृष्ण अडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की।

वी.पी. सिंह, जिनकी सरकार एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर वामपंथी दलों के समर्थन से चल रही थी, ने अपनी गद्दी बचाने की खातिर मंडल आयोग की रपट को लागू कर दिया और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), जो आबादी का 55 प्रतिशत हैं, को 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ऊंची जातियां, मंडल आयोग के खिलाफ थीं। मगर चुनावी कारणों से भाजपा मंडल का सीधे विरोध नहीं कर सकती थी। उसने रथयात्रा को सफल बनाने में पूरा जोर लगा दिया। इस यात्रा को मंडल-विरोधी उच्च जातियों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ। मंडल का विरोध करने के लिए यूथ फॉर इक्वालिटी जैसी संस्थाएं उभर आईं।

मंडल राजनीति से शरद यादव, लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता उभरे। भाजपा के शीर्ष नेता अटलबिहारी वाजपेयी ने कहा, वे मंडल लाए तो हम बदले में कमंडल लाए। भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है और अपने इस विरोध को उसने मुस्लिम-विरोध का जामा पहनाया। एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गिया। भाजपा का उद्देश्य है जातिगत उंच-नीच को बनाये रखते हुए हिन्दुओं को एक करना। मंडल पार्टियाँ कई मामलों में सफल रहीं मगर उनमें से कुछ ने अपने संकीर्ण हितों की खातिर मनु की राजनीति से समझौता कर लिया।

इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दल मंडल के विरोधी रहे हैं। मगर अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान आम लोगों की स्थिति देखने के बाद राहुल गाँधी, जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए हैं। विभिन्न जातियों की आबादी, आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण करने का सबसे बेहतर आधार है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण कोटे के उप-विभाजन के सम्बन्ध में निर्णय स्वागतयोग्य है। जो जातियां आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाई हैं, उन्हें इसका लाभ दिलवाना सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक है।

जहाँ इंडिया गठबंधन जाति जनगणना की मांग का खुल कर समर्थन कर रहा है वहीं एनडीए की मुख्य घटक दल भाजपा इस मांग की पूर्ति की राह में हर संभव रोड़ा अटकाएगी। इस मांग के समर्थन में प्रदर्शन, सभाएं आदि कर इस मांग की पूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है।

नशा मुक्त भारत प्रतिज्ञा के साथ 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह का श्री शुभारम्भ

शक्ति प्रकाश श्रीवास्तव

सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 2020 से चलाये जाने वाले महा अभियान

नशामुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न समारोह का आयोजन किया जाना है। समारोह का विषय है "विकसित भारत का मंत्र, भारत हो नशे से स्वतंत्र"। इस समारोह का शुभारंभ 10 अगस्त 2024 को 'नशा मुक्त भारत' प्रतिज्ञा से हुआ। बासुदेव तिवारी सेवा संस्थान द्वारा संचालित 'पुनर्जन्म ' नशा मुक्ति केंद्र के कर्मचारियों एवं केंद्र में भर्ती स्वाथीर्यों ने नशा मुक्त भारत बनाने की प्रतिज्ञा लिया। इसी क्रम में पुनर्जन्म नशा मुक्ति केन्द्र के कर्मचारियों के साथ आदर्श इंटर कॉलेज, बेलवार, रायगंज, गोरखपुर के प्रिन्सिपल आलोक कुमार, कॉलेज के शिक्षक एवं 400 छात्र- छात्राओं ने भारत को नशा मुक्त भारत बनाने की प्रतिज्ञा लिया।

संस्था द्वारा संचालित आउट रीच एंड ड्रॉप-इन सेंटर, गोरखपुर के कर्मचारियों के साथ 50 स्वाथीर्यों ने एवं उढछक् गोरखपुर के कर्मचारियों के साथ 300 बच्चों ने नशा भारत की प्रतिज्ञा ली। इस प्रकार कुल 850 लोगों ने नशा मुक्त भारत बनाने हेतु प्रतिज्ञा लिया।

"नशा मुक्त भारत अभियान" के अन्तर्गत 78 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 10 अगस्त से 15 अगस्त 2024 तक विभिन्न कार्यक्रमों का में आयोजन किया जाना है। 10 अगस्त को 'नशामुक्त भारत' शपथ, ग्रहण, 11 अगस्त को कार्यशाला, 12 अगस्त को नशा मुक्त भारत को समर्पित खेलकूद प्रतियोगिता, 13 अगस्त को नुक्कड नाटक, 14 अगस्त को नशामुक्त भारत को समर्पित वृक्षारोपण एवं 15 अगस्त को रैली का आयोजन किया जाना है। इस बात की जानकारी बासुदेव तिवारी सेवा संस्थान की सचिव डॉ0 रीना मालवीय ने दिया। कार्यक्रम के प्रथम दिन' प्रतिज्ञा ग्रहण के दौरान. केन्द्र के परामर्श दाता, संतोष राय, अकबर अली, नर्स जितेन्द्र एवं राम प्रकाश दुबे डउक्क्ळ के कर्मचारी संजय कुमार, संजय सिंह विशेन, सर्वेश एवं उढछकके कर्मचारी इरा रोजलीन एवं सरोज उपस्थित रहे।

खाकी - द बंगाल चैप्टर में नजर आएंगी चित्रांगदा सिंह, जल्द साइन करने वाली हैं एक फिल्म

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को हाल ही में, रिलीज हुए गाने हौली हौली में अक्षय कुमार के साथ देखा गया, जिसके बाद लोगों को उनकी पुरानी फिल्म देसी बॉयज याद आ गई थी। खैर, अब दर्शकों को उनकी पुरानी फिल्म की यादों में डूबने की जरुरत नहीं है, क्योंकि चित्रांगदा सिंह जल्द ही वेब सीरीज खाकी- द बंगाल चैप्टर में नजर आने वाली हैं। खाकी – द बंगाल चैप्टर का निर्माण नीरज पांडे करेंगे, जिनकी नई फिल्म औरों में कहां दम था इन दिनों सिनेमाघरों में चल रही है और इसे दर्शकों की कमी से जूझना पड़ रहा है। खाकी- द बंगाल चैप्टर, खाकी- द बिहार चैप्टर सीरीज का अगला भाग है। पहला सीजन साल 2022 में रिलीज हुआ था। इसमें निकिता दत्ता, अविनाश तिवारी, आशुतोष राणा, ऐश्वर्या सुष्मिता समेत कई कलाकारों ने काम किया था। चित्रांगदा सिंह ने खाकी – द बंगाल चैप्टर पर हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए कहा कि वो इस वेब सीरीज के लिए काफी उत्साहित हैं। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि फिलहाल इसकी शूटिंग चल रही है। चित्रांगदा ने बताया कि वो जल्द ही एक फिल्म में काम करते हुए नजर आएंगी, जिसे वो साइन करने वाली हैं। इसके अलावा एक और प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही है। चित्रांगदा सिंह पिछली बार गैसलाइट फिल्म में दिखाई दी थीं। इसमें विक्रांत मैसी और सारा अली खान ने भी काम किया था। यह फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी। उन्होंने अपने अभी तक के करियर में काफी कम फिल्मों में काम किया है। इनमें बॉब बिस्वास, आई मी और मैं, ये साली ज़िंदगी, हजारों ख्वाहिशें ऐसी, इंकार, साहेब, बीबी और गैंगस्टर 3 और बाजार समेत कुछ और फिल्में शामिल हैं।

शाहरुख-सुहाना के साथ स्क्रीन साझा करेंगे अभय वर्मा

मुंजा अभिनेता अभय वर्मा सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर किंग के कलाकारों में शामिल हो गए हैं। यह फिल्म शाहरुख खान और उनकी बेटी सुहाना खान के बीच एक बड़े सहयोग का प्रतीक है, जिसमें पिता-बेटी की जोड़ी पहली बार स्क्रीन पर एक साथ काम कर रही है।

शाहरुख खान, अपने प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के माध्यम से, सिद्धार्थ आनंद और ममता आनंद की मार्फ्लिक्स के साथ फिल्म का सह–निर्माण कर रहे हैं। फिल्म ने पहले ही अपने प्रभावशाली कलाकारों के साथ चर्चा पैदा कर दी है, जिसमें अब नायक के रूप में अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मुंजा में अपनी भूमिका के लिए जाने जाने वाले अभय वर्मा को किंग में एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चुना गया है। अभय वर्मा को मुंजा में उनके प्रदर्शन के लिए बहुत सराहना मिली है और यह बात उनके सामने आने वाले प्रस्तावों में भी झलक रही है। उन्हें शाहरुख खान और सुहाना खान के साथ किंग में अहम भूमिका मिलने की खबर है। रिपोर्ट की मानें तो वह इस टेंटपोल फीचर फिल्म में काम करने के लिए काफी उत्साहित हैं।

फिल्म की कास्टिंग तेजी से आगे बढ़ रही है। स्क्रिप्ट पहले ही फाइनल हो चुकी है और भारत और विदेश दोनों में शूटिंग के स्थानें चुन ली गई हैं। प्रोडक्शन टीम का लक्ष्य जल्द ही पूरी टीम को अंतिम रूप देना है। किंग की टीम नवंबर 2024 में फिल्म की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार है। दर्शकों को इसकी रिलीज को लेकर काफी उम्मीदें हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, किंग में सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित कुछ बेहतरीन एक्शन सीक्वेंस होंगे, जिन्होंने 2023 की ब्लॉकबस्टर पठान का निर्देशन किया था। अनिरुद्ध रविचंदर कथित तौर पर थीम म्यूजिक की रचना करने के लिए फिल्म की टीम में शामिल हो गए हैं। फिल्म में अभिषेक बच्चन को खलनायक की भूमिका के लिए चुना गया है।

आखिरी सच की निर्माता के साथ फिर काम करेंगी तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों फिल्म स्त्री 2 को लेकर सुर्खियों में छाई हुई हैं। फिल्म से जारी हुआ नया गाना आज की रात में अपने डांस मूव्स के लिए उन्हें काफी तारीफें मिल रही हैं। इस बीच अभिनेत्री की अगली परियोजना पर नई जानकारी सामने आई है, जो प्रशंसकों को उत्साहित कर देगी। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि अभिनेत्री जल्द ही नई सीरीज में नजर आने वाली हैं। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक घोषणा का अभी इंतजार है।

दरअसल, हाल ही में निर्माता प्रीति सिमोस ने एक और दिलचस्प वास्तविक जीवन के मामले पर आधारित एक आगामी वेब सीरीज के लिए करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस धर्माटिक एंटरटेनमेंट के साथ हाथ मिलाया था और उन्होंने नई सीरीज की घोषणा की थी। हालांकि, इस सीरीज से जुड़ी अन्य बातें अभी गुप्त रखी गई हैं। वहीं अब चर्चा है कि सीरीज में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री का चयन कर लिया गया है, वह कोई और नही, बल्कि तमन्ना भाटिया हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि तमन्ना शो के लिए निर्माताओं की पहली पसंद थीं। इससे पहले उन्होंने सीरीज आखिरी सच में साथ काम किया था, जो काफी सफल परियोजना थी, इसलिए उन्होंने अपनी इस जोड़ी को फिर से बनाने के बारे में सोचा है। सीरीज को लेकर अन्य कलाकारों की कास्टिंग अभी चल रही है। अगर यह रिपोर्ट सच साबित हुई तो यह प्रीति सिमोस और तमन्ना भाटिया का दूसरा सहयोग होगा। इससे पहले उन्होंने आखिरी सच में साथ काम किया था, जो कुख्यात बुराड़ी मौतों पर आधारित थी।

नसीरुद्दीन शाह के साथ नजर आएंगी कल्कि केकला

अभिनेत्री कल्कि केकलां ने बहुत चुनिंदा फिल्मों में काम किया है। लेकिन, अपने अभिनय की उन्होंने अलग छाप छोड़ी है। अब वे दिग्गज कलाकार नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने जा रही हैं। इससे वे बेहद खुश हैं। हालांकि, कल्कि किसी फिल्म में नसीरुद्दीन शाह के साथ काम नहीं कर रही हैं, बल्कि उनके साथ स्टेज प्रस्तुति देंगी। यह स्टेज शो शेक्सपियर के एक नाटक पर होगा, जिसका नाम किंग लियर है।

स्टेज शो में निभाएंगी यह भूमिका

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक कल्कि केकलां की पीआर टीम ने यह जानकारी साझा की है। इसके अनुसार स्टेज शो में अभिनेत्री किंग लियर की बेटी कॉर्डेलिया की भूमिका निभाएंगी। वहीं, नसीरुद्दीन शाह किंग लियर की भूमिका में नजर आएंगे। नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने को लेकर कल्कि बेहद खुश हैं। यह नाटक इस साल नवंबर में मुम्बई के पृथ्वी थिएटर महोत्सव में प्रदर्शित किया जाएगा, जो थिएटर प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण आयोजन होगा। अपने इस स्टेज शो को लेकर उत्साहित कल्कि ने कहा, दिग्गज नसीर सर के साथ मंच साझा करने को लेकर रोमांचित हूं, जो मेरे लिए अभी भी थिएटर के बादशाह हैं! शानदार रेहान इंजीनियर द्वारा निर्देशित और प्रतिभाशाली इरा दुबे द्वारा निर्मित, इस नाटक में अविश्वसनीय कलाकार– डेन्जिल स्मिथ, जिम सर्भ, नील भूपालम, इरा दुबे, शीना खालिद आदि हैं।

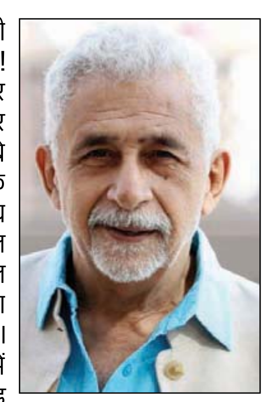

कल्कि ने वर्ष 2009 में फिल्म देव डी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म का निर्देशन अनुराग कश्यप ने किया था, जिनसे 2011 में कल्कि ने शादी रचाई। हालांकि, 2015 में दोनों अलग हो चुके हैं। देव डी के अलावा कल्कि जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, ये जवानी है दीवानी, गली बॉय जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। मेड इन हैवन और सेक्रेड गेम्स जैसे प्रोजेक्ट के लिए भी कल्कि की काफी तारीफ हो चुकी है।

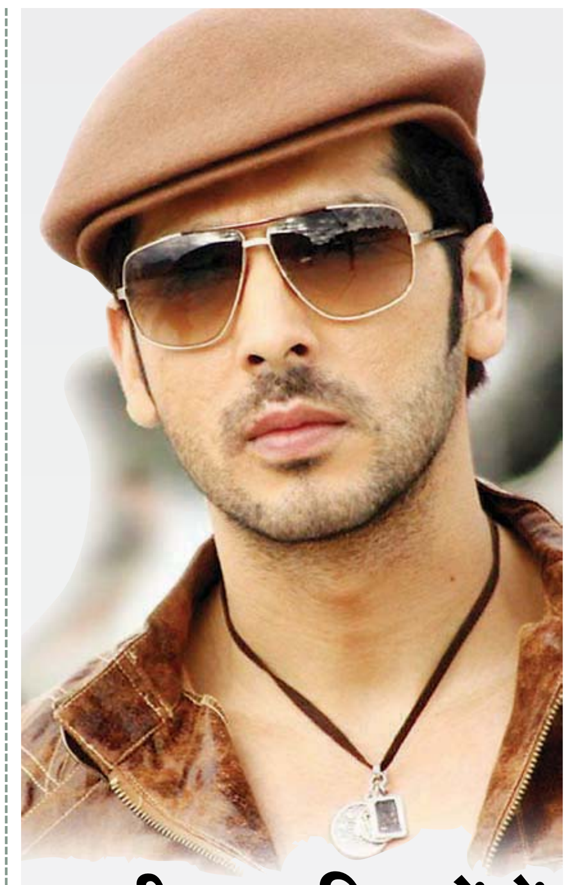

मल्टीस्टारर फिल्मों में काम करने से हुआ नुकसान

हाल ही में एक्टर जायद खान ने अपने करियर डाउनफॉल के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि मल्टी-स्टारर फिल्मों ने उनके करियर को नुकसान पहुंचाया। जायद ने कहा, मैंने अपनी स्टारडम को हल्के में लिया और उन लोगों की नहीं सुनी जिन्होंने मुझे सिंगल-हीरो फिल्मों में काम करने की सलाह दी थी। जब आप मार्केट में होते हैं, तो आपको साबित करना होता है कि आप एक फिल्म को अपने कंधों पर उठा सकते हैं। एक्टर ने आगे कहा, जब कई अभिनेता एक साथ होते हैं, तो बजट को सही ठहराने के लिए फिल्में बनती हैं। शायद मैंने जल्दी ही बड़े बजट फिल्मों में कदम रख दिया। मुझे पहले अपना ब्रांड बनाना चाहिए था। मुझे इस बात का अफसोस है। कुछ फिल्में हिट नहीं हुईं। कौन ब्लू जैसी फिल्म साइन नहीं करेगा? बता दें, जायद खान ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत फिल्म चुरा लिया है तुमने से की थी। फिल्म में उनके साथ ईशा देओल थीं। लेकिन असली पहचान उन्हें फराह खान की फिल्म मैं हूं ना से मिली, जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। मैं हूं ना की सफलता के बाद, जायद ने ब्लू, फाइट क्लब, दस जैसे कई मल्टी-स्टारर फिल्मों में काम किया। लेकिन ये फिल्में उनके करियर को नहीं बढ़ा सकीं।

तुषार कपूर को नहीं मिला नेपोटिज्म का फायदा

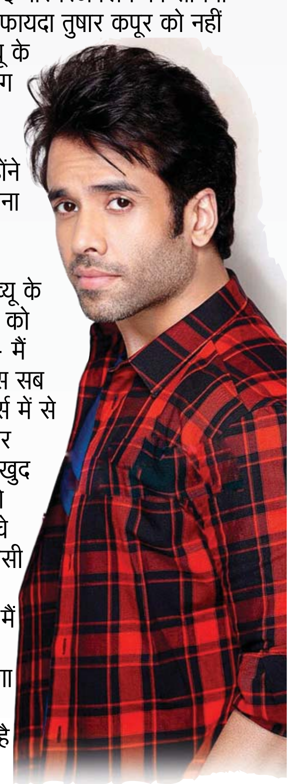

दिग्गज अभिनेता जितेंद्र के बेटे और एकता कपूर के भाई होने के बाद भी तुषार कपूर को कई बार रिजेक्शन का सामना करना पड़ा है। नेपोटिज्म का फायदा तुषार कपूर को नहीं मिला। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तुषार ने बताया कि लोग फिल्मी परिवार के फायदे के बारे में बताते हैं, लेकिन नुकसान को लेकर नहीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग नीचे खींचना चाहते हैं। हर बार किसी नए स्टूडेंट्स की तरह बार-बार परीक्षाएं देनी पड़ीं। एक इंटरव्यू के दौरान तुषार कपूर ने करियर को लेकर बात की। उन्होंने कहा- मैं फिल्मी परिवार से हूं, मेरे पास सब कुछ है। लेकिन, मैं उन एक्टर्स में से एक हूं, जिसे सबसे ज्यादा बार रिजेक्ट किया गया। हर बार खुद को साबित करने के लिए मुझे जूझना पड़ा है। कुछ लोग नीचे खींचना चाहते हैं। हर बार किसी नए स्टूडेंट्स की तरह मुझे बार-बार परीक्षाएं देनी पड़ीं। मैं इससे लड़ने के लिए तैयार रहता हूं, क्योंकि ये मुझे हमेशा चौकन्ना रखता है। थैंकफुली मेरे पास एक ऐसी ऑडियंस है जो मुझे जज नहीं करती है।

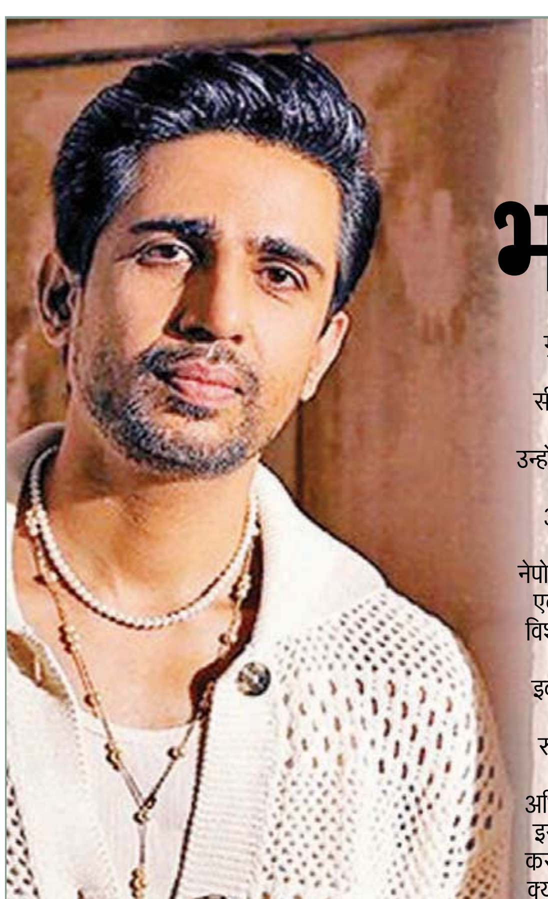

गुलशन देवैया ने भाई भतीजावाद पर की बात

गुलशन देवैया कई चर्चित फिल्मों में काम किया है। इनमें गोलियों की रासलीला- राम-लीला, हंटर और बैट कॉप सीरीज शामिल हैं। इंडस्ट्री में डेब्यू के बाद गुलशन ने लंबा रास्ता पार किया है। वे एक आउटसाइडर हैं। हाल ही में उन्होंने अपना बाहरी होने और मुंबई को अपना घर बनाने का अनुभव साझा किया है। उन्होंने कहा कि इनसाइड और आउटसाइड की इस बहस में शाहरुख खान सबसे अच्छा उदाहरण हैं, जो इस बहस से आगे निकल गए।

नेपोटिज्म विशेषाधिकार है गुलशन ने कहा, भाई-भतीजावाद एक विशेषाधिकार है। हर किसी को विशेषाधिकार है। मेरा विशेषाधिकार क्या था? मैंने एक निजी स्कूल में पढ़ाई की। मेरे माता-पिता का घर मेरे पैसों से नहीं चल रहा है। मैं इकलौती संतान हूं। मेरी मां बीमार हैं। इसलिए मेरे माता-पिता ने कभी नहीं कहा, मत जाओ। हमारा क्या होगा? रुको। हमारा ख्याल कौन रखेगा? उन्होंने कभी ऐसा नहीं कहा।

अभिनेता ने आगे कहा, यह मेरा सौभाग्य है। कुछ लोगों को इस बात का विशेषाधिकार है कि उन्हें इस इंडस्ट्री के काम करने के तरीके की जानकारी है। इसके बिजनेस के तरीके क्या हैं? सिनेमाघरों में रिलीज का बिजनेस मॉडल क्या है? उन्हें इसकी समझ है। आप किसी को कितने भी अवसर दें, अगर दर्शक आपको पसंद नहीं करते हैं, अगर आपकी फिल्में नहीं चल रही हैं। ऐसे कई लोग हैं जो प्रिवलेज्ड बैकग्राउंड से आते हैं, जो अभिनेता या निर्देशक के रूप में सफल नहीं हैं। ऐसे कई लोग हैं। और बहुत से लोग हैं जो बाहर से आए हैं और सफल हैं। शाहरुख खान सबसे बड़े उदाहरणों में से एक हैं। वह बहुत बड़ा नाम है। दुनिया के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं।

गुलशन ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने सफर के बारे में बात करते हुए आगे कहा, मैं वही किरदार करता हूं जो मुझे दिलचस्प लगता है, मैं यह नहीं सोचता कि वह हीरो का किरदार है या विलेन का। मेरी सबसे लोकप्रिय फिल्म हंटर है। फिल्म हंटर के दौरान मेरे साथ काम करने वाले कई लोग मेरे दोस्त हैं। हम साल में एक बार मिलते हैं। अगले साल फिल्म हंटर को 10 साल पूरे हो जाएंगे। इस मौके पर हम पुणे जाना चाहते हैं, जहां फिल्म की शूटिंग हुई थी। ब्रांड वैल्यू के मामले में फिल्म ने मुझे बहुत कुछ दिया है। लोग अक्सर मुझसे हंटर के सीक्वल के बारे में पूछते हैं। फिलहाल गुलशन को फिल्म उलझ के लिए तारीफ मिल रही है। जान्हवी कपूर अभिनीत इस फिल्म में गुलशन एक अंडरकवर एजेंट के रूप में नजर आए हैं।

बॉलीवुड में टाइपकास्टिंग पर बोले अरशद वारसी

अरशद वारसी ने बॉलीवुड में टाइपकास्टिंग पर बात की है। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री की वर्किंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि यहां एक्टर्स को बहुत ही जल्दी एक इमेज में बांध दिया जाता है जिससे पार पाना किसी भी एक्टर के लिए काफी मुश्किल हो जाता है। यूट्यूब शो अनफिल्टर्ड बाय समधीश को दिए इंटरव्यू में अरशद ने कहा, इंडस्ट्री बहुत ही फनी तरीके से काम करती है। अगर मैंने पहली फिल्म में सीरियस रोल कर लिया तो मुझे जीवनभर सीरियस रोल ही दिए जाएंगे। किसी को पता नहीं चलेगा कि मैं कॉमेडी भी कर सकता हूं। अरशद ने बॉलीवुड टाइपकास्टिंग में टाइगर श्रॉफ का उदाहरण देते हुए कहा, आप बेचारे टाइगर को देखिए। वो हर मूवी में जंपिंग करते और फाइटिंग करते दिख जाते हैं। वो और क्या और कैसे करेंगे? उन्हें न मेकर्स उनकी पसंद के कपड़े पहनने देते हैं और न ही फिल्मों में कुछ और करने देते हैं। हर एक्टर अलग-अलग किरदार और जॉनर की फिल्में करना चाहता है लेकिन इंडस्ट्री उसे एक बक्से में बंद कर देती है।

बीसीसीसीआई सचिव जय शाह पर भड़का पूर्व पाक क्रिकेट

-अन्य क्रिकेट बोर्डों पर दबाव डालने का आरोप लगाया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी बातों को कुछ देशों के क्रिकेट बोर्ड बिना सोचे समझे मान लेते हैं। बासित ने कहा कि जय शाह अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार अन्य क्रिकेट बोर्डों पर दबाव डालते हैं क्योंकि भारतीय बोर्ड काफी धनी है और कोई भी उसके खिलाफ नहीं जाना चाहता। उन्होंने कहा कि इसी कारण बीसीसीआई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने से इंकार कर तटस्थ स्थल पर खेलने की मांग कर रहा है। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले साल में फरवरी-मार्च में होना है।

बीसीसीआई ने आईसीसी से भारत के मैचों को किसी तटस्थ स्थल पर रखे जाने की मांग की है।यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि भारत सरकार टीम को पाकिस्तान यात्रा के लिए मंजूरी शायद ही दे। बीसीसीआई के रुख से निराश बासित ने इसको लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 5-6 बोर्ड हैं, वे जय शाह की कही गई बातों को आसानी से मान लेंगे। अगर वह कहते हैं कि चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होगी, तो वे सहमत होंगे। अगर वह कहते हैं कि यह एक हाइब्रिड मॉडल होगा, तो वे उस पर भी सहमत होंगे। साथ ही कहा कि शाह ने आईपीएल में खिलाड़ियों की भागीदारी के लिए पर्याप्त रकम देकर कई प्रमुख क्रिकेट बोर्डों का समर्थन हासिल किया है।

बासित ने कहा, अन्य देशों के खिलाड़ी भारत में आईपीएल खेलते हैं, तो बीसीसीआई बड़ी रकम का भुगतान करता है। चाहे वह इंग्लैंड, न्यूजीलैंड ऑस्ट्रेलिया या किसी अन्य देश के क्रिकेटर हो।

केंद्रीय बजट में खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित

मुम्बई (एजेंसी)। नई दिल्ली - जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रमुख परियोजना खेलो इंडिया को एक बार फिर खेल मंत्रालय के लिए केंद्रीय बजट में सबसे अधिक राशि आवंटित हुई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा मंगलवार को पेश केंद्रीय बजट में खेल मंत्रालय के लिए 3,442.32 करोड़ रुपए में से खेलो इंडिया के लिए 900 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह रकम पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 880 करोड़ रुपए के संशोधित आवंटन से 20 करोड़ रुपए अधिक है।

इस साल अगस्त में पेरिस ओलंपिक चक्र समाप्त होने वाला है और राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों अभी भी दो साल का समय है। ऐसे में खेल मंत्रालय के बजट में पिछले चक्र की तुलना में केवल 45.36 करोड़ रुपए की मामूली वृद्धि की गई है। खेल मंत्रालय के लिए पिछले वित्तीय वर्ष के लिए पिछले चक्र का बजट 3,396.96 करोड़ रुपए था। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में खेलो इंडिया में भारी निवेश किया है क्योंकि यह कार्यक्रम देश के सभी हिस्सों से प्रतिभाओं को सामने लाने का काम करता है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में खेलो इंडिया का वास्तविक आवंटन 596.39 करोड़ रुपए था। अगले साल (2023-24) के बजट में लगभग 400 करोड़ रुपए से अधिक बढ़ाकर 1,000 करोड़ रुपए कर दिया गया था। इसे हालांकि संशोधित कर 880 करोड़ रुपए किया गया था। खेलो इंडिया युवा खेलों 2018 (केआईवाईजी) की शुरुआत के बाद से सरकार ने इसमें और खेल आयोजनों को जोड़ना जारी रखा है।

मंत्रालय ने उसी वर्ष खेलो इंडिया शीतकालीन खेल और 2023 में खेलो इंडिया पैरा खेलों शुरू करने के साथ 2020 में खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेलों की शुरुआत की। देश भर में सैकड़ों खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) स्थापित किए गए हैं, जिनका उद्देश्य प्रतिभाशाली उदीयमान खिलाड़ियों को सुविधाएं प्रदान करना है। खेलो इंडिया के कई एथलीट वर्तमान में भारतीय ओलंपिक दल में शामिल हैं। राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को सरकार की सहायता में भी 15 करोड़ रुपए की वृद्धि की गई है।

यह 2023-24 में 325 करोड़ रुपए से बढ़कर नवीनतम बजट में 340 करोड़ रुपए हो गई है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) का बजट भी 795.77 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 822.60 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसमें 26.83 करोड़ रुपए का उछाल है। साइ देश भर में अपने स्टेडियमों के रख रखाव अलावा वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं के लिए खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) का प्रबंधन भी करता है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) को बजट में मामूली वृद्धि मिली है। नाडा और एनडीटीएल का काम खिलाड़ियों की डोपिंग जांच करना है। नाडा के बजट को 21.73 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22.30 करोड़ रुपए कर दिया गया है जबकि एनडीटीएल के बजट को 19.50 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 22 करोड़ कर दिया गया है।

पाकिस्तान ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा, मजबूत किया सेमीफाइनल का दावा

दाम्बुला (एजेंसी)। बाएं हाथ की स्पिनर सादिया इकबाल की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज गुल फिरोजा के नाबाद अर्धशतक से पाकिस्तान ने महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप ए में यूएई को 10 विकेट से रौंदकर सेमीफाइनल में जगह बनाने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए।

यूएई के 104 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुल की 55 गेंद में आठ चौकों से नाबाद 62 रन की पारी और मुनीबा अली (नाबाद 37) के साथ उनकी पहले विकेट की अटूट शतकीय साझेदारी से पाकिस्तान ने 14.1 ओवर में बिना विकेट खोए 107 रन बनाकर बेहद आसान जीत दर्ज की। यूएई की टीम इससे पहले सादिया (11 रन पर दो विकेट), तुबा हसन (17 रन पर दो विकेट) और नासरा संधू (22 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने आठ विकेट पर 103 रन ही बना सकी।

यूएई की ओर से सलामी बल्लेबाज तीर्था सतीश ने 36 गेंद में पांच चौकों की मदद से सर्वाधिक 40 रन बनाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज और कप्तान ईशा ओझा (16) और खुशी शर्मा (12) ही दोहरे अंक तक पहुंच पाए। इस जीत से पाकिस्तान के तीन मैच में दो जीत से चार अंक हो गए हैं और टीम का सेमीफाइनल में जगह बनाने का दावा मजबूत हो गया है। यूएई की टीम तीनों मैच हारकर बाहर हो चुकी है। शाम को दूसरा मैच गत चैंपियन भारत और नेपाल के बीच होगा। भारत दो मैच में दो जीत से चार अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि नेपाल दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

महिला टी20 रैंकिंग : हरमनप्रीत, शेफाली संयुक्त 11वें स्थान पर, मंधाना पांचवें स्थान पर

दुबई (एजेंसी)। भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आईसीसी टी20 महिला क्रिकेट रैंकिंग में पांचवां स्थान बनाये रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर और शेफाली वर्मा संयुक्त 11वें स्थान पर हैं। हरमनप्रीत को एक पायदान का फायदा मिला जबकि शेफाली बल्लेबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर आ गई। शीर्ष 20 में भारत के चार खिलाड़ी हैं। जेमिमा रौड्रिग्स 19वें स्थान पर हैं। रिचा घोष 24वें स्थान पर है। बेथ मूनी 769 अंक लेकर शीर्ष पर है। गेंदबाजों की सूची में आफ स्पिनर दीप्ति शर्मा तीसरे स्थान पर है जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह नौवे स्थान पर है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव 20वें स्थान पर है। इंग्लैंड की सोफी एस्सेलेटोन शीर्ष पर हैं।

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका पहुंची, गर्मजोशी से हुआ स्वागत

पाल्लेकल (एजेंसी)। नए मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ भारतीय पुरूष क्रिकेट टीम कोलंबो के रास्ते यहां पहुंच गई जिसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। पंद्रह सदस्यीय भारतीय टीम सहयोगी स्टाफ के साथ सोमवार को मुंबई से रवाना हुई। इससे पहले गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर ने मीडिया को संबोधित किया था।

कोलंबो में कुछ देर रूकने के बाद टीम सीधे पाल्लेकल पहुंच गई। भारत को श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 और वनडे श्रृंखला खेलनी है। पहला टी20 मैच 27 जुलाई को खेला जाएगा जबकि बाकी दो 28 और 30 जुलाई को होंगे।

भारतीय टीम दो, चार और सात अगस्त को तीन वनडे खेलेगी। बीसीसीआई ने एक्स पर लिखा, 'मुंबई से कोलंबो के रास्ते पाल्लेकल। टीम इंडिया श्रीलंका पहुंची।'

भारतीय टीम

टी20 टीम - सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मो. सिराज।

वनडे टीम - रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, केएल राहुल (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद। सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

राजस्थान रॉयल्स के कोच बन सकते हैं द्रविड़

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ अब किस आईपीएल टीम से जुड़ते हैं। इसको लेकर अटकलें लगायी जा रही हैं। द्रविड़ का भारतीय टीम के कोच के तौर पर कार्यकाल विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। पहले माना जा रहा था था कि वह आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़ सकते हैं पर अब कहा जा रहा है कि वह राजस्थान रॉयल्स से जुड़ेंगे। गौतम गंभीर के भारतीय टीम का कोच बन जाने के बाद कहा जा रहा था कि द्रविड़ केकेआर टीम के नये कोच बनेंगे पर ये बात गलत निकली। अब कहा जा रहा है कि द्रविड़ राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, द्रविड़ की आरआर में वापसी की संभावना है और इस बारे में उनकी टीम से बात चल रही है। इस संबंध में घोषणा जल्द ही होगी। द्रविड़ का रॉयल्स के साथ लंबा रिश्ता रहा है। वह आरआर के कप्तान भी रहे हैं। उनकी कप्तानी में फ्रेंचाइजी साल 2013 में चैंपियंस लीग टी20 फाइनल और आईपीएल प्लेऑफ तक पहुंची थी। उन्होंने इसके अलावा, 2014 और 2015 में मेंटॉर की भूमिका निभाई थी और टीम तीसरे स्थान पर रही थी। अभी ये पता नहीं चला है कि अगर द्रविड़ राजस्थान से जुड़ते हैं तो फ्रेंचाइजी कुमार संगाकारा को क्रिकेट निदेशक के बनाये रखेगी या नहीं। संगाकारा साल 2021 से ही रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक हैं पर अगर द्रविड़ आते हैं तो टीम को संगकारा की जरुरत नहीं रहेगी। द्रविड़ ने टी20 विश्व कप शुरू होने से पहले ही साफ कर दिया था कि वह फिर से मुख्य कोच पद के लिए आवेदन नहीं करेंगे। इसका कारण है कि अब वह परिवार के साथ भी समय बिताना चाहते हैं।

भारत गुरुवार से करेगा ओलंपिक की शुरुआत, 16 खेलों में भाग लेगें खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय दल 25 जुलाई से पेरिस ओलंपिक की अपनी यात्रा शुरू करेगा जिसमें 112 एथलीट 16 खेलों में 69 पदक स्पर्धाओं में भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा की अगुआई में 29 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम ओलंपिक के लिए फ्रांस जाने वाले दल के एक बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगी। 21 सदस्यीय निशानेबाजी दल भी होगा जो पेरिस 2024 में किसी भी खेल के लिए भारत द्वारा भेजा गया दूसरा सबसे बड़ा दल होगा। ओलंपिक की वेबसाइट के अनुसार यह भारत द्वारा अपने ओलंपिक इतिहास में भेजा गया सबसे बड़ा निशानेबाजी दल है। इससे पहले टोक्यो 2020 ओलंपिक के दौरान 15 सदस्यीय निशानेबाजी दल भेजा गया था।

तिरंगा फहराने के लिए पेरिस में प्रतिस्पर्धा करने वाले तीरंदाजों में दीपिका कुमारी और तरुणदीप राय जैसे सितारे शामिल हैं। वे 25 जुलाई को व्यक्तिगत रैंकिंग राउंड में प्रतिस्पर्धा करेंगे और अगले दिन होने वाले उद्घाटन समारोह से पहले एक्शन में आने वाले पहले भारतीय होंगे। भारत को 27 जुलाई को शैटॉरौक्स में राष्ट्रीय शूटिंग केंद्र में होने वाले मिश्रित टीम एयर राइफल पदक मैचों के दौरान पदक जीतने का पहला मौका मिलेगा। इस स्पर्धा में दो भारतीय टीमें, संदीप सिंह/एलावेनिल वलारिवन और अर्जुन बाबूता/रमिता जिंदल प्रतिस्पर्धा करेंगी। मनु भाकर दो व्यक्तिगत पिस्टल स्पर्धाओं और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम प्रतियोगिता में भी प्रतिस्पर्धा करेंगी।

शो के स्टार मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अगस्त के दौरान एक्शन में होंगे। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा के लिए क्वालीफायर 6 जुलाई को होंगे और फाइनल दो दिन बाद होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु 27 जुलाई से 5 अगस्त तक होने वाली बैडमिंटन स्पर्धाओं के दौरान पदकों की हैट्रिक बनाने का लक्ष्य रखेंगी।

टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू 7 अगस्त को होने वाली महिलाओं की 49 किलोग्राम वर्ग की प्रतियोगिता में भाग लेंगी। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक हासिल करने वाली लवलीना बोरगोहेन 27 जुलाई से शुरू होकर 10 अगस्त को समाप्त होने वाली मुक्केबाजी स्पर्धाओं के दौरान एक्शन में होंगी। इस दौरान दो बार की विश्व चैंपियन निखत जरीन टीम इंडिया के लिए पदक की बड़ी संभावना के रूप में अपना ओलंपिक पदार्पण करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पेरिस 2024 के दौरान भारत तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, घुड़सवारी, गोल्फ, हॉकी, जूडो, रोइंग, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस और टेनिस में प्रतिस्पर्धा करेगा। ओलंपिक का समापन 11 अगस्त को होगा। भारत 2020 टोक्यो ओलंपिक के अपने सात पदकों की संख्या को पार करने की कोशिश करेगा, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

बोपन्ना ने अपने जोड़ीदार बालाजी की प्रशंसा करते हुए उसे आक्रामक खिलाड़ी बताया

नई दिल्ली । 43 साल की उम्र में पेरिस ओलंपिक में खेलने जा रहे भारत के शीर्ष युगल टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने उन रिपोर्टों को गलत बताया है जिससे कहा गया है कि उनके जोड़ीदार श्रीराम बालाजी को मजबूत जोड़ीदार नहीं माना जा सकता है। बोपन्ना ने बालाजी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह काफी अच्छा खिलाड़ी है और उनका लक्ष्य अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। बोपन्ना अपने इस अंतिम ओलंपिक में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं। बोपन्ना ने कहा कि बालाजी काफी आक्रामक खिलाड़ी हैं और बड़े मैचों का दबाव झेलने में सक्षम भी हैं। बोपन्ना को विश्व युगल रैंकिंग में टॉप 10 में होने के कारण अपनी पसंद का जोड़ीदार चयन करने का अवसर मिला था और उन्होने बालाजी का चुना जबकि सभी का उम्मीद थी कि वह अपने जोड़ीदार के लिए युकी भांबरी को रखेंगे। बोपन्ना ने कहा कि कोच से सलाह के बाद ही उन्होंने बालाजी के साथ जाने का फैसला किया और इसमें उन्हें कोई गलती नजर नहीं आती।

पदक जीतने कौशल निखारना होगा : सिंधु

नई दिल्ली। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर तीन ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनने की उपलब्धि अपने नाम करना चाहती हैं। सिंधु ने इससे पहले रियो और टोक्यो में रजत और कांस्य पदक जीते थे। ऐसे में सिंधु इस बार स्वर्ण जीतना चाहेंगी। सिंधु ने कहा, ''यह चुनौतीपूर्ण है पर असंभव नहीं है।'' सिंधु का मानना है कि उन्हें ओलंपिक में तीसरा पदक जीतने के लिए उन्हें अपने कौशल को और निखारते हुए रणनीति बनानी होगी। उन्होंने कहा, ''तीसरे ओलंपिक में जाने से पहले मुझे और अधिक स्मार्ट होने की जरूरत है। मुझे अनुभव है पर इसके साथ ही स्मार्ट होना भी जरुरी है। मुझे उम्मीद है कि मैं अपने पदक का रंग बदल सकती हूं और निश्चित रूप से देश के लिए एक और पदक जीत सकती हूं।'' सिंधु अभी जर्मनी के सारब्रुकेन में हरमन-न्यूबर्गर स्पोर्टस्कर्यूल में ट्रेनिंग कर रही हैं। वह 26 जुलाई को ओलंपिक शुरू होने से पहले सीधे पेरिस जायेंगी। सिंधु ने कहा, ''शारीरिक और मानसिक रूप से मैं फिट हूं, बस मुझे स्मार्ट होना है और मेरे कोच अगुस द्वी सैंटोसो इसपर काम कर रहे हैं। मैं सभी स्ट्रोक्स पर काम कर रही हूं, चाहे वो डिफेंस हो, या अटैक या नेटप्ले। सभी चीजों में पारंगत होना जरुरी है।'' उन्होंने कहा, '' मैं सिर्फ एक स्ट्रोक या तकनीक पर फोकस नहीं कर रही हूं क्योंकि आप नहीं जानते कि क्या होने वाला है, जीत के लिए सभी प्रकार से खेलना आना चाहिये।

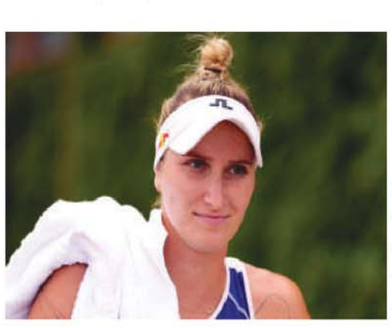

ओलंपिक रजत पदक विजेता वोंड्रोसोवा और हुरकाज ने पेरिस ओलंपिक से वापस लिया नाम

पेरिस - तोक्यो ओलंपिक टेनिस रजत पदक विजेता मरकेटा वोंड्रोसोवा ने हाथ की चोट के कारण पेरिस ओलंपिक से नाम वापस ले लिया। पोलैंड के हुबर्ट हुरकाज ने भी घुटने की चोट से कारण नाम वापस लेने का फैसला किया है। पिछले साल विम्बलडन जीतने वाली चेक गणराज्य की वोंड्रोसोवा इस महीने विम्बलडन से पहले दौर में बाहर हो गई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर ओलंपिक से हटने की जानकारी देते हुए कहा कि उनका फोकस अगस्त में होने वाले अमेरिकी ओपन पर है। ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा के ड्रॉ बृहस्पतिवार को निकाले जाएंगे जबकि मैच शनिवार से शुरू होंगे।

'मैंने उन्हें कप को गले लगाते और रोते हुए देखा...': द्रविड़ के टी20 विश्व कप जीत के जश्न पर बोले अश्विन

चेन्नई (तमिलनाडु) (एजेंसी)। भारतीय स्पिन दिग्गज रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया कि उन्होंने उस पल को वास्तव में महसूस किया जब पूर्व भारतीय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने आईसीसी टी20 विश्व कप को गले लगाया और कोच के रूप में अपने अंतिम कार्य में 11 वर्षों में मेन इन ब्लू को उनकी पहली बड़ी ट्रॉफी दिलाने के बाद रोए।

भारत के साथ मुख्य कोच के रूप में द्रविड़ का कार्यकाल 29 जून को फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर टी20 विश्व कप जीतने के साथ समाप्त हो गया। महान क्रिकेटर, जो एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में प्रमुख आईसीसी विश्व कप ट्रॉफी नहीं जीत सके, को आखिरकार कोच के रूप में भारत के साथ अंतिम अंतरराष्ट्रीय कार्य एक बड़ी सफलता साबित हुई। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को उनके उत्तराधिकारी के रूप में घोषित किया गया, जो 27 जुलाई से श्रीलंका के व्हाइट-बॉल दौरे में अपने युग की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'मेरा पल वह था जब विराट कोहली ने राहुल द्रविड़ को बुलाया और कप दिया... मैंने उन्हें कप गले लगाते और रोते हुए देखा। राहुल द्रविड़ चिल्लाए और रोए। मैंने उन्हें इसका लुत्फ उठाते देखा। मैंने इसे बहुत महसूस किया।'

अश्विन ने द्रविड़ की सफलता की सराहना की, भले ही उन्हें एक खिलाड़ी और कोच के रूप में अपने करियर में आलोचनाओं और असफलताओं का सामना करना पड़ा हो, जैसे कि 2007 के 50 ओवर के विश्व कप के पहले दौर से बाहर होना। अश्विन ने कहा कि उन्हें पता था कि पिछले दो-तीन सालों से वह टीम के लिए कितना अच्छा कर रहे थे और उन्होंने टीम के दृष्टिकोण को बदल दिया है।

उन्होंने कहा, 'मैं एक ऐसे व्यक्ति के बारे में बात करना चाहता हूं जो पवित्र है। 2007, 50 ओवर का विश्व कप। भारत बाहर हो गया। उस समय कप्तान राहुल द्रविड़ थे। उसके बाद वह एकदिवसीय टीम की कप्तानी नहीं करते। वह भारतीय टीम के साथ रहे हैं। अगर कुछ ठीक नहीं होता है, अगर भारतीय टीम बाहर हो जाती है, अगर वे कोई मैच हार जाते हैं, तो तुरंत लोग पूछते हैं कि द्रविड़ क्या कर रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'मुझे पता है कि वह पिछले दो-तीन सालों से इस टीम के साथ क्या कर रहे हैं। मुझे पता है कि वह कितने संतुलित हैं। मुझे पता है कि उन्होंने इस दृष्टिकोण को बदलने के लिए कितनी मेहनत की है। मुझे पता है कि उन्होंने अपने प्रत्येक खिलाड़ी को क्या दिया है। यहां तक कि जब वह घर पर बैठे होते हैं, तब भी वह यह योजना बनाते रहते हैं कि यह कैसे करना है और वह कैसे करना है।'

एंडी मर्रे ने संन्यास की घोषणा की, पेरिस ओलंपिक के बाद कहेंगे अलविदा

पेरिस । दो बार ओलंपिक पुरूष एकल चैम्पियन एंडी मर्रे ने मंगलवार को पुष्टि की कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह खेल से संन्यास लेंगे। सैतीस वर्ष के मर्रे ने एक्स पर पोस्ट किया, 'अपने आखिरी टेनिस टूर्नामेंट के लिये पेरिस पहुंच गया हूं।' पेरिस ओलंपिक में टेनिस स्पर्धा रोलां गैरो पर शनिवार से शुरू होंगी। मर्रे ने पहला स्वर्ण पदक 2012 लंदन ओलंपिक में ग्रासकोर्ट पर जीता था जिसमें उन्होंने रोजर फेडरर को तीन सेटों में हराया था। इसके बाद 2016 में रियो दि जिनेरियो में हार्डकोर्ट पर जुआन मार्टिन देल पोत्रो को हराकर खिताब जीता था। मर्रे ने 2019 में कूल्हे की प्रत्यारोपण सर्जरी कराई थी।

गाजा में नमाज पढ़ रहे फिलिस्तीनियों पर इजरायल का हमला, 100 से अधिक लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पर इजरायली हमला अभी भी जारी है। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि पूर्वी गाजा में विस्थापित लोगों के आवास वाले एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले में 100 से अधिक लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब लोग नमाज़ अदा कर रहे थे।

हमास ने एक बयान में कहा, इजरायली हमलों ने फज्र की नमाज़ अदा करते समय विस्थापित लोगों को निशाना बनाया। इसके कारण हताहतों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते गाजा में चार स्कूलों पर हमला किए जाने के बाद ये किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा- नमाज पढ़ने के दौरान हुआ हमला : गाजा सिटी के अल- सहाबा इलाके के अल-तबैइन स्कूल को निशाना बनाया गया। गाजा के सरकारी मीडिया के अनुसार, इस्राइली हवाई हमले में शरणार्थियों को निशाना बनाया गया, जब लोग फज्र की नमाज पढ़ रहे थे। शुरुआत में कहा गया कि हमले में 40 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। हालांकि बाद में मृतकों का आंकड़ा 100 के पार चला गया। इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने हमास आतंकियों के एक कमांड सेंटर को निशाना बनाया है। इस्राइली सेना ने कहा कि आतंकी आम नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। गौरतलब है कि बीते दिनों में इस्राइल ने गाजा और हमास नेताओं पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। कुछ दिनों पहले गोलन हाइट्स स्थित इस्राइल के कब्जे वाले इलाके में हिजबुल्ला के रॉकेट हमले में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर को बेरूत में ढेर कर दिया था। इसके 24 घंटे बाद ही ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की भी हत्या कर दी गई थी। इसका भी आरोप इस्राइल पर लगा। हानिया की हत्या के बाद ईरान और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया और ईरान ने इस्राइल पर हमले की धमकी दी है।

ताजा हमले से बढ़ सकता है पश्चिम एशिया का तनाव : हिजबुल्ला ने भी इस्राइल के खिलाफ हमले की धमकी दी है। अमेरिका ने भी इस्राइल की मदद के लिए पश्चिम एशिया में अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमान की स्कवॉड्रन भेज दी है। इसी बीच अब गाजा में इस्राइली हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत से यह तनाव और भड़क सकता है। इससे पहले 4 अगस्त को गाजा शहर में विस्थापित लोगों के लिए आश्रय के रूप में काम करने वाले दो स्कूलों पर इजरायली हमला हुआ, जिसमें 30 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। वहीं, गाजा शहर के हमामा स्कूल पर एक हमले में 17 लोग मारे गए। एक अगस्त को दलाल अल-मुगराबी स्कूल पर इजरायली हमले में 15 लोग मारे गए। आपको बता दें कि पिछले अक्टूबर में फिलिस्तीनी संगठन के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य हमला शुरू करने के बाद से इजरायल गाजा में स्कूलों सहित इमारतों पर हमले कर रहा है। इजरायल का दावा है कि परिसर के अंदर आतंकवादी हैं जो हमास कमांड कंट्रोल सेंटर से काम कर रहे हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर घातक हमला करने के बाद शुरू हुए 10 महीने लंबे युद्ध में गाजा में 40,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। युद्ध से तबाह तटीय फिलिस्तीनी क्षेत्र में युद्ध विराम के लिए कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल से बदला लेना नहीं आसान, मोसाद को लेकर आपस में ही बंट गया ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और शक्तिशाली इस्लामिक

रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुछ कट्टरपंथियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। इस घटना ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या पर ईरान की प्रतिक्रिया के भविष्य को अधर में लटका दिया है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकार इस बात पर एकमत नहीं है कि हत्या के बाद इजरायल के खिलाफ कैसे जवाबी कार्रवाई की जाए। आईआरजीसी कथित तौर पर तेल अवीव और अन्य प्रमुख इजरायली शहरों पर सीधे और गंभीर मिसाइल हमले की वकालत कर रहा है। हालांकि, राष्ट्रपति पेजेशकियन इस आक्रामक रणनीति का विरोध कर रहे हैं। पेजेशकियन इजरायल के बाहर स्थित मोसाद के ठिकानों पर हमले की पैरवी कर रहे हैं। वह अज़रबैजान और कुर्दिस्तान में उनके ठिकानों पर हमला करना चाहते हैं। पेजेशकियन का तर्क है कि इससे इजरायल के साथ सीधी लड़ाई का जोखिम कम हो जाएगा। पेज़ेशकियन के एक करीबी सहयोगी ने द टेलीग्राफ को बताया, पेज़ेशकियन को डर है कि इजरायल पर किसी भी सीधे हमले के गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने अज़रबैजान और इराकी कुर्दिस्तान को उनकी सीमाओं के भीतर इजरायली ठिकानों पर किसी भी हमले से पहले सूचित करने का सुझाव दिया है। आईआरजीसी के एक अधिकारी ने द टेलीग्राफ को बताया कि उनका संगठन राष्ट्रपति के अधिक संयमित दृष्टिकोण को काफी हद तक खारिज करता है। द टेलीग्राफ ने अधिकारी के हवाले से कहा, सबसे बड़ी चिंता अभी भी हिजबुल्लाह और अन्य लोगों के साथ मिलकर तेल अवीव पर हमला करना है। आईआरजीसी के कुलीन कुद्स फोर्स के कमांडर इस्माइल कानी ने भी तत्काल और निर्णायक जवाबी कार्रवाई के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया है।

यूक्रेन के डोनेट्स्क में शॉपिंग मॉल पर रूसी हमले में 4 की मौत, 24 घायल

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार को डोनेट्स्क क्षेत्र में एक शॉपिंग मॉल पर रूसी हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पोस्ट में लिखा कि कोस्त्यंतिनिव्का शहर में घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। लोकल गवर्नर वादिम फिलाशकिन ने कहा कि रूसी सेना ने बैरल आर्टिलरी से मॉल पर हमला किया। फिलाशकिन ने कहा कि पुलिस, बचाव दल और चिकित्साकर्मी हमले के स्थल पर काम कर रहे हैं। इससे पहले यूक्रेनी सेना ने गुरुवार रात रूसी हमले में शामिल सभी 27 लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पूर्वी यूक्रेन के सात क्षेत्रों में शाहेद-136 और शाहेद-131 ड्रोनों को गिराया गया। वायु रक्षा प्रणाली कीव क्षेत्र में काम कर रही थी, लेकिन क्षेत्र में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। साथ ही इससे किसी तरह की क्षति नहीं हुई। क्षेत्रीय गवर्नर सर्जी लिसाक ने कहा कि मध्य निप्रॉपेट्रोस क्षेत्र में दो ड्रोन नष्ट कर दिए गए। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से बयान आया था कि यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसे रूसी सेना ने नाकाम कर दिया। मंत्रालय ने कहा था, रूसी सेना ने यूक्रेनी सेना के हमले को रोकने के लिए अपनी सीमा रक्षा इकाइयों को तैनात किया, और हवाई हमले, मिसाइल हमले तथा तोपखाने की मदद से यूक्रेनी सेना को आगे बढ़ने से रोका। शिन्हुआ की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुर्स्क में ज्यादा अंदर तक घुसने की अलग-अलग इकाइयों की कोशिशों को विफल कर दिया गया, और सुमी क्षेत्र में यूक्रेनी रिजर्व बलों के खिलाफ हवाई हमले किए गए।

मालदीव दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर, मूसा जमीर के साथ की सुरक्षा-व्यापार सहयोग पर चर्चा

माले, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार शाम तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मालदीव पहुंचे। यहां मालदीव के विदेश मंत्री जमीर ने वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। माले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने समकक्ष मूसा जमीर के साथ सुरक्षा, व्यापार और डिजिटल सहयोग पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से स्ट्रीट लाइटिंग, मानसिक स्वास्थ्य, बच्चों की स्पीच थेरेपी और विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में छह परियोजनाओं का उद्घाटन किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज माले में विदेश मंत्री मूसा जमीर के साथ सार्थक चर्चा हुई। इस एजेंडे में विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और डिजिटल सहयोग में हमारी भागीदारी शामिल थी। उन्होंने बताया कि मालदीव में डिजिटल भुगतान प्रणाली शुरू करने के लिए भारत के राष्ट्रीय भुगतान निगम और मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। अतिरिक्त 1000 सिविल सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण पर राष्ट्रीय सुशासन केंद्र और सिविल सेवा आयोग के बीच समझौता ज्ञापन के नवीनीकरण का स्वागत किया। विदेश मंत्री ने अपने आगमन के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मालदीव पहुंचकर खुशी हुई। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए विदेश मंत्री मूसा जमीर का धन्यवाद।

संयुक्त राष्ट्र का बयान: हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने नस्ली आधार पर होने वाली किसी भी हिंसा या हमले के खिलाफ अपने विचार व्यक्त किए हैं। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बांग्लादेश में हाल के दिनों में हुई हिंसा पर नियंत्रण पाया जाए। हम नस्लीय आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।

बांग्लादेश में हाल की हिंसा के दौरान कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया गया है और दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई है। यह हिंसा तब शुरू हुई जब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दिया और देश छोड़कर भारत चली गईं। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने की प्रक्रिया पर संयुक्त राष्ट्र की आशा है। हम शांति बहाली के किसी भी संकेत को सकारात्मक मानते हैं। जब हक से पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या उनसे फोन पर बात की है, तो उन्होंने कहा कि गुतारेस ने यूनुस से संपर्क नहीं किया है। हालांकि, बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। संयुक्त राष्ट्र की टीम सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीन पर शांति बहाल हो। अंत में हक ने कहा कि बांग्लादेश में हुई हत्याओं की जांच में शामिल होने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने जो अनुरोध किया है।

डोनाल्ड ट्रंप की फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग से बाल-बाल बचे पूर्व राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से एक गंभीर स्थिति से बाल-बाल बच गए हैं। शनिवार सुबह, जब ट्रंप चुनावी रैली के लिए मोंटाना जा रहे थे, तभी उनके प्राइवेट जेट में तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते उड़ान के दौरान पायलट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी, जिससे एयरपोर्ट और पुलिस अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया।

घटना बिलिंग्स लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई। उड़ान के दौरान अचानक प्लेन में एक झटका महसूस किया गया। क्रू मेंबर्स ने जांच की तो पता चला कि इंजन में तकनीकी खराबी आई है। पायलट ने तत्परता दिखाते हुए नजदीकी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई और उच्च अधिकारियों से अनुमति प्राप्त की। लैंडिंग के बाद, एयरपोर्ट स्टाफ और रेस्क्यू टीम ने पूर्व राष्ट्रपति को सुरक्षित रूप से प्लेन से उतारकर एक सुरक्षित क्षेत्र में पहुंचाया। जेनी मॉकल, बिलिंग्स लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अधिकारी ने बताया कि प्लेन में आई तकनीकी खराबी की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति की जान को कोई खतरा नहीं है और वे अब सड़क मार्ग से मोंटाना के लिए रवाना हो चुके हैं। उनके प्लेन की तकनीकी खराबी को ठीक करने के प्रयास जारी हैं। यदि विमान की मरम्मत सफल होती है।

बांग्लादेश में भय की स्थिति में रह रहे हैं अल्पसंख्यक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को इस्तीफे के बाद से बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदायों के उत्पीड़न की 205 घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं की संख्या रिपोर्ट की गई संख्या से कहीं अधिक होने की आशंका है। यह नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी देश की अंतरिम सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है।

यूनिटी काउंसिल के अध्यक्ष निर्मल रोसारियो ने द डेली स्टार के हवाले से कहा, हम सुरक्षा चाहते हैं क्योंकि हमारा जीवन विनाशकारी स्थिति में है। हम रात में जागकर अपने घरों और धार्मिक स्थलों की रखवाली कर रहे हैं। मैंने अपने जीवन में ऐसी घटनाएं कभी नहीं देखी हैं। हम मांग करते हैं कि सरकार देश में सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करे। बांग्लादेशी अखबार ने विस्तार से बताया कि यूनुस को एक खुला पत्र भेजा गया है। इसमें ओइक्या परिषद ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक विशेष समूह की अभूतपूर्व हिंसा पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त की है।

पत्र पर ओइक्या परिषद के महासचिव राणा दासगुप्ता और बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद के अध्यक्ष बासुदेव धर ने हस्ताक्षर किए हैं, जिन्होंने मौजूदा स्थिति को तत्काल समाप्त करने की मांग की है। इसमें उल्लेख किया गया है कि शेख हसीना के ढाका से जाने के तुरंत बाद शुरू सांप्रदायिक हिंसा ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के बीच व्यापक भय, चिंता और अनिश्चितता पैदा कर दी है।

अखबार ने बताया, संगठन के विवरण और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हजारों हिंदू परिवार बेसहारा हो गए हैं और कई मंदिरों पर हमला किया गया है और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया है। कई अन्य हमलों में कई जगहों पर हत्याएं हुई हैं। इस दौरान अन्य अल्पसंख्यकों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। डेली स्टार की रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि अंतरिम सरकार को गुरुवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कुरान के अलावा अन्य धार्मिक ग्रंथों को शामिल न करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अख़बार ने परिषद के प्रेसीडियम सदस्य काजल देवनाथ के हवाले से कहा, अन्य धार्मिक ग्रंथों के पाठ को शामिल न करना हमारे संविधान, मुक्ति संग्राम की भावना और भेदभाव विरोधी मूल्यों के विपरीत है। हमें उम्मीद है कि भविष्य के राजकीय समारोहों में सभी प्रमुख धार्मिक ग्रंथों के पाठ को शामिल किया जाएगा। देवनाथ ने कहा कि उन्हें खुद सोमवार से एक दोस्त के घर पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एक अन्य सदस्य ने कहा, हमने अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को समाप्त करने के बारे में बहुत सी बातें सुनी हैं, लेकिन हमने कोई प्रभावी उपाय नहीं देखा है। हमारी राष्ट्रीय विरासत और संपत्ति नष्ट की जा रही है, जो हमें अस्वीकार्य है।

बुल्गारिया के राष्ट्रपति ने गोरित्सा ग्रानचारोवा-कोझारेवा को नियुक्त किया नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री

सोफिया, एजेंसी। बुल्गारिया के राष्ट्रपति रुमेन रादेव ने शुक्रवार को गोरित्सा ग्रांचरोवा-कोझारेवा को नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री नामित किया और उन्हें कार्यवाहक सरकार का प्रस्ताव देने का काम सौंपा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि संविधान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री द्वारा मंत्रिमंडल की सूची प्रस्तुत करने के लिए कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। लेकिन राष्ट्रपति ने 19 अगस्त तक ऐसा करने का अनुरोध किया है। ताजा हालात और गुरुवार को राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श के बाद नए संसदीय चुनावों के लिए 20 अक्टूबर को सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। रादेव ने कोझारेवा से कहा, इस संबंध में, आपको 19 अगस्त से पहले कार्यवाहक सरकार की संरचना का प्रस्ताव देना चाहिए, ताकि हम कानूनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

कोझारेवा की कैबिनेट दिमितार ग्लेवचेव के नेतृत्व वाली मौजूदा कार्यवाहक सरकार की जगह लेगी, जिन्हें 5 मार्च को प्रधानमंत्री निकोलाई डेनकोव के इस्तीफे के बाद 9 अप्रैल को नियुक्त किया गया था। 9 जून को हुए चुनावों के बाद संसद नियमित कैबिनेट बनाने में विफल रही थी।

बल्गेरियाई राष्ट्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय (बीएनएओ) के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके ग्लेवचेव को पिछले साल दिसंबर में पारित संवैधानिक संशोधनों द्वारा परिभाषित पात्र उम्मीदवारों के पूल से चुना गया था। ये संशोधन यह निर्धारित करते हैं कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री को नेशनल असेंबली के स्पीकर, बल्गेरियाई नेशनल बैंक के गवर्नर या डिप्टी गवर्नर, बीएनएओ के अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, या लोकपाल या उप लोकपाल में से चुना जाना चाहिए।

रादेव ने कहा कि पिछले महीनों में ग्लेवचेव की सरकार के राजनीतिक उपयोग के संदेह के कारण तनाव बढ़ गया है। रादेव ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कार्यवाहक सरकारें तनावपूर्ण राजनीतिक स्थिति को शांत करने के लिए होती हैं। रादेव ने नियुक्ति के दौरान कहा,प्रिय कोझारेवा, इस स्थिति में आप ही एकमात्र संभावित विकल्प हैं।

नए कार्यवाहक प्रधानमंत्री कोझारेवा स्विश्टोव में डीए त्सेनोव एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स से अकाउंटिंग और कंट्रोल में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्हें बैंकिंग और वित्त में व्यापक अनुभव है। 2015 में उप प्रमुख चुने जाने से पहले उन्होंने बीएनएओ के भीतर विभिन्न उच्च-रैंकिंग पदों पर कार्य किया था। अप्रैल में जब ग्लेवचेव को कार्यवाहक प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया, तब वे बीएनएओ की कार्यवाहक प्रमुख बनीं। कोझारेवा ने नियुक्ति के बाद एक कैबिनेट बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है इसके बाद एक नियमित सरकार की स्थापना होने तक राज्य के सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करेंगी।

ताइवान की हवाई सीमा में दाखिल हुए चीन के 22 लड़ाकू विमान, जल क्षेत्र पर भी ड्रैगन की नजर

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच जमीन को लेकर जंग जारी है। चीन लगातार ताइवान के क्षेत्र को अपना बताता आया है और किसी भी हाल में वहां कब्जा करना चाहता है। इस बीच ताइवान के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि चीन ने एक बार फिर से उसके क्षेत्र में घुसपैठ की है। बताया गया है कि ताइवान की हवाई सीमा के आस पास चीन के 28 लड़ाकू विमान देखे गए हुए। इनमें से 22 लड़ाकू विमान ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए। इसके अलावा ताइवान के जल क्षेत्र में चीन के 10 नौसेनिक जहाज देखे गए। साथ ही बताया गया है कि शुक्रवार सुबह छह बजे से लेकर शनिवार सुबह छह बजे ताइवान में चीन की घुसपैठ देखी गई।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 22 लड़ाकू विमान हवाई के जलडमरूमध्य को पार कर दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए। यह भी कहा गया है कि स्थिति को भांपते हुए चीन को इसका जवाब भी दिया गया। चीन की सेना के जवाब में, ताइवान ने भी तटीय क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमानों, नौसैनिक जहाजों और मिसाइल सिस्टम को तैनात किया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'आज सुबह छह बजे चीन की पीएलए 28 लड़ाकू

विमान और करीब 10 नौसेनिक जहाज भीताइवान की सीमा पर देखे गए। इनमें से 22 लड़ाकू विमान मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम में दाखिल हुए। इसलिए, हमने स्थिति को भांपते हुए इसका जवाब दिया।'

ताइवान को लगातार उकसा रहा है चीन : बीते कुछ महीनों में यह देखने को मिल रहा है कि चीन द्वारा लगातार ताइवान को उकसाया जा रहा है। चीन के ताइवान के चारों और अपनी सैन्य गतिविधियों को बढ़ाया है। ताइवान के हवाई और समुद्री जल क्षेत्र के आसपास चीन की घुसपैठ भी बढ़ती जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को ही ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि पीएलएल के 18 लड़ाकू विमान और नौ नौसैनिक विमान ताइवान की सीमा के आसपास देखे गए थे।

बांग्लादेश में हमलों के खिलाफ हजारों हिंदुओं का प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हसीना के इस्तीफे के बाद से हिंसा, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इनके खिलाफ शुक्रवार को हिंदू जागरण मंच ने ढाका में प्रदर्शन किया। बांग्ला अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक शाहबाग चौक पर हजारों हिंदू जमा हुए और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने हरे कृष्णा-हरे रामा का नारा भी लगाया। हिंदू जागरण मंच के आयोजकों ने कहा कि दिनाजपुर में चार हिंदू गांवों को जला दिया गया है। लोग बेसहारा हो गए हैं। छुप-छुपकर रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से ही हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं।

हमलों को रोकने के लिए कड़े कानून की मांग : प्रदर्शन के दौरान हिंदू समुदाय ने अल्पसंख्यक मंत्रालय की स्थापना, अल्पसंख्यक संरक्षण आयोग का गठन, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने और संसद में अल्पसंख्यकों के लिए 10 फीसदी सीटें रखने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए मुआवजा भी मांगा। इसके अलावा तोड़े गए मंदिरों को फिर से बनाने की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे इस देश में पैदा हुए हैं। यह उनके पूर्वजों की जमीन है। यह देश उनका भी उतना ही है। वे भले ही यहां मार दिए जाएं, फिर भी अपना जन्मस्थान बांग्लादेश नहीं छोड़ेंगे। अपना अधिकार पाने के लिए सड़कों पर रहेंगे।

अवामी लीग ने भी चिंता जताई : बांग्लादेश में हिंसा के बाद से ही हजारों बांग्लादेशी हिंदू भारत आने के लिए सीमा पर पहुंचे हुए हैं। उन्हें समझा-बुझाकर वापस भेजा जा रहा है। हिंदू नागरिकों के खिलाफ हिंसा को

लेकर शेख हसीना की अवामी लीग ने भी चिंता जताई है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि बांग्लादेश में 5 अगस्त से ही हिंदू अपने साथियों, संपत्तियों और मंदिरों पर हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्लीय आधार पर किसी भी हमले या हिंसा के खिलाफ हैं। उन्होंने हिंसा को खत्म करने की अपील की। 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले हुए, मोहम्मद यूनुस से मांगी सुरक्षा बांग्लादेश की आबादी 17 करोड़ है, जिसमें हिंदू करीब 7.95प्रतिशत (1.35 करोड़) हैं। बांग्लादेश में हिंदू दूसरा सबसे बड़ा धर्म है। देश के 64 में से 61 जिले में हिंदुओं की बड़ी आबादी रहती है।

भाजपा सभी विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकालेगी

लखनऊ ।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई रविवार से मंगलवार तक प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकालेगी। पार्टी मुख्यालय से शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी गयी।बयान के अनुसार भाजपा हर घर तिरंगा अभियान के तहत विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित करेगी जो 11 अगस्त से 13 अगस्त तक प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में राष्ट्र प्रेम का संदेश लेकर शहर, गांव, गली, मोहल्लों तक पहुंचेगी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, पार्टी के मंडल, बूथ के पदाधिकारी व सभी जनप्रतिनिधि पार्टी कार्यकर्ताओं व स्थानीय नागरिकों के साथ हाथों में तिरंगा लेकर इस यात्रा के लिए निकलेंगे। हर घर तिरंगा अभियान के प्रदेश सह संयोजक डॉ समीर सिंह ने शनिवार को बताया कि भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी रविवार को सहारनपुर में तिरंगा यात्रा में पार्टी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के साथ सहभागिता करेंगे।

बारिश के चलते दिल्ली की सड़कें हुईं जलमग्न

नई दिल्ली ।देश की राजधानी के कई हिस्सों में रविवार सुबह बारिश हुई जिससे कुछ इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया।आईएमडी के अनुसार दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 2.9 मिलीमीटर बारिश हुई।रविवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।दिल्ली यातायात पुलिस ने छावला स्टैंड के पास जलभराव और तीन क्लस्टर बस के खराब होने की जानकारी दी। पुलिस ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में बताया, कि नांगलोई से टिकरी बॉर्डर की ओर जाने वाले रोहतक रोड पर गड्ढों और जलभराव के कारण यातायात प्रभावित है।दिल्ली में सुबह सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 92 प्रतिशत दर्ज किया गया।केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 74 दर्ज किया गया जो संतोषजनक है।शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

तुंगभद्रा बांध का द्वार टूटा, कृष्णा नदी के किनारे रहने वालों को किया सतर्क

कुरनूल ।आंध्र प्रदेश में एपीएसडीएमए ने तुंगभद्रा बांध का द्वार बहने के बाद कृष्णा नदी के किनारे रह रहे लोगों को रविवार को सतर्क रहने की सलाह दी है। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मानाथ ने कहा कि चेन की एक कड़ी टूटने से द्वार 19 बह गया है।यह हादसा होसपेट में शनिवार रात हुआ।कुर्मानाथ ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बाढ़ का लगभग 35,000 क्यूसेक पानी बह गया और 48 हजार क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जाएगा।कुरनूल जिले के कोसिरी, मंत्रालयम, नंदावरम और कौथलम के लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।प्रबंध निदेशक ने कृष्णा नदी के तटों के पास रह रहे लोगों को नदी को पार न करने की सलाह दी है।

भारत को दक्षिण एशिया के देशों से मिल रही है चुनौती

– चीन और अमेरिका की महाशक्तियों के बीच फंसा भारत

नई दिल्ली।बांग्लादेश में हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है।बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी है। श्रीलंका के हालात भी बेहद चिंताजनक है।श्रीलंका में 21 सितंबर को राष्ट्रपति का चुनाव होना है।राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अमेरिका और चीन अपने-अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं।भारत सरकार की वहां कोई भूमिका नहीं है।श्रीलंका राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की दौड़ में चार उम्मीदवार हैं।राष्ट्रपति रानिल विक्रम संघे, स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।विपक्षी नेता संजीत प्रेमदासा,अनुराग कुमार दिशा नायके और महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं।नेपाल में भी राजनीतिक हलचल मची हुई है।यहां पर भी चीन द्वारा नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप किया जा रहा है।नेपाल में चीन का भारी प्रभाव है।अमेरिका और चीन की महाशक्तियां दक्षिण एशिया के देशों में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है।चीन ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक और राजनीतिक रूप से अपनी भूमिका काफी बढ़ा दी है।भारत की भूमिका बिल्कुल नग्नय हो गई है।जो चिंता की बात है।

कॉफी हाउस के शौचालय के डस्टबिन में छिपा रखा था कैमरा

–महिला की पड़ी नजर तो खुला राज, आरोपी गिरफ्तार

बेंगलुरु।कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु एक घटना ने सबको हैरान कर दिया है। यहां बेंगलुरु के बीईएल रोड स्थित थर्ड वेव नाम के कॉफी का आउटलेट है।यहां महिलाओं के शौचालय के कूड़ेदान में मोबाइल फोन छिपाकर वीडियो रिकॉर्ड की जा रही थी।कॉफी हाउस में पहुंची एक लड़की की नजर इस छिपे हुए कैमरे पर पड़ी, जिसके बाद मामला उजागर हुआ।यह घटना शनिवार की है जब आरोपी कर्मचारी ने शौचालय में करीब दो घंटे तक अपने फोन से रिकॉर्डिंग की।घटना के दौरान कॉफी हाउस में मौजूद एक ग्राहक ने सोशल मीडिया पर इसे साझा किया। यूजर ने बताया कि वीडियो रिकॉर्डिंग फंक्शन चालू करके शौचालय के कूड़ेदान में फोन छिपा दिया था।उसने बताया फोन फ्लाइट मोड पर था ताकि कोई आवाज न आए, और इसे डस्टबिन बैग में सावधानी से छिपा कर रखा गया था डस्टबिन में एक छेद किया गया था ताकि केवल कैमरा ही दिखाई दे।यह फोन वहां काम करने वाले कर्मचारियों में एक का था।पुलिस को शिकायत की गई है पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।महिला ग्राहक ने कहा कि यह भयानक घटना था।उसने कहा कि अब से जिस भी शौचालय का उपयोग करेगी, वहां सतर्क रहेगी, चाहे वह कैफे या रेस्तरां कितना ही फेमस क्यों न हो।उसने लोगों से अपील की कि आप भी शौचालय जाने से पहले सतर्क रहें। कॉफी शॉप के प्रबंधन ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमारे ग्राहकों की सुरक्षा और भलाई हमेशा हमारी प्राथमिकता है।कॉफी शॉप की नीति सख्त है कॉफी हाउस में संदिग्ध व्यक्ति को नौकरी से निकाल दिया गया है, साथ ही जरुरी कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। कॉफी शॉप पहुंचकर पुलिस ने आरोपों की पुष्टि की।कर्मचारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसका मोबाइल फोन जब्त कर लिया है।पुलिस ने बताया कि आरोपी भद्रावती का निवासी है और कुछ समय से कॉफी शॉप पर काम कर रहा था।व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और यह पता लगाने जांच की रही है कि क्या उसने पहले भी इसी तरह के वीडियो रिकॉर्ड किए हैं।

पंजाब मेल में आग की अफवाह फैलते ही चलती ट्रेन से कूदे लोग, 20 घायल

शाहजहांपुर।उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में रविवार सुबह पंजाब मेल में आग लगने की अफवाह फैलने से भगदड़ मच गई।चलती ट्रेन से कूदने के कारण करीब 20 से ज्यादा यात्री घायल हो गए, जबकि 7 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।घटना बरेली और कटरा स्टेशन के मध्य होना बताई गई है।प्राप्त जानकारी अनुसार पंजाब मेल में अचानक आग लगने की अफवाह फैली, जिससे घबराकर अनेक यात्री चलती ट्रेन से ही कूदना शुरु कर दिए।घबराहट में लोग अपनी- अपनी जान बचाने यहां-वहां भागने लगे।इस भगदड़ में अनेक लोग घायल हो गए।घायलों में 7 लोगों की हालत गंभीर बताई गई है।घायलों को इलाज के लिए शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।यह हादसा पंजाब मेल एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 13006 अमृतसर से हावड़ा जाने वाली ट्रेन में हुआ है। जानकारी अनुसार पंजाब मेल अमृतसर से हावड़ा की ओर जा रही थी तभी सुबह तकरीबन 8:30 बजे बिलपुर कटरा स्टेशन के पास जनरल कोच में धुंआ उठता दिखाई दिया।लोगों को लगा बोगी में आग लगी हुई है।आग लगने की अफवाह फैली और तभी यात्री चलती ट्रेन से ही कूदकर भागने लगे।प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया गया कि धुंआ सीजफायर सिलेंडर के लीक होने से उठा था।

राष्ट्र विरोधी ताकतें हमारी संवैधानिक संस्थाओं के मंचों का कर रहीं इस्तेमाल

–भारत का बांग्लादेश जैसा होगा हाल की बात पर भड़के उपसभापति धनखड़

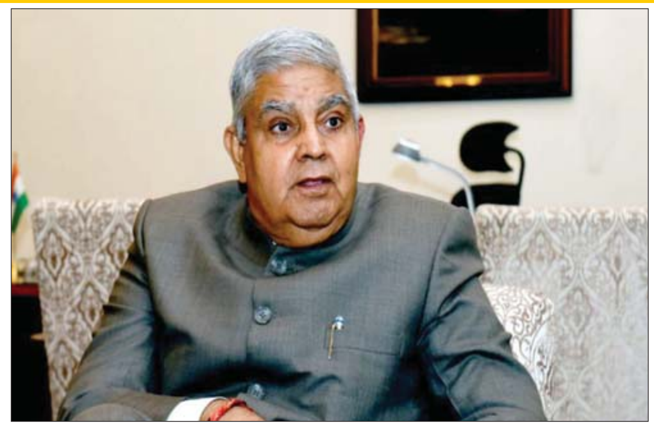

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के उपसभापति जगदीप धनखड़ भारत का हाल भी बांग्लादेश जैसा होगा कहने वालों पर भड़क गए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए उनका आलोचना करते हुए चिंता जताते हुए कहा कि कैसे कोई भारत की तुलना बांग्लादेश से कर सकता है। धनखड़ ने यह बातें जोधपुर में राजस्थान हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबिली समारोह में कहीं।

धनखड़ ने कहा कि कैसे इस देश का नागरिक जो संसद सदस्य रह चुका है और एक अन्य जिसने कई विदेश सेवाएं देखी हैं, ऐसी बातें कर सकता है। ऐसा माना जा रहा जगदीप धनखड़ ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सलमान खुर्शीद और मणिशंकर अय्यर पर निशाना साधा है। इन दोनों नेताओं ने भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हाने की बात कही थी।

धनखड़ ने यह भी कहा कि राष्ट्र विरोधी ताकतें अपनी हरकतों को छिपाने या वैध बनाने के लिए हमारी संवैधानिक संस्थाओं के मंचों का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि यह एकमात्र प्राथमिकता है और हम किसी भी चीज से पहले राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि विधायिका फैसला नहीं लिख सकती, इसी तरह न्यायपालिका कानून नहीं बना सकती या ऐसे निर्देश नहीं दे सकती जो कानून से परे हों।

उन्होंने कहा कि संविधान में सभी संस्थाओं की भूमिका का स्पष्ट उल्लेख है। अगर एक संवैधानिक संस्था के क्षेत्र में दूसरे का अतिक्रमण हो तो यह खतरनाक होगा। हमारे लोकतंत्र के लिए नापाक मंसूबे वालों से संस्थाओं को बचाने के लिए काम करें और अगर वे कुछ पैठ बनाने में कामयाब भी हो जाते हैं, तो चुप न रहें, उन्हें बेअसर करें। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि भारत विरोधी ताकतें हमारी प्रगति में बाधा डालने का प्रयास कर रही हैं। ये ताकतें हमारी संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रही हैं, उन्हें कलंकित और कमजोर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की न्यायिक प्रणाली और उसकी कार्यक्षमता उसकी लोकतांत्रिक जीवंतता को परिभाषित करती है। किसी भी सरकार के लिए एक स्वतंत्र न्याय प्रणाली जरुरी है, क्योंकि यह जीवनरेखा है।

ओडिशा में बांग्लादेशियों की घुसपैठ नहीं, तटरक्षक बल और पुलिस रख रही नजर : हरिचंदन

भुवनेश्वर। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बांग्लादेश में फैली अशांति के बाद समुद्री मार्ग से तटीय राज्य में बांग्लादेशियों के प्रवेश की कोई रिपोर्ट नहीं है।उन्होंने कहा कि ओडिशा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान की जाएगी और उन्हें वापस उनके देश भेजा जाएगा।पुलिस ने बताया कि भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओडिशा मरीन पुलिस समुद्र तट पर त्रिस्तरीय सुरक्षा कर रही है।बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच समुद्री मार्ग से बांग्लादेश से घुसपैठ की संभावना पर हरिचंदन ने कहा कि सीएम मोहन चरण माझी ने तटरक्षक बल और समुद्री पुलिस को ऐसे प्रयासों को रोकने के लिए समुद्र तट पर गश्त करने का निर्देश दिया है। कानून मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में हाल की घटनाओं के बाद ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं आई है।उन्होंने कहा कि कुछ बांग्लादेशी लंबे समय से ओडिशा में रह रहे हैं।राज्य सरकार उनके वीजा और वर्क परमिट जैसे दस्तावेजों या राज्य में रहने के किसी अन्य वैध कारण का सत्यापन करेगी।सत्यापन के बाद अवैध घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजा जाएगा। ओडिशा पुलिस ने कहा कि राज्य की 480 किलोमीटर लंबी तटरेखा तीन स्तरीय सुरक्षा जांच के दायरे में है।पहले पांच समुद्री मील की सुरक्षा ओडिशा की समुद्री पुलिस द्वारा की जा रही है, जबकि पांच समुद्री मील और तट से 80 किलोमीटर दूर देश की समुद्री सीमा के बीच के जल क्षेत्र का प्रबंधन तटरक्षक बल कर रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में निगरानी कर रही है।

उद्धव ठाकरे के काफिले पर गोबर से हमला

– मनसे ने कहा– घर में घुसकर पीटेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। मुंबई (ईएमएस)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के कार्यकर्ताओं ने महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के काफिले पर गोबर से हमला किया है। मनसे के ठाणे-पालघर के जिलाध्यक्ष अविनाश जाधव ने कहा कि कुछ शिवसैनिकों ने राज ठाकरे की गाड़ी के सामने आंदोलन करने की कोशिश की थी। उसी का मनसे ने जवाब दिया है। हमारे कार्यकर्ताओं ने 15 से अधिक गाड़ियों पर गोबर फेंका है। अगर कोई शिवसैनिक राज ठाकरे के खिलाफ जाएगा तो उनको ऐसा ही करारा जवाब दिया जाएगा। और उन्हें घर में घुसकर पीटा जाएगा। इस घटना को लेकर अब महाराष्ट्र में राजनीति तेज हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) ने राज ठाकरे पर हमला बोला और उनकी पार्टी को सुपारीबाज बताया। शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि अब समझ आ गया है कि राज ठाकरे और उनकी पार्टी को सुपारीबाज क्यों कहा जाता है। जिस तरह से उद्धव ठाकरे के काफिले पर ठाणे में हमला किया गया है। इस घटना से सरकार पर सवाल उठते हैं कि आखिर वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री को सुरक्षा को क्यों मुहैया नहीं करा पाए। शिवसेना (यूबीटी) ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री से इस्तीफे की मांग की है। उन्होंने कहा ?कि राज्य में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। सीएम एकनाथ शिंदे के गृह जिले में ऐसे हमले होते हैं, तो इससे साफ होता है कि इसकी सुपारी ली गई है। पहले लोग कहते थे कि राज ठाकरे और उनकी पार्टी सुपारीबाज है। परंतु अब यकीन हो गया, जिस तरह हमारे नेता उद्धव ठाकरे के काफिले पर ठाणे में हमला हुआ है। यह बहुत ही शर्मनाक है। एकनाथ शिंदे की सरकार पूरी तरह से फेल है। देवेंद्र फडणवीस को इस्तीफा देना चाहिए। वहीं महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उद्धव ठाकरे पर हुए हमले को स्वीकार किया है।

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा पर कांग्रेस का स्टैंड साफ नहीं: मायावती

–बाबा साहेब को कानून मंत्री पद से इस्तीफा देने को किया था मजबूर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा पर अपना स्टैंड साफ नहीं करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर आरक्षण का श्रेय बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की बजाय जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी को देने का आरोप लगाया है। मायावती ने अपने एक्स पर लिखा-कल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा दिए बयान की जानकारी मिली। एससी-एसटी के समक्ष कांग्रेस के बयान में बाबा साहेब को नहीं बल्कि पंडित नेहरू व गांधीजी को आरक्षण का श्रेय दिया गया है, जिसमें कोई सच्चाई नहीं है।

मायावती ने लिखा-वास्तव में आरक्षण का पूरा श्रेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को ही जाता है, जिनको कांग्रेस के लोगों ने संविधान सभा में जाने से रोका और उनको चुनाव में हराने का भी काम किया। उन्हें कानून मंत्री के पद से भी इस्तीफा देने को मजबूर किया गया। खड़गे ने यह कहा कि देश में एससी व एसटी वर्गों के उपवर्गीकरण के संबंध में अपने स्टैंड का खुलासा करने के पहले उनकी पार्टी एनजीओएस व वकीलों आदि से विचार-विमर्श करेगी, जिससे साफ है कि कांग्रेस उपवर्गीकरण के पक्ष में है। कांग्रेस क्रीमीलेयर के बारे में भी गोलमोल बातें कर रही हैं। कांग्रेस के 99 सांसद होने के बावजूद भी संसद में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी बनाने के लिए कोई आवाज नहीं उठाई गई जबकि कांग्रेस ने संविधान व आरक्षण को बचाने के नाम पर ही चुनाव में सीटें जीती हैं।

वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरक्षण के मुद्दे को लेकर बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी आरक्षण खत्म करने का इरादा रखती है। उन्हें क्रीमी लेयर का फैसला संसद में निरस्त करना चाहिए था।

दुष्कर्म और हत्या मामलों में जल्द न्याय के लिए विधेयक लाया जाए: अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने दुष्कर्मियों और हत्यारों पर जल्द मुकदमा चलाने और एक सप्ताह के अंदर सजा सुनाने के लिए संसद में एक विधेयक पेश करने का आह्वान किया है, जिससे यह तय हो सके कि उन्हें अनुकरणीय सजा मिले।

उन्होंने पश्चिम बंगाल में एक प्रशासनिक बैठक के बाद यह टिप्पणियां कीं। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव ने पत्रकारों से बातचीत में कोलकाता के सरकारी अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के बाद सड़कों पर प्रदर्शन करने के लिए बीजेपी नेताओं की निंदा की। बनर्जी ने बीजेपी नेताओं से प्रदर्शन के बजाय जल्द न्याय के लिए केंद्र पर विधेयक पारित करने का दबाव डालने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि टीएमसी संसद में विरोधी दल होने के नाते इस विधेयक का समर्थन करेगी और इसे कांग्रेस और वामपंथी दलों का भी समर्थन मिल सकता है।

बनर्जी ने कहा कि ऐसे कानून से मुकदमे के लंबा खिंचने पर रोक लगेगी और यह सुनिश्चित करके करदाताओं का पैसा भी बचाया जाएगा कि दुष्कर्म और हत्यारे समाज में न रहें। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म करने वाले समाज में रहने लायक नहीं हैं और इन्हें या तो मुठभेड़ में मार गिराया जाना चाहिए या फिर फांसी पर लटका देना चाहिए।

हाथरस, उन्नाव, मणिपुर जैसे मामले, दिल्ली में निर्भया मामले और पश्चिम बंगाल की घटनाओं में महिलाओं के खिलाफ हो रही घर्टनाओं को रोकने में राजनीतिक दलों की नाकामी को स्वीकार करते हुए बनर्जी ने न्याय प्रणाली में सुधार का आह्वान किया कि ऐसे अपराधों के लिए जल्द और निष्पक्ष केस चलाया जाए।

उन्होंने दुष्कर्म मामलों में जल्द न्याय सुनिश्चित करने के बजाय अध्यादेशों के जरिए से ईडी के निदेशक के कार्यकाल को बढ़ाने पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए केंद्र की आलोचना की। घटना के 24 घंटे के अंदर संदिग्ध को गिरफ्तार करने में पुलिस की कार्रवाई की तारीफ करते हुए

उन्होंने अस्पतालों में सख्त सुरक्षा उपायों की जरुरत पर जोर दिया और रात 10 बजे के बाद लोगों की आवाजाही पर सवाल उठाए। उन्होंने टीएमसी में जल्द ही संगठनात्मक बदलाव का भी संकेत दिया और पार्टी के सिद्धांतों का पालन नहीं करने वाले उसके सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई के लिए तीन महीने की समयसीमा को त्योहारों के कारण पांच महीने तक बढ़ा दिया। वहीं, बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने बनर्जी पर अस्पतालों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में राज्य की विफलता से ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया और उनकी टिप्पणियों को घटना पर बढ़ते जनआक्रोश को नियंत्रित करने का एक हताश प्रयास बताया है।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, 'बड़े घोटाले' की जांच के लिए जेपीसी जरूरी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच के खिलाफ लगाए गए आरोपों के मद्देनजर कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस 'बड़े घोटाले' की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की जरूरत है। खरगे ने आरोप लगाया कि जब तक जेपीसी इस मुद्दे की जांच नहीं करती, तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि ''पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गईं भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।'' कांग्रेस ने कहा कि सरकार को अडाणी समूह की नियामक की जांच में सभी हितों के टकराव को खत्म करने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने मामले की संयुक्त संसदीय समिति से जांच कराने की अपनी मांग दोहराई।

खरगे ने 'एक्स' पर लिखा, ''जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट के खुलासे के बाद सेबी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहयोगी अडाणी को उच्चतम न्यायालय में क्लीन चिट दे दी थी। हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े एक लेन-देन के बारे में नए आरोप सामने आए हैं।'' उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के छोटे और मध्यम निवेशकों को संरक्षण दिए जाने की जरूरत है क्योंकि वे अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में लगाते हैं और उनका सेबी पर भरोसा है। खरगे ने कहा कि इस 'बड़े घोटाले' की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराना आवश्यक है।

कांग्रेस प्रमुख ने कहा, ''तब तक यह चिंता बनी रहेगी कि 'पिछले सात दशकों में कड़ी मेहनत कर बनाई गईं भारत की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने सहयोगी को बचाते रहेंगे।'' हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष माधबी बुच और उनके पति के पास कथित अडाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अडाणी पर अपनी पिछली रिपोर्ट के 18 महीने बाद एक ब्लॉगपोस्ट में आरोप लगाया, ÷सेबी ने अडाणी के मॉरीशस और विदेश स्थित फर्जी कंपनियों के कथित अघोषित जाल में आश्चर्यजनक रूप से रुचि नहीं दिखाई है।'

भारत से लगी सीमा पर नए गांव बसा रहा चीन.... जासूसी करना है काम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा के करीब चीन ने फिर चालबाजी की है। चीन ने हाल के वर्षों में सीमा से लगे इलाके में 50 से अधिक गांव बसाए हैं। इन गांवों में रहने के लिए चीनी सरकार लोगों को पैसे देती है, लेकिन बीजिंग का मुख्य उद्देश्य भारत के साथ लगी विवादित सीमा पर आबादी बढ़कर जासूसी करना है। नए गांवों के अलावा चीन ने दूसरे 100 गांवों में नए घर भी बनाए हैं, ताकि और अधिक लोगों को रखा जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, चीन बॉर्डर पर गांवों की एक दीवार खड़ी कर रहा है, जो उसके लिए नागरिक चौकी का काम कर रहे हैं। चीन बॉर्डर पर नजर रखने के लिए इस तरीके को तेजी से अपना रहा है।

हिमालय की तलहटी में मौजूद किओंगलिन गांव को चीन ने अभी बसाया है। समुद्रतल से 10,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह इलाका कभी एक खाली घाटी था। यहां केवल स्थानीय शिकारी ही आते-जाते थे। फिर चीनी अधिकारियों ने घरों और बढ़िया पक्की सड़कों वाला एक गांव बनाया और लोगों को दूसरी बस्तियों से वहां जाने के लिए पैसे दिए गए। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इसतरह के लोगों को सीमा रक्षक कहते हैं। किओंगलिन के रहने वाले भारत के सबसे पूर्वी राज्य अरुणाचल प्रदेश पर चीन की पहली लाइन के चौकीदार हैं। अरुणाचल पर चीन अपना बेबुनियाद दावा करता है। किओंगलिन अकेला गांव नहीं है। हाल के वर्षों में इसतरह के कई निर्माण सामने आए हैं, जो इसका साफ संकेत है कि शी जिनपिंग दूर की सीमाओं के नियंत्रण को मजबूत करने के लिए नागरिक बस्तियों का उपयोग कर रहे हैं। ये वही तरीका है, जो उन्होंने विवादित दक्षिणी चीन सागर में मछली पकड़ने वाले द्वीपों के साथ किया है। सैटेलाइट से हासिल तस्वीरों के विश्लेषण से पता चलता है कि चीन ने भारत की सीमा से लगे लगभग हर हिमालयी दर्रे के पास कम से कम एक गांव बसाया है। इसके साथ ही भूटान और नेपाल की सीमा से लगे अधिकांश दर्रे भी गांव का निर्माण किया है। इन गांवों के बनने से चीन को सड़क, इंटरनेट और बिजली हासिल होती है, जो सीमा पर सैनिकों को जल्दी भेजने में मदद कर सकती है।